हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com जबलपुर, गुरुवार 11 दिसंबर 2025

13 रोहित टॉप पर बरकरार दूसरे स्थान पर कोहली

व्यापार
5 स्थानीय थोक बाजार हुनमानगंज...

केंद्रीय सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त 8 सूचना आयुक्त और एक सतर्कता आयुक्त की नियुक्ति पर विस्तार से चर्चा

पीएम मोदी व अमित शाह के साथ पीएमओ में राहुल गांधी की 88 मिनट तक हुई बैठक

राहुल गांधी ने सभी नियुक्तियों पर लिखित रूप में आपत्ति दर्ज कराई

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री कार्यालय का एक कमरा और 88 मिनट तक राहुल गांधी के साथ पीएम मोदी और अमित शाह की बैठक। संसद में वंदे मातरम और चुनाव सुधार पर चल रही चर्चा के बीच बुधवार को कांग्रेस नेता के साथ हुई यह बैठक चर्चा के केंद्र में बनी हुई है। इस बैठक में भाग लेने के लिए राहुल गांधी बुधवार को दोपहर में प्रधानमंत्री कार्यालय पहुंचे थे। बैठक बुधवार दोपहर एक बजकर 7 मिनट से हुई थी, जो करीब ढाई बजे समाप्त हुई। यह बैठक करीब 88 मिनट तक चली। बैठक में मुख्य सूचना आयुक्त, 8 सूचना आयुक्त और एक सतर्कता आयुक्त की नियुक्ति पर विस्तार से चर्चा की गई। राहुल गांधी ने सभी नियुक्तियों पर लिखित रूप में आपत्ति दर्ज कराई।

सीआईसी के पास 30,838 मामले लंबित

सूचना के अधिकार अधिनियम की धारा 12 (3) के तहत, प्रधानमंत्री समिति के अध्यक्ष होते हैं, जिसमें विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय मंत्री भी शामिल होते हैं, जो मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों की नियुक्ति के लिए नामों का चयन और सिफारिश करती है। आरटीआई कानून के अनुसार सीआईसी में एक मुख्य सूचना आयुक्त और 10 सूचना आयुक्त होते हैं, जो आरटीआई आवेदकों द्वारा उनके आवेदनों पर सरकारी अधिकारियों के असंतोषजनक आदेशों पर दायर शिकायतों और अपीलों पर निर्णय करते हैं। सीआईसी की वेबसाइट के अनुसार उसके पास 30,838 मामले लंबित हैं। उसके पास केवल दो सूचना आयुक्त आनंदी रामलिंगम और विनोद कुमार तिवारी बचे हैं और आठ पद खाली हैं।

केंद्रीय सूचना आयोग में अभी 8 पद खाली

यह बैठक देश के नए मुख्य सूचना आयुक्त के चयन को लेकर हुई। केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) में मुख्य सूचना आयुक्त सहित अभी 8 पद खाली हैं। कुछ महीनों पहले तक हीरालाल सामरिया भारत के मुख्य सूचना आयुक्त थे, लेकिन 13 सितंबर, 2025 को सामरिया के रिटायर होने के बाद से मुख्य सूचना आयुक्त का पद खाली है। इससे पहले जब भी इन नियुक्तियों को लेकर बैठक हुई है तो विपक्ष का नेता होने के नाते चाहे खरगे हो या राहुल, उन्होंने अपनी आपत्तियां दी हैं। इस बार भी ऐसा ही हुआ है।

खबर संक्षेप

सावरकर के नाम वाला सम्मान नहीं लूंगा: थरूर

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने वीर सावरकर पुरस्कार लेने से इनकार कर दिया है। दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत के दौरान थरूर ने कहा कि वे पुरस्कार समारोह में नहीं जाएंगे। थरूर ने साफ किया कि वह वी.डी. सावरकर के नाम पर दिया जाने वाला कोई भी पुरस्कार स्वीकार नहीं करेंगे और न ही इससे जुड़े किसी कार्यक्रम में शामिल होंगे।

परियोजना अधिकारी को रिश्वत लेते पकड़ा

देवास। लोकायुक ने महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी रामप्रवेश तिवारी को 5 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा। अधिकारी द्वारा कंप्यूटर ऑपरेटर की सेवाएं बढ़ाने के बदले 2 महीने की सैलरी मांगी थी। दो किस्तों में रुपए देने की बात तय हुई। ऑपरेटर प्रितेश तंवर ने उज्जैन में शिकायत कर दी।

पहली बार आयोजित होगी संयुक्त राष्ट्रीय मुक्केबाजी

नई दिल्ली। भारत में पहली बार शीर्ष पुरुष और महिला मुक्केबाजों के लिए राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप का आयोजन एक साथ होने जा रहा है। दोनों वर्गों के लिए 'राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप' का आयोजन ग्रेटर नोएडा की गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी में 31 दिसंबर, 2025 से 6 जनवरी, 2026 तक होगा। इस तरह का आयोजन पहली बार है।

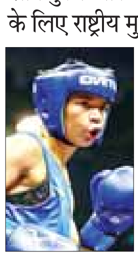

बड़ी उपलब्धि : यह निर्णय दिल्ली के लाल किले में आयोजित यूनेस्को की बैठक में लिया गया

यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की सूची में दीपावली भी...अब तक 16 विरासतें शामिल

पीएम मोदी बोले- यह हमारी सभ्यता की आत्मा

◂ जब यूनेस्को ने घोषणा की कि दीपावली को यूनेस्को के त्योहारों की सूची में शामिल कर दिया गया है, तब वहां मौजूद लोग 'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाने लगे

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

अंधकार पर प्रकाश की विजय के पर्व दीपावली को बुधवार को यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया गया। यह निर्णय यूनेस्को की एक अहम बैठक के दौरान लिया गया। बैठक दिल्ली के लाल किले में आयोजित की गई थी।

इस फैसले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दीपावली हमारी सभ्यता की आत्मा है और देश-विदेश में हर देशवासी इस फैसले से उत्साहित है। यह पहली बार है जब भारत इसकी अंतरसरकारी समिति के सत्र की मेजबानी कर रहा है। यह समिति अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की सुरक्षा के लिए कार्य करती है। इस समिति का 20वां सत्र आठ दिसंबर से 13 दिसंबर लाल किले में चल रहा है।

यह पहली बार है जब भारत इसकी अंतरसरकारी समिति के सत्र की मेजबानी कर रहा

इस समिति का 20वां सत्र 8 दिसंबर से 13 दिसंबर तक लाल किले में चल रहा

यूनेस्को भवन

भारत की पहले से शामिल 15 प्रमुख विश्व धरोहर-परंपराएं

- कुंभ मेला
- रामलीला परंपरा
- योग
- नवरोज त्योहार
- कुदियाट्टम
- कालबेलिया नृत्य (राजस्थान)
- चौह नृत्य
- बौद्ध चैत्य नृत्य
- वैद्यकीय परंपराएं (आयुर्वेदिक ज्ञान)
- रंजीतगढ़ ढोल कल्चर
- गरबा (गुजरात)
- सांइत (लोक नाट्य परंपरा)
- मुदियेट्टु (केरल)
- छऊ मुखौटा कला
- दुर्गा पूजा उत्सव (कोलकाता)

पीएम मोदी ने कहा

इस त्योहार की वैश्विक लोकप्रियता और भी बढ़ जाएगी

यूनेस्को के निर्णय पर पीएम मोदी ने कहा कि भारत और दुनियाभर के लोग उत्साहित हैं। हमारे लिए दीपावली हमारी संस्कृति और लोकाचार से बहुत गहराई से जुड़ी हुई है। यह हमारी सभ्यता की आत्मा है। यह प्रकाश और धार्मिकता का प्रतीक है। यूनेस्को की अमूर्त विरासत सूची में दीपावली के शामिल होने से इस त्यौहार की वैश्विक लोकप्रियता और भी बढ़ जाएगी। प्रभु श्री राम के आदर्श हमें अनंत काल तक मार्गदर्शन करते रहें। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि यह इस त्यौहार के अपार सांस्कृतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व और लोगों को एक साथ लाने में इसकी भूमिका को मान्यता प्रदान करता है।

दिवाली विश्व धरोहर की सूची में क्यों?

दिवाली एक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पुल है। यह त्योहार धर्म से आगे बढ़कर जीवन के उस पक्ष को दर्शाता है जहां अंधकार पर प्रकाश, नकारात्मकता पर सकारात्मकता और अव्यवस्था पर आशा की जीत होती है। दिवाली सामाजिक एकता का प्रतीक है। हर प्रदेश में यह त्योहार अलग अंदाज़ में मनाया जाता है। कहीं ये दीपावली तो कहीं दीपोत्सव, काली पूजा से लेकर बालिप्रतिपदा और गोवर्धन पूजा तक दिवाली के अनेकों रूप हैं फिर भी भावना एक ही है। यह आर्थिक-सांस्कृतिक जीवन का उत्सव है। पारंपरिक कारीगर, मिट्टी के दीये बनाने वाले कुम्हार, बुनकर, मिठाई कारीगर, और कलाकार आदि दिवाली से जीविका पाते हैं। यह त्योहार भारत की लोक-कलाओं, पारंपरिक बाजारों और पारिवारिक मूल्यों का प्रतीक है। इसके पीछे भारतीय प्रवासी समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। दुनिया भर में रहने वाले भारतीयों ने दिवाली को वैश्विक त्योहार बना दिया है।

नक्सल विरोधी अभियान से लौट रही थी टीम

पुलिस वैन-कंटेनर की भिड़ंत चार जवानों की मौत, 1 गंभीर

जेसीबी से वैन की बॉडी काटकर निकाले शव

हादसे में दोनों वाहन क्षतिग्रस्त

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सागर

नेशनल हाईवे-44 पर बांदरी के पास बुधवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां तेज रफ्तार कंटेनर और पुलिस के बीडीडीएस वाहन में आमने-सामने की टक्कर हो गई।

इस दुर्घटना में पुलिस वाहन में सवार 4 जवानों की मौत हो गई, जबकि एक जवान गंभीर रूप से घायल है। यह टीम बालाघाट में ड्यूटी पूरी कर मुरैना लौट रही थी। टीम में शामिल का डॉग सुरक्षित है। हादसे पर सीएम डॉ. मोहन यादव और डीजीपी सहित जन प्रतिनिधियों ने दुख व्यक्त किया है।

एक आरक्षक को दिल्ली भेजा गया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शोक संवेदनाएं व्यक्त की है। सीएम ने कहा कि हादसे में दिवंगत पुलिसकर्मियों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। घायल आरक्षक राजीव चौहान को एयरलिफ्ट कर दिल्ली भेजा गया।

ढाना हवाई पट्टी पर ट्रेनर एयरक्राफ्ट क्रैश

लैंडिंग के वक्त बिगड़ गया संतुलन, पायलट सुरक्षित

हरिभूमि न्यूज ▸▸ सागर

सागर जिले की ढाना हवाई पट्टी पर चाएम्स एविशियशन का ट्रेनर एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया। लैंडिंग के वक्त अनियंत्रित होने के बाद एयरक्राफ्ट की नोज जमीन से आ टकराई। हवाई पट्टी पर मौजूद कर्मचारी तुरंत दौड़े। पायलट को बाहर निकाला। एंबुलेंस से अस्पताल भेजा। पायलट खतरे से बाहर है। हादसा बुधवार को हुआ। चाइम्स एविएशन एकेडमी के इस एयरक्राफ्ट को ट्रेनी पायलट उड़ा रहे थे। चाइम्स एविएशन एकेडमी के कर्मचारियों के मुताबिक लैंडिंग के वक्त पायलट का एयरक्राफ्ट से नियंत्रण छूट गया।

■ एयरक्राफ्ट की नोज जमीन से आ टकराई

ढाना हवाई पट्टी

10वीं के लिए सख्त नियम लागू

उत्तर तय सेक्शन में लिखने होंगे पुनर्मूल्यांकन में सुधार नहीं होगा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 2026 में होने वाली कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा के लिए छात्रों के लिए निर्देश जारी किए हैं। ये निर्देश खास तौर पर विज्ञान और सामाजिक विज्ञान विषयों की परीक्षा के लिए हैं। 10वीं परीक्षा में बैठने वाले छात्र परीक्षा के दिशा-निर्देश सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकते हैं। परीक्षा 17 फरवरी 2026 से 10 मार्च 2026 तक आयोजित की जाएगी। कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में विज्ञान के उत्तर तीन खंडों (जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान) और सामाजिक विज्ञान के उत्तर चार खंडों (इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र) में लिखना अनिवार्य है। हर प्रश्न का उत्तर सिर्फ उसके निर्धारित खंड में ही लिखें, किसी अन्य खंड में न लिखें और न मिलाएं।

■ विज्ञान और सामाजिक विज्ञान विषयों पर निर्देश

केंद्रीय मंत्री सिंधिया पहुंचे डॉ. हिमांशु के घर

पिता के निधन पर शोक जताया

ग्वालियर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया बुधवार शाम को हरिभूमि व आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के घर पहुंचे और उनके पिता पं. कीर्ति नारायण द्विवेदी के निधन पर शोक संवेदनाएं जताईं और परिजनों को ढांढस बंधाया।

आज भी एक दर्जन जिलों में शीतलहर का अलर्ट

शहडोल के कल्याणपुर में सबसे कम पारा तीन डिग्री रहा

ऐसी सर्दी...शहडोल में फसलों पर ओस जमी भोपाल में पारा 6.8 डिग्री, कोल्ड वेव जारी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में सर्दी जोरों पर है। बुधवार को भोपाल सहित कई जिलों में लगातार कोल्ड वेव का असर रहा। शहडोल के कल्याणपुर में सबसे कम पारा 3 डिग्री रहा।

यहां फसलों पर ओस जम गई। उमरिया 4.9, राजगढ़ और हिल स्टेशन पचमढ़ी 5.2, इंदौर 5.4 डिग्री के साथ ही शाजापुर के गिरवर में रात का पारा 5.5 डिग्री रहा। गुरुवार को भी भोपाल, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, इंदौर, शाजापुर जिलों में कोल्ड वेव का अलर्ट जारी किया गया है। प्रदेश के आधा दर्जन से अधिक जिलों में अगले 2 दिन कोल्ड वेव का अलर्ट है। मौसम केंद्र के अनुसार भोपाल सहित एक दर्जन जिलों में अभी कड़ाके की सर्दी से राहत के आसार नहीं है। इंदौर में 5.4 डिग्री पहुंच गया तो भोपाल में 6.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ग्वालियर में 9.3 डिग्री, उज्जैन में 8.7 डिग्री और जबलपुर में 9.1 डिग्री रहा। इन शहरों में तेज सर्दी का दौर रहा। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में जेट स्ट्रीम का असर है। यह 222 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से बह रही है।

फसलों पर जमी ओस की बूंदें

दो दिन यहां ज्यादा रहेगी सर्दी

विशेषज्ञ शुक्ला के अनुसार अगले दो दिन प्रदेश के उत्तरी और पूर्वी जिलों में ठंडक तेज होगी। ग्वालियर, चंबल और उज्जैन संभाग के सभी जिलों में कड़ाके की ठंड पड़ेगी। यहां बर्फीली हवाओं का असर अधिक रहेगा। भोपाल संभाग के सीहोर-विदिशा में तेज ठंड का जोर रहेगा। सागर संभाग के निवाड़ी, छतरपुर, टीकमगढ़-पन्ना, रीवा संभाग के मऊगंज, सीधी-सिंगरौली में भी कड़ाके की सर्दी पड़ेगी। वहीं, जबलपुर संभाग के मंडला-डिंडौरी, इंदौर संभाग के इंदौर, धार और झाबुआ में कड़ाके की ठंड रहेगी। इन जिलों में उत्तर से आ रही बर्फीली हवाओं का असर अधिक रहेगा।

संसद में बहस पर शाह ने किया राहुल पर वार

घुसपैठिए तय नहीं कर सकते मुख्यमंत्री-प्रधानमंत्री, मतदाता सूची का शुद्धिकरण होना जरूरी, किसी की 'मुंसिफी' से संसद नहीं चलेगी

सरकार किसी मुद्दे पर चर्चा से नहीं भागती। 'सर' की जिम्मेदारी भारत के चुनाव आयोग की। इस पर बहस नहीं हो सकती वे सरकार के तहत काम नहीं करते।

एसआईआर पर विपक्ष सदन से क्यों भागा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पार्लियामेंट विंटर सेशन में बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लोकसभा में चल रही एसआईआर चर्चा पर कहा कि इस पर बहस संसद में नहीं हो सकती, क्योंकि यह मुद्दा चुनाव आयोग के पास है। इलेक्शन कमीशन सरकार के साथ काम नहीं करता है। चुनाव आयोग स्वतंत्र संस्था है। शाह ने कहा कि चुनावों में सुधार पर चर्चा के लिए सत्र की शुरुआत में दो दिन गतिरोध भी हुआ। इससे एक प्रकार की गैरसमझ, गलत धारणा जनता पर पड़ी कि हम लोग ये चर्चा नहीं चाहते हैं। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि संसद इस देश की चर्चा का सबसे बड़ी पंचायत है और हम भाजपा-एनडीए वाले चर्चा से कभी नहीं भागते। कोई भी मुद्दा हो, नियमों के अनुसार चर्चा के लिए हम तैयार रहते हैं। हमने दो दिन तक विपक्ष से चर्चा की कि इसको दो सत्र बाद किया जाए, लेकिन नहीं माने, तो हमने हां कर दी। इस चर्चा के लिए न बोलने के दो कारण हैं। पहला- विपक्ष चर्चा सर के नाम पर चर्चा मांग रहे थे। सर पर इस सदन में चर्चा नहीं हो सकती, क्योंकि SIR की जिम्मेदारी भारत के चुनाव आयोग की है।भारत का चुनाव आयोग और चुनाव आयुक्त, ये सरकार के तहत काम नहीं करते हैं।

नेहरू का पीएम बनना पहली 'वोट चोरी' वरना...

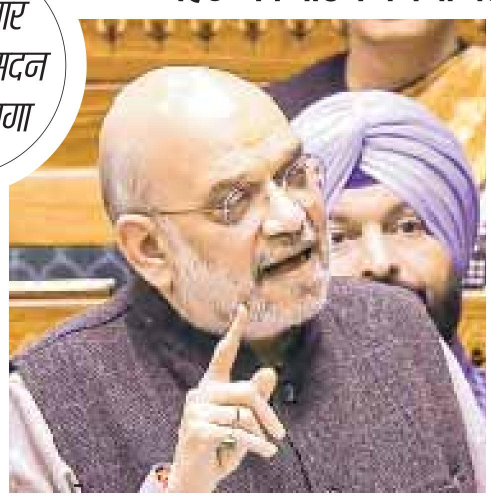
एसआईआर पर चर्चा का जवाब देते गृहमंत्री शाह

शाह ने कहा कि देश में विपक्ष पिछले कई महीनों से वोट चोरी का मुद्दा उठा रहा है। मैं आज बताना चाहता हूं कि देश में कब-कब वोट चोरी हुई? शाह ने कहा, वोट चोरी के तीन आधार होते हैं, नंबर एक- योग्यता नहीं है और आप वोटर बनकर बैठे हैं, ये वोट चोरी मानी जाती है। दूसरा, आप गलत प्रकार से चुनाव जीतते हैं। तीसरा- वोट के विपरीत पद प्राप्त करना। ये तीनों ही वोट चोरी के दायरे में आती हैं। शाह ने कहा, देश में पहली वोट चोरी की घटना हुई जब देश के पहला प्रधानमंत्री तय करना था, उस वक्त के देश के जितने प्रांत थे, उनके कांग्रेस अध्यक्ष थे, उनके एक-एक वोट से तय होना था, उनमें से 28 वोट सरदार पटेल को मिले और 2वोट जवाहरलाल नेहरू को और प्रधानमंत्री जवाहर लाल बने। इसके बाद कांग्रेस हंगामा करने लगी।

एसआईआर पर जनता को गुमराह करने का प्रयास किया गया

गृहमंत्री शाह ने कहा कि चर्चा तय हुई थी चुनाव सुधारों के लिए, लेकिन ज्यादातर विपक्ष के सदस्यों ने एसआईआर पर ही चर्चा की। एसआईआर पर एकतरफा चार महीने से झूठ फैलाया गया और जनता को गुमराह करने का प्रयास किया गया। साथ ही संसद से बहिर्गमन किया।

राहुल के दावे पर कंगना का पलटवार

ब्राजीलियाई महिला से संसद में माफी मांग रही, राहुल 'अपराधी'

चुनाव सुधार पर लोकसभा में चल रही बहस के दौरान मंडी सांसद कंगना ने कहा कि हर महिला को अपनी गरिमा का

अधिकार है और कांग्रेस नेता द्वारा ब्राज़ीलियाई महिला की तस्वीर का बिना सहमति के इस्तेमाल करने की कड़ी आलोचना की। उन्होंने बार-बार कहा है कि वह कभी भारत नहीं आईं और हरियाणा चुनाव से उनका कोई लेना-देना नहीं है। इस संसद की ओर से मैं उनसे माफी मांगती हूं। व्यक्तित्व अधिकारों का उल्लंघन एक बड़ा अपराध है।

विपक्ष नाटक कर रहा

रनौत ने कहा कि विपक्ष मतदाता सूची को साफ करने के लिए चलाए जा रहे सर को लेकर नाटक कर रहा है। लोकसभा में विपक्ष के नेता अपने भाषण के दौरान लगातार भटक रहे थे।उन्हें मुद्दे पर आने के लिए कहा गया और उन्होंने जवाब दिया कि वह तर्क गढ़ कर रहे हैं। और आख़िरकार, वे फिर से उसी महिला के पास चले गए। रनौत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई महिला-केंद्रित उपाय लाए हैं। उन्होंने कहा कि पीएम ईवीएम हैक नहीं करते, वह दिल हैक करते हैं। उन्होंने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा को भी निशाना बनाया और सवाल किया कि उनकी मां और कांग्रेस की दिग्गज नेता सोनिया गांधी ने कथित तौर पर नागरिक बनने से पहले कैसे मतदान किया। प्रियंका ने बिल्कुल झूठ बताया।

इन्होंने भी कहा

नतीजा कांग्रेस के पक्ष में हो तो...

केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल ने कहा कि राहुल गांधी चुनावी सुधारों के लिए पदयात्रा की और बिहार चुनावों

को एसआईआर पर केंद्रित रखा। बिहार चुनावों की जनमत इस बात का प्रतीक है कि जनता ने न केवल प्रधानमंत्री मोदी की योजनाओं को स्वीकार किया है, बल्कि एसआईआर का समर्थन भी किया है। जब परिणाम कांग्रेस के पक्ष में होते हैं, तो ईवीएम अच्छी बात है।

अहंकार के सिवा राहुल गांधी के पास कुछ नहीं बचा

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि विनाश काले, विपरीत बुद्धि। राहुल 'विवाद विद्या' के उस्ताद हैं। उन्हें न तो संविधान में विश्वास है और न ही संवैधानिक

संस्थाओं में। अहंकार के सिवा उनके पास कुछ नहीं बचा। वे हताश हैं, इस बात से हताश कि सत्ता एक गरीब के बेटे नरेंद्र मोदी जी के हाथों में है। इसी हताशा में वे मुख्य न्यायाधीश को निशाना बनाते रहते हैं।

चुनाव आयोग की नियुक्ति पीएम क्यों नहीं कर सकतेः रविशंकर

मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयोग की नियुक्ति

के लिए गठित चुनाव समिति से मुख्य न्यायाधीश को बाहर रखने पर कांग्रेस द्वारा सरकार से सवाल किए जाने के जवाब में, भाजपा सांसद रवि शंकर प्रसाद ने कहा कि जब प्रधानमंत्री को परमाणु बटन सौंपने में भरोसा किया जा सकता है, तो एक अच्छे मुख्य चुनाव आयुक्त या चुनाव आयोग के चयन में ऐसा क्यों नहीं किया जा सकता?

राहुल एक नॉन-रेसिडेंट इंडियन पॉलिटिशियन

भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा कि राहुल गांधी एक

नॉन-रेसिडेंट इंडियन पॉलिटिशियन हैं। भारत को एक भारत का रहने वाला अपोजिशन लीडर चाहिए जो सच में इस देश की परवाह करे और अपने काम को सीरियसली ले। वह भारत से ज़्यादा विदेश में रहते हैं। उनका दिल विदेश में है, लेकिन मजबूरी में वह यहां पॉलिटिक्स कर रहे हैं।

जनता में भ्रम पैदा करने की कोशिश कर रहे

भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि कल पहली

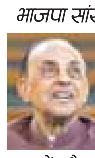

बार राहुल गांधी ने लोकसभा में चुनाव आयोग पर कोई आरोप नहीं लगाया। वे पहले भी ऐसा कर चुके हैं। इन्हीं लोगों ने चुनाव आयोग के कार्यालय के सामने धरना दिया था। उस समय चुनाव आयोग ने उन्हें और उनके 30 सांसदों के प्रतिनिधिमंडल को बुलाया था, लेकिन वे नहीं गए।

चले थे हिस्टोरियन बनने, बन गए डिस्टोरियन

कांग्रेस की ओर से जयराम रमेश ने चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि

गृह मंत्री और अन्य वक्ताओं को सुना. चले थे हिस्टोरियन बनने, बन गए डिस्टोरियन। उन्होंने कहा कि डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद, सरदार पटेल इन सभी लोगों पर आप तुष्टिकरण का आरोप लगा रहे हैं। गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने खुद इंटरव्यू में कहा था कि हमने सीडब्ल्यूसी में वंदे मातरम की कुछ पंक्तियों को नेशनल एंथेम घोषित करने की मांग की है। आचार्य कृपलानी से लेकर तमाम बड़े नेताओं ने इसे लेकर पत्र लिखे।

चुनाव आयोग 'वोट चोरी' को बढ़ावा दे रहा

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि ईसी 'वोट चोरी'

जैसे राष्ट्रविरोधी कृत्यों को रोकने के बजाय उन्हें बढ़ावा दे रहा है। भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि भाजपा सोचती है कि वह ईडी, सीबीआई, चुनाव आयोग और अन्य एजेंसियों का इस्तेमाल करके देश पर शासन कर सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा देशभक्ति की बातें करती है। उनके पूर्वजों ने स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई नहीं लड़ी।

राहुल ने सभी संस्थाओं का विश्वास खो दियाः चिराग

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि राहुल का किसी भी संस्था पर भरोसा नहीं बचा है। उन्होंने सभी संवैधानिक रूप से स्वतंत्र संस्थाओं, यहां तक कि चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं पर भी विश्वास खो दिया।

खबर संक्षेप

आवारा कुत्तों को एनिमल लवर्स के घर छोड़ दें

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने आवारा कुत्तों के बढ़ते खतरे और हमलों से निपटने के लिए विधायकों के साथ

बैठक करने पर सहमति व्यक्त की। भोसरी से भाजपा विधायक महेश लांडगे ने मांग की कि हमला करने वाले कुत्तों को 'पकड़कर सीधे एनिमल लवर्स के घरों में छोड़ देना चाहिए। ताकि, उन्हें समस्या की गंभीरता का अहसास हो सके।

गाय को खिलाया चिकन मोमोज, गिरफ्तार

गुरुग्राम। यहां के सेक्टर-56 थाना क्षेत्र में गाय को चिकन मोमोज खिलाने पर युवक को पीटने का

मामला सामने आया है। गोरक्षकों ने युवक की जमकर धुलाई कर पुलिस के हवाले कर दिया। युवक सोशल मीडिया एप पर मिले टास्क पर मोमोज खा रहा था। पुलिस ने युवक पर केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया है।

महाराष्ट्र विधानसभा में तेंदुआ बने विधायक

मुंबई। तस्वीर में तेंदुए में गेटअप में दिख रहे शख्स महाराष्ट्र के माननीय हैं और वे इस वेश-भूषा में बुधवार

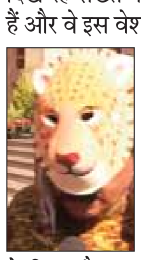

को महाराष्ट्र विधानसभा के बाहर नजर आए। जुन्नार के विधायक शरद सोनावणे को देखकर कुछ देर के लिए कौतुहल मच गया। थोड़ी देर बाद जब विधायक ने बातें रखी तो समझ आई। उन्होंने तेंदुओं के बढ़ते हमलों के विरोध में ऐसा किया।

बागपत में फैक्ट्री से 300 किलो माल नष्ट किया

बागपत। यूपी के बागपत शहर के बीचों-बीच चल रही नकली खाने के एक बड़े रैकेट का खाद्य विभाग

ने भंडाफोड़ किया है। यहां एक गोदाम से सैकड़ों किलो घटिया और सेहत के लिए खतरनाक मेयोनीज और सॉस फास्ट-फूड की दुकानों में भेजी जा रही थी। विभाग ने 300 किलो से अधिक नकली मेयोनीज नष्ट कर दी।

दिल्ली हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान केंद्र और डीजीसीए की कड़ी आलोचना की

5000 का टिकट 39 हजार का कैसे हो गया यात्रियों को परेशानी की भरपाई करे इंडिगो

इंडिगो की फ्लाइट कैंसिलेशन और देरी की घटनाओं को गंभीर माना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को इंडिगो एयरलाइंस के चल रहे संकट पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) की कड़ी आलोचना की। हाई कोर्ट ने इंडिगो की फ्लाइट कैंसिलेशन और देरी की बढ़ती घटनाओं को गंभीर संकट बताते हुए केंद्र से सवाल किया है कि आखिर हालात इस कदर कैसे बिगड़ गए? कोर्ट ने निर्देश दिया है कि यात्रियों को तुरंत मुआवजा देने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं।

सैकड़ों फ्लाइट्स कैंसिल होने से प्रभावित यात्रियों के लिए मदद और रिफंड की मांग करने वाली एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने कहा कि इंडिगो की उड़ानें रद्द होने से न सिर्फ यात्रियों को परेशानी और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा, बल्कि इससे अर्थव्यवस्था को भी नुकसान हो रहा है। कोर्ट ने सवाल उठाया कि जब इंडिगो की फ्लाइटें बंद थीं, तो अन्य एयरलाइंस ने मौके का फायदा उठाते हुए टिकटों के दाम क्यों बढ़ा दिए? कोर्ट ने पूछा कि दूसरी एयरलाइंस के दाम बढ़ाने को कैसे जायज ठहराया जा सकता है।

दाम बढ़ाने को जायज नहीं ठहराया जा सकता

उच्च न्यायालय ने विमानन कंपनी को दिया निर्देश

यात्रियों की सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता

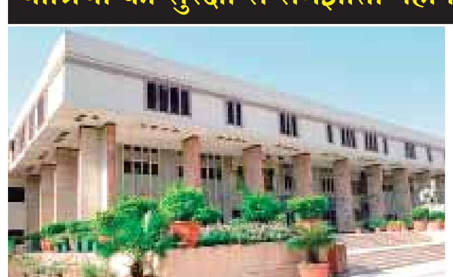
दिल्ली हाईकोर्ट

चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तुषार राव गेडेला की बेंच ने कहा कि पायलटों के लिए संशोधित फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) नियमों को लागू करने में देरी और निगरानी की कमी के कारण देशभर में 2,000 से अधिक उड़ानें रद्द हुईं और 40,000 से ज्यादा यात्री फंस गए। अदालत ने टिप्पणी की कि यात्रियों की सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता। पायलटों की थकान से दुर्घटना का खतरा बढ़ता है। नियामक संस्थाओं को पहले से सक्रिय कदम उठाने चाहिए थे।

टिकटों में बेतहाशा वृद्धि कैसे हो गई?

कोर्ट ने यह भी नाराजगी जताई कि उड़ानें रद्द होने के बाद अन्य एयरलाइंस ने किराया 40 हजार तक बढ़ा दिया। क्या यह अवसरवाद नहीं है? दूसरी एयरलाइंस को फायदा उठाने की इजाजत कैसे दी जा सकती है? जो टिकट 4-5 हजार में मिलते थे, उनके दाम इतने कैसे बढ़ गए?

मुआवजे में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी

अदालत ने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रभावित सभी यात्रियों को डीजीसीए के मौजूदा दिशा-निर्देशों और भारतीय वायुयान अधिनियम, 2024 के तहत पूरा मुआवजा दिया जाए। कोर्ट ने मुआवजा सिर्फ कैंसलेशन के लिए नहीं, बल्कि यात्रियों को हुई परेशानी के लिए भी होना चाहिए। किराए में कोताही नहीं हो।

पूरे प्रकरण की असल कहानी सामने आनी चाहिएः गोगोई

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने केंद्र की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि केवल मंत्री के बयान दे देने से सरकार अपनी

जिम्मेदारियों से मुक्त नहीं हो सकती। इस पूरे प्रकरण की असल कहानी सामने आनी चाहिए और सदन में विस्तार से चर्चा होना बेहद जरूरी है। गौरव ने आरोप लगाया कि सरकार ने सदनों में दिए गए बयानों में पूरी जिम्मेदारी एक निजी कंपनी पर डाल दी है, जैसे उसकी खुद की कोई भूमिका ही न हो। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है मानो नियामक संस्थाओं की कोई जिम्मेदारी ही नहीं बची।

सरकार ने कोर्ट में कही ये बात

केंद्र और डीजीसीए)की ओर से पेश वकील ने अदालत को बताया कि इस मामले में कानूनी प्रक्रिया पूरी तरह लागू है और इंडिगो को शो-कॉज नोटिस जारी किया जा चुका है।

22 जनवरी को होगी अगली सुनवाई

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा, 'हमने इस आदेश में आपके (इंडिगो) बारे में फिलहाल कुछ नहीं कहा है, लेकिन जहां तक क्षतिपूर्ति की बात है, तो वह आपको तुरंत करना चाहिए। मुआवजा न सिर्फ रद्द उड़ानों के एवज में मिले, बल्कि यात्रियों को हुई पीड़ा की भी क्षतिपूर्ति हो।' कोर्ट ने निर्देश दिया कि 22 जनवरी, जो अगली सुनवाई की तारीख है तक अगर किसी कमेटी द्वारा शुरू की गई जांच पूरी हो जाती है, तो उसकी रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में कोर्ट में जमा की जाए। बेंच ने इस मामले को डेढ़ घंटे से ज्यादा समय तक सुना।

नकली दवाओं व सिरप की रोकथाम

176 रिटेलर्स और 39 होलसेलर्स के लाइसेंस रद्द, 229 को थमाया नोटिस

महाराष्ट्र के एफडीए मंत्री नरहरी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र में नकली दवाओं और खांसी की सिरप की रोकथाम के लिए सरकार ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। इस जानकारी का खुलासा महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) मंत्री नरहरी जिर्वाल ने बुधवार को राज्य विधानसभा में किया।भाजपा विधायक अमित सताम और अन्य के सवाल के लिखित जवाब में मंत्री ने बताया कि एफडीए ने विशेष अभियान शुरू किया है। खांसी की सिरप और अन्य दवाओं के नमूने राज्य सरकार के अस्पतालों और ड्रग टेस्टिंग लैब में भेजे गए, जहां उनकी जांच और विश्लेषण किया गया। रिपोर्ट मिलने के बाद कई अनियमितताओं का पता चला। इस अभियान में 176 रिटेलर्स और 39 होलसेलर्स के लाइसेंस रद्द कर दिए गए। इसके अलावा, 136 रिटेलर्स और 93 होलसेलर्स का निरीक्षण किया गया और कारण-बताओ नोटिस जारी कर कई लाइसेंस रद्द किए गए। अक्टूबर 2024 में एफडीए के अभियान के दौरान कई दवा दुकानों और कंपनियों से नकली खांसी की सिरप बरामद की गई थी।

डॉक्टरों, क्लीनिकल संस्थाओं और फार्मासिस्टों को निर्देश

मंत्री ने बताया कि डॉक्टरों, क्लिनिकल संस्थाओं और फार्मासिस्टों को निर्देश दिया गया कि वे प्रोप्रानोलोल युक्त दवाएं न लिखें और न बेचें। मुंबई, ठाणे, पुणे, औरंगाबाद और नागपुर में 10 स्थानों पर कुल 36 नमूनों की जांच की गई, जिनमें से 34 नमूने घटिया पाए गए। इनमें उच्च रक्तचाप, मधुमेह, तपेदिक, हृदय रोग और रक्त शुद्धिकरण से जुड़ी दवाएं शामिल थीं।उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में एक विशेष ब्रांड की बच्चों की खांसी की सिरप के 6 नमूने निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए। कुछ दवाओं के घटक बदल दिए गए थे या उन्हें मिश्रित करके नए नाम (पैंक्रियाटइन/पैंक्रियाटिन) से बाजार में बेचा गया। इसके अलावा, कुछ नकली/घटिया दवाएं सरकारी अस्पतालों तक अनधिकृत कंपनियों द्वारा भेजी गईं।

कई जिलों में नियमित ड्रग टेस्टिंग और नियंत्रण प्रभावित

मंत्री ने बताया कि ड्रग इंस्पेक्टर के 176 पद खाली होने के कारण कई जिलों में नियमित ड्रग टेस्टिंग और नियंत्रण प्रभावित हुआ। मुंबई, नागपुर और पुणे में तीन लैब हैं, जिन्हें अपग्रेड करने का काम चल रहा है। सरकार ने एमपीएससी के जरिए 109 ड्रग इंस्पेक्टरों की भर्ती करने का निर्णय लिया है। एफडीए नियमित ड्रग टेस्टिंग और नियंत्रण कर रहा है।

बाराबंकी में 2 कारों में भिड़ंत

गेट न खुलने से 5 जिंदा जल गए गुहार लगाते रहे पर मदद न मिली

सड़क पर धधकती कार और अंदर जल गए लोग

एजेंसी ▶▶ बाराबंकी

उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में बुधवार को भीषण हादसा हो गया। दो कारों की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में आग लग गई। कुछ लोग किसी तरह बाहर निकल गए। वे सड़क पर लेट गए। 5 लोग कार के गेट का लॉक नहीं खोल सके। इसके बाद वो अंदर की आग की चपेट में आ गए। बचाने के लिए चीखते रहे। लेकिन, कोई उनकी मदद नहीं कर सका। मंजर देखकर गांव वालों की रूह कांप गई। इस दौरान हाईवे पर भीषण जाम लग गया। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। 4 लोग जो सड़क पर गिरे, उनको अस्पताल लेकर गई। 2की हालत नाजुक है। वहीं, ग्रामीणों ने बताया कि हमने देखा हाईवे पर कार में आग लगी है। जब वहां पास गए, तो हम डर गए। उसमें आदमी जल रहे थे। हम चाहकर भी मदद नहीं सके। आग की लपट इतनी तेज थी कि पास जाना तक मुश्किल था। हमने जो मंजर अपनी आंखों देखा, अभी तक मेरे जहन से हट नहीं रहा है। मदद के लिए लोग कार के अंदर छटपटा रहे थे। थोड़ी देर में पांचों लोग जिंदा जल गए।

कर्नाटक में हेट स्पीच रोकथाम बिल को मिली मंजूरी

5,000 रु. जुर्माना,3 साल की कैद या दोनों सजाएं होंगी

बुरे असर को प्रभावी ढंग से रोकने और नियंत्रित करने की कोशिश

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार ने बेलगावी में चल रहे विधानसभा के शीतकालीन सत्र में कर्नाटका हेट स्पीच और हेट क्राइम (रोकथाम और नियंत्रण) बिल, 2025 को पास कर दिया। यह बिल हेट स्पीच और हेट क्राइम, और व्यक्तियों, समूहों और समाजों पर उनके बुरे असर को प्रभावी ढंग से रोकने और कंट्रोल करने का प्रस्ताव करता है। इस बिल के पास होने के बाद अब कानून बन जाएगा जिसके तहत सजा के प्रावधान किए गए हैं।

विधानसभा के शीतकालीन सत्र में इस बिल को मंजूरी मिली

नुकसान, नफरत फैलाना या उकसाना माना जाएगा दोष

ये रखे गए सजा के प्रावधान

- *कोई भी व्यक्ति जो किसी व्यक्ति के धर्म, जाति, समुदाय, लिंग, यौन रुझान, जन्म स्थान, निवास, भाषा, विकलांगता या जनजाति के प्रति अपने पूर्वाग्रह या असहिष्णुता के कारण किसी व्यक्ति को नुकसान पहुंचाता है या नुकसान पहुंचाने के लिए उकसाता है या नफ़रत फैलाता है, वह हेट क्राइम का दोषी माना जाएगा।*
- *जो कोई भी हेट क्राइम करेगा, उसे तीन साल तक की कैद या 5,000 रुपए तक का जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती है। हेट क्राइम का अपराध गैर-संज्ञेय और गैर-जमानती होगा और इसकी सुनवाई फर्स्ट क्लास मजिस्ट्रेट द्वारा की जाएगी।*
- *कोई भी व्यक्ति जो जान-बूझकर कुछ भी प्रकाशित करता है, प्रसारित करता है या समर्थन करता है या एक या ज़्यादा लोगों से इस तरह से बात करता है जिससे यह साफ़ तौर पर लगे कि उसका इरादा धर्म, जाति, भाषा, समुदाय और अन्य सहित इन आधारों में से किसी एक के आधार पर नुकसान पहुंचाना या नुकसान पहुंचाने के लिए उकसाना या नफ़रत फैलाना है, वो सजा का हकदार होगा।*
- *इसमें वैसे व्यक्ति भी शामिल होंगे जो इलेक्ट्रॉनिक कम्युनिकेशन पर ऐसी चीजें प्रोड्यूस करते हैं या उपलब्ध कराते हैं, जो कोई भी एक्सेस कर सकता है और साथ ही किसी खास व्यक्ति तक पहुंचाई जाती है या उसे निर्देशित की जाती है जिसे हेट स्पीच का शिकार माना जा सकता है।*

तेलंगाना में 1000 करोड़ का फंड होगा

हैदराबाद को यूनिकॉर्न हब बनाने की तैयारी

हैदराबाद। तेलंगाना सरकार स्टार्टअप को समर्थन देने के लिए 1000 करोड़ का फंड स्थापित कर रही है। राज्य के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी बुधवार को गूगल फॉर स्टार्टअप्स हब की

शुरुआत के मौके पर बोल रहे थे, जो तेलंगाना सरकार के साथ साझेदारी में शुरू किया गया है। रेड्डी ने दावा किया कि आने वाले वर्षों में कम से कम 100 हैदराबाद-आधारित स्टार्टअप्स को यूनिकॉर्न स्तर, यानी कम से कम 1,000 करोड़ रुपये मूल्यांकन, तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि मेरा एक ही सुझाव है कि आपको हैदराबाद, तेलंगाना से एक और गूगल बनना होगा या कम से कम एक अरब अमेरिकी डॉलर की कंपनी बनना होगा।

जबलपुर
गुरुवार, 11 दिसंबर 2025
पौष मास कृष्ण पक्ष-07
वर्ष : 20, अंक : 222
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 20
न्यून. 9

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक में होगा फैसला

सेलवेंद्रन और अजीत कुमार आज प्रमुख सचिव पद पर होंगे पदोन्नत

हरिभूमि न्यूज:भोपाल। मप्र शासन में पदस्थ सचिव सामान्य प्रशासन विभाग (कार्मिक) एम सेलवेंद्रन, नई दिल्ली में उप चुनाव आयुक्त के पद पर पदस्थ अजीत कुमार गुरुवार को प्रमुख सचिव के पद पर पदोन्नत हो जाएंगे। इसी के साथ मप्र काडर के करीब 70 आईएएस अफसर सचिव, अतिरिक्त सचिव, अतिरिक्त कलेक्टर के पद पर पदोन्नत हो जाएंगे।

घाट की चढ़ाई व संकीर्ण पुलिया वाले क्षेत्र में 4 वाहन हुए खराब

इंदौर-बैतूल नेशनल हाईवे के धनतालाब घाट पर 10 किलोमीटर लंबा 'जाम' लगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ देवास

इंदौर-बैतूल नेशनल हाईवे पर चापड़ा-बिजवाड़ के बीच जंगली क्षेत्र में स्थित धनतालाब घाट पर लंबा जाम लगने से हजारों वाहन फंसे हुए हैं। मंगलवार देर रात करीब डेढ़ बजे घाट की कठिन चढ़ाई वाले व संकीर्ण पुलिया वाले हिस्से में चार वाहन अलग-अलग जगह खराब हो गए। इसके कारण जाम लगने लगा। बुधवार दोपहर 12 बजे तक घाट से खातेगांव की ओर बिजवाड़ तक व चापड़ा की ओर बड़ी चौराहे क्षेत्र तक वाहनों की कतार पहुंच चुकी थी। 10 किमी से अधिक तक वाहनों का मेला लगा हुआ है। बुधवार दोपहर में एक ओर से आवागमन शुरू हुआ हालांकि, वाहन रेंग-रेंगकर निकलते रहे। मौके पर बिजवाड़ पुलिस सहायता केंद्र की टीम के एसआई अजय डोड, आरक्षक दिलीप बेडवाल, शमशेर खान व्यवस्था संभालने में लगे हैं। चार खराब हुए वाहनों में से दो को सुधारा जा चुका है।

जाम से लंबा चक्कर लगा रहे वाहन

घाट पर लंबा जाम लगने की जानकारी मिलने के बाद इंदौर की ओर से आने वाले वाहन चालकों ने रूट बदलकर चापड़ा से बागली, पुंजापुरा, कांटाफोड़, बिजवाड़ व कुछ ने कांटाफोड़ से सतवास, कन्नौद व खातेगांव की ओर से आना-जाना किया। वहीं खातेगांव की ओर से आने वाले वाहन कुछ वाहन बिजवाड़ से आष्टा, देवास होकर इंदौर जा रहे हैं जबकि कुछ कांटाफोड़, पुंजापुरा, बागली, चापड़ा से निकल रहे हैं।

खबर संक्षेप

मैं वंदे मातरम नहीं गा पाऊंगाः आरिफ मसूद

भोपाल। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा संसद में वंदे मातरम न गाने वालों की सूची में नाम आने के बाद कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने कहा, मैं वंदे मातरम नहीं गा पाऊंगा। मसूद का यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद भाजपा ने कांग्रेस पर तुष्टिकरण का आरोप लगाते हुए पलटवार किया। विपक्ष ने इसे राष्ट्रवाद पर प्रहार बताया, जबकि मसूद ने मौजूदा मुद्दों को नजरअंदाज करने का ताना मारा।

सीहोर में धर्म परिवर्तन गैंग का भंडाफोड़

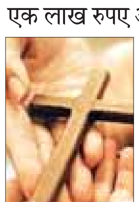

सीहोर। आदिवासी इलाकों में जाल बिछाकर ग्रामीणों को एक-एक लाख रुपए और नौकरी का लालच देकर ईसाई धर्म अपनाने का दबाव डाला जा रहा था। ग्राम वीरपुर, भीलपाटी और खजुरी में रहने वाले कुछ लोगों द्वारा नियमित रूप से प्रार्थना सभाएं आयोजित की जा रही थीं और इन सभाओं के माध्यम से हिंदू ग्रामीणों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा था। पुलिस ने मौके से धार्मिक साहित्य जब्त किया है।

ट्रैक्टर नहर में गिरा, 3 किसानों की मौत

भिंड। लहार थाना क्षेत्र में दर्दनाक हादसा हो गया। नानपुरा गांव के पास टूटी हुई पुलिया से गुजरते समय ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर नहर में गिर गया। ट्रैक्टर के नीचे दबने से 3 किसानों की मौत हो गई। ये तीनों यूपी से अपनी धान की फसल बेचकर लौट रहे थे। मृतकों की पहचान रावतपुरा सानी गांव निवासी झींगुरी सिंह राजपूत, बलवीर सिंह राजपूत और शिब्बू उर्फ शिवेंद्र सिंह राजपूत के रूप में हुई है।

सरकार ने शिकंजा कसा : दो अफसर कॉर्पोरेट दफ्तर में, बाकी 6 दूसरी चीजों की रिपोर्ट लेंगे

इंडिगो के कामकाज की 'निगरानी' के लिए डीजीसीए ने 8 अफसरों की टीम तैनात की

डीजीसीए के प्रमुख फैज अहमद किदवई ने बताया कि यह पैनल इंडिगो के द्वारा फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिट (एफडीटीएल) के नियमों के पालन की भी निगरानी करेगा। एफडीटीएल के नियमों का उल्लंघन करने पर एयरलाइंस के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इंडिगो संकट अभी भी जस का तस बना हुआ है। इस संकट पर दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को केंद्र सरकार को फटकार लगाई है। ऐसे में अब इंडिगो पर सख्ती बढ़ती जा रही है। डीजीसीए ने इंडिगो के कॉर्पोरेट दफ्तर में अपने अधिकारियों को तैनात कर दिया है।

डीजीसीए की ओर से बनी आठ सदस्यों की ओवरसाइट टीम इंडिगो के कामकाज पर नजर रखेगी। इस ओवरसाइट टीम में से दो सदस्य इंडिगो के कॉर्पोरेट दफ्तर में रोजाना तैनात होंगे। डीजीसीए के अधिकारी अब निजी तौर पर इंडिगो के कामकाज को मॉनिटर करेंगे। डीजीसीए के अधिकारी इंडिगो के कॉर्पोरेट ऑफिस में मौजूद रहकर हर चीज की सीधी निगरानी करेंगे, जिसमें विमानों की संख्या और स्थिति से लेकर पायलटों की संख्या और उनकी उपलब्धता, क्रू के कामकाजी घंटे और स्टैंडबाय क्रू की पूरी डिटेल शामिल है। इन तैनात किए गए डीजीसीए अधिकारियो नाम ऐश्वीर सिंह- डिप्टी डायरेक्टर और मणि भूषण- सीनियर स्टैटिस्टिकल ऑफिसर है।

8 अफसरों की टीम रोजाना शाम 6 बजे तक सौंपेगी अपनी रिपोर्ट

फाइल फोटो

यह होगा चेक

- उड़ानों का कैंसिलेशन स्टेटस (घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय)
- रिफंड की स्थितिः एयरलाइन, ओटीए प्लेटफॉर्म और ट्रैवल एजेंट्स के जरिए
- ऑन-टाइम परफॉर्मेंस (समय पर उड़ान भरने का रिकॉर्ड)
- यात्रियों को मुआवजा (सीएआर नियमों के अनुसार)
- सामान लौटाने की स्थिति

टीम में ये अफसर रहेंगे

वहीं, आठ सदस्यीय ओवरसाइट टीम में कैप्टन कपिल मंगलिक - सीनियर फ्लाइट ऑपरेशंस इंस्पेक्टर (ए), कैप्टन वीपी सिंह -सीनियर फ्लाइट ऑपरेशंस इंस्पेक्टर (ए), कैप्टन अपूर्वा अग्रवाल- सीनियर फ्लाइट ऑपरेशंस इंस्पेक्टर (ए), कैप्टन स्वाति लूम्बा- सीनियर फ्लाइट ऑपरेशंस इंस्पेक्टर (ए), कैप्टन अमन सुहाग- सीनियर फ्लाइट ऑपरेशंस इंस्पेक्टर (ए), कैप्टन नित्या जैन- फ्लाइट ऑपरेशंस इंस्पेक्टर (ए), कैप्टन एनजे सिंह - फ्लाइट ऑपरेशंस इंस्पेक्टर (ए), इनमें से दो सदस्यों को गुड़गांव स्थित इंडिगो के कॉरपोरेट ऑफिस में रोजाना तैनात किया जाएगा। ये अधिकारी निम्न क्षेत्रों की गहन जांच और निगरानी करेंगे।

टीम यह भी देखेगी

कुल फ्लीट (कंपनी के पास कुल कितने विमान हैं), औसत स्टेज लेंथ (प्रति उड़ान औसत दूरी), कुल पायलटों की संख्या, नेटवर्क डिटेल्स (किन-किन रूट्स पर उड़ानें हैं), क्रू के कामकाजी घंटे, मासिक/दैनिक डेड हेडिंग (बिना यात्रियों के क्रू को दूसरे शहर भेजना), ट्रेनिंग में लगे क्रू की संख्या, स्प्लिट ड्यूटी (एक दिन में दो हिस्सों में ड्यूटी), प्रतिदिन सभी अनप्लांड लीव्स (बीमारी, आकस्मिक अवकाश, इमरजेंसी लीव आदि), प्रतिदिन कुल उड़ानें और उपलब्ध क्रू की संख्या, क्रू की कमी के कारण प्रभावित हुए सेक्टर्स की कुल संख्या, प्रतिदिन और प्रति बेस (कॉकपिट एवं केबिन) स्टैंडबाय क्रू की संख्या।

डीजीसीए ने सीईओ पीटर एल्बर्स को फिर किया तलब

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को नोटिस जारी करते हुए उन्हें गुरुवार दोपहर 3 बजे तक पेश होने का आदेश दिया है। डीजीसीए ने इंडिगो से पूरे मामले पर डिटेल रिपोर्ट जमा करने के लिए कहा है। रिपोर्ट में फ्लाइट रद्दीकरण और देरी से जुड़े सभी तथ्य शामिल रहेंगे।

कोर्ट ने दिया सुनवाई का आदेश

लड़कियों पर अभद्र टिप्पणी में अनिरुद्धाचार्य पर चलेगा केस

याचिकाकर्ता मीरा राठौर ने मिठाई बांटकर खुशी जताई

कथावाचक अनिरुद्धाचार्य

एजेंसी ▶▶ मथुरा

मथुरा में कथावाचक अनिरुद्धाचार्य की मुश्किलें बढ़ गई हैं। लड़कियों पर अभद्र टिप्पणी मामले में मथुरा की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) गौरव उत्सव राज की अदालत ने उनके खिलाफ केस चलाने का आदेश दिया है। अदालत ने इस संबंध में दायर याचिका स्वीकार कर ली है।

याचिकाकर्ता मीरा राठौर मथुरा पहुंची और उनके द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई। जिसके बाद उन्होंने मामले की विस्तृत जानकारी दी है और मिठाई वितरण करते हुए खुशी जताई है। अदालत ने अगली सुनवाई 1 जनवरी 2026 को निर्धारित की है, जिसमें याचिकाकर्ता पक्ष के बयान दर्ज किए जाएंगे। यह मामला अक्टूबर 2025 का है। उस समय कथावाचक अनिरुद्धाचार्य का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में उन्होंने बेटियों के चरित्र को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। अनिरुद्धाचार्य ने कहा था कि आजकल बेटियों की शादी 25 साल की उम्र में होती है और तब तक वे कई जगह मुंह मार चुकी होती हैं। इस बयान के बाद सामाजिक संगठनों और आम लोगों में भारी आक्रोश देखा गया था।

डीएसपी कल्पना वर्मा पर लव ट्रैप का आरोप

कारोबारी ने आशिकी में लुटाए डायमंड रिंग समेत दो करोड़ रु.

अपने भाई के नाम होटल तक करवा लिया

डीएसपी कल्पना वर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

एक कारोबारी ने छत्तीसगढ़ पुलिस की डीएसपी कल्पना वर्मा पर लव ट्रैप का गंभीर आरोप लगाया है। कारोबारी का आरोप है कि महिला डीएसपी को उसने करीब दो करोड़ रुपए दिए हैं। इसके अलावा डायमंड रिंग, सोने की चेन और एक गाड़ी भी दी है। उनका आरोप है कि उसने एक होटल की रजिस्ट्री भी कल्पना वर्मा के भाई के नाम पर किया है। व्यापारी दीपक टंडन और उनकी पत्नी ने इस संबंध में रायपुर के खम्हारडीह थाने में शिकायत दर्ज कराई है। इधर, डीएसपी के भाई ने भी व्यापारी के खिलाफ खम्हारडीह थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस दोनों तरफ से की गई इस शिकायत पर जांच शुरू कर दी है।

दंपती ने चैट और बातचीत के स्क्रीनशॉट भी दिखाए

कारोबारी दीपक टंडन की पत्नी बरखा टंडन का आरोप है कि उन्होंने दबाव में आकर 45 लाख का एक चेक भी छत्तीसगढ़ पुलिस की डीएसपी को दिया था, जिसे बाद में डीएसपी के पक्ष में आहरित कर लिया गया। बरखा के नाम पर 22 लाख रुपए की कार थी, जिसे डीएसपी वर्मा ने हड़प लिया। महिला डीएसपी कल्पना वर्मा वर्ष 2016-17 बैच की अधिकारी हैं। वर्तमान में वो दंतेवाड़ा में पदस्थ हैं।

पहले आया था नकली घी विवाद

तिरुपति देवस्थानम में अब हुआ सिल्क दुपट्टा घोटाला

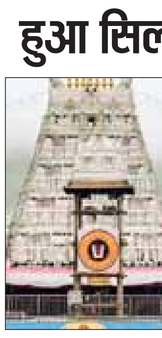

54 करोड़ रु. की हेराफेरी, 'सिल्क' के नाम पर पॉलिएस्टर दुपट्टे सप्लाई किए गए

एजेंसी ▶▶ तिरुपति

तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) में एक और बड़ा घोटाला सामने आया है। 2015 से 2025 के बीच मंदिर प्रशासन को सप्लाई किए गए सिल्क दुपट्टों में भारी फर्जीवाड़ा पकड़ा गया है। सतर्कता विभाग की जांच में खुलासा हुआ कि 'सिल्क' के नाम पर पॉलिएस्टर दुपट्टे सप्लाई किए गए, जिनकी कीमत करोड़ों में वसूली गई।

50 कारों का काफिला पहुंचा

पूर्व विधायक की फैक्ट्रियों पर आयकर टीम का छापा

छतरपुर में इंदौर-ग्वालियर की टीम कर रही पूछताछ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छतरपुर

छतरपुर में आयकर विभाग ने बुधवार सुबह पूर्व कांग्रेस विधायक आलोक चतुर्वेदी भैया साहब से जुड़ी दो पत्थर फैक्ट्रियों पर छापा मारा है। सिविल लाइन क्षेत्र स्थित सागर-कानपुर नेशनल हाईवे पर ढढारी के पास खजुराहो मिनरल्स और रामनपुरा रोड की गिट्टी फैक्ट्री में एक साथ कार्रवाई शुरू हुई। फैक्ट्रियों में 50 से ज्यादा कारों का काफिला लेकर इंदौर और ग्वालियर की टीम पहुंची।

सिंगरौली में 6 लाख पेड़ों की कथित कटाई पर हंगामा

कांग्रेस की 12 सदस्यीय जांच टीम को रोका तो वे धरने पर बैठे

कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन

सिंगरौली। जिले के बासी बेरदहा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर हो रही कथित पेड़ कटाई को लेकर कांग्रेस का विरोध बुधवार को देखने को मिला। घिरौली गांव के पास दो घंटे तक सड़क पर चले धरने के बाद शाम करीब 4:30 बजे प्रशासन ने जीतू पटवारी, ओंकार मरकाम, कमलेश्वर पटेल, जयवर्धन सिंह और नेहा कावरे को एक कार से मौके पर जंगल की ओर भेजा।

टीम में ये लोग शामिल

जांच और विरोध टीम में जीतू पटवारी, उमंग सिंघार, अजय सिंह, विक्रांत भूरिया, जयवर्धन सिंह, मीनाक्षी नटराजन, हेमंत कटारे, बाला बच्चन, हिना कावरे, ओंकार मरकाम और कमलेश्वर पटेल शामिल हैं। सभी नेताओं ने पेड़ कटाई पर तुरंत रोक और जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

प्रशासक ने 1 जनवरी से प्रतिबंध लगाया

भगवान महाकाल को अब नहीं चढ़ेगी भारी भरकम फूलमाला

करीब 10 किलो से अधिक वजनी मालाओं पर बैन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उज्जैन

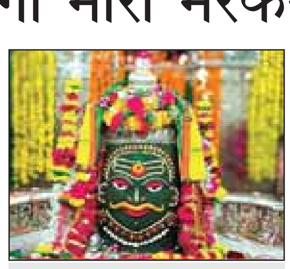
भगवान महाकाल

श्री महाकालेश्वर मंदिर के शिवलिंग पर भारी भरकम चढ़ने वाली फूल माला (अजगर माला) और मुंडमाल पर मंदिर समिति ने प्रतिबंध लगा दिया है।

एएसआई और जीएसआई की गाइड लाइन का ध्यान रखते हुए करीब 10 किलो से अधिक वजनी मालाओं पर शिवलिंग क्षरण रोकने के लिए मंदिर समिति ने ये फैसला किया है। मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक ने बताया कि 1 जनवरी से कोई भी भक्त भगवान महाकाल को 10 से 15 किलो वजनी माला अर्पित नहीं कर सकेंगे। ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में 1 जनवरी 2026 से भगवान महाकाल को चढ़ने वाली फूलों की बड़ी व भारी माला अर्पित करने पर रोक लगा दी है। मंदिर प्रशासक के आदेश के बाद आगामी नए वर्ष के पहले दिन से इसे पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। इसके लिए अभी महाकाल मंदिर परिसर में उद्घोष हो रहा है कि भगवान के लिए अजगर माला नहीं खरीदें। साथ ही कक्ष से भक्तों को नए नियम की जानकारी देने के लिए लगातार उद्घोषणा भी की जा रही है। मंदिर के आसपास फूल प्रसाद की दुकान संचालित करने वाले व्यवसायियों को मंदिर समिति ने बता दिया है कि फूलों की भारी व बड़ी माला ना तो बनाए।

सीएम ने कहा -जल जीवन मिशन को मप्र मार्च 2027 तक पूर्ण कर राष्ट्रीय स्तर पर मिसाल पेश करेगा

मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभाग की हुई समीक्षा

जल स्त्रोतों में सीवरेज का दूषित जल न मिले इसके लिए एक प्रभावी 'एक्शन प्लान' बनाएं

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि जल स्त्रोतों में सीवरेज का दूषित जल किसी भी स्थिति में नहीं मिले और इसके लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाई जाए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा जल जीवन मिशन को दिसंबर 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, लेकिन मध्यप्रदेश इस कार्य को मार्च 2027 तक पूर्ण कर राष्ट्रीय स्तर पर मिसाल पेश करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बैठक में अधिकारियों को निर्देशित करते हुए

जल संकट वाले ग्रामों की तैयार करें रिपोर्ट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विगत 10 वर्षों में जिन ग्रामों को जल संकट का सामना करना पड़ा है, उनकी रिपोर्ट तैयार कर उन क्षेत्रों में जल प्रदाय सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जल की उपलब्धता के अनुसार जल वितरण का समय तय किया जाए, जिससे नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। गांव के ऐसे ट्यूबवेल की सूची बनवाएं, जिनमें हमेशा पानी रहता हो और ट्यूबवेल मालिक सेवाभावी हों।

बोरवेल दुर्घटना रोकने कानून बनाने वाला मप्र पहला राज्य

बैठक में बताया गया कि मध्यप्रदेश बोरवेल दुर्घटना रोकने के लिए कानून बनाने वाला देश का पहला राज्य है। साथ ही 'स्वच्छ जल से सुरक्षा अभियान' में प्रदेश को पूरे देश में प्रथम स्थान मिला है। जल रेखा मोबाइल एप के माध्यम से योजनाओं की सतत निगरानी की जा रही है। राज्य की सभी 155 प्रयोगशालाओं को एनएबीएल मान्यता प्राप्त हो चुकी है।

चिंतन

दीपावली को मिला ग्लोबल सम्मान

भारत के प्रमुख त्योहार दीपावली को यूनेस्को द्वारा अमूर्त विश्व धरोहर घोषित किया जाना देश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इस फैसले से दीपावली को ग्लोबल सम्मान मिला है। यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किए जाने से दीपावली को विश्वभर में संरक्षण मिलेगा। इससे भारतीय सांस्कृतिक धरोहर को और मजबूती मिलेगी, साथ ही यह युवा पीढ़ी के बीच पारंपरिक उत्सवों की महत्ता समझने में भी मदद करेगा। इस दिन घर-घर दीप जलाकर, रंगोली सजाकर और खुशियां मनाकर यह उत्सव पूरे देश में बड़े हर्ष उल्लास से मनाया जाता है। यह पहली बार है जब भारत इनटेंजिबल कल्चरल हेरिटेज (आईसीएच) के संरक्षण के लिए इंटर गवर्नमेंटल कमेटी के सत्र की मेजबानी कर रहा है। इस समिति का 20वां सत्र लाल किले में 8 से 13 दिसंबर तक आयोजित किया जा रहा है। यूनेस्को द्वारा दीपावली उत्सव को प्रतिष्ठित लिस्ट में शामिल किए जाने की घोषणा के बाद 'वंदे मातरम्' और 'भारत माता की जय' के नारे हवा में गूंज उठे। अब भारत की 16 चीजें यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल हो गई हैं। इनमें वेद पठन, कुटियट्टम, रामलीला, राम्मन, मुदियेड्डू, कालबेलिया लोक गीत और नृत्य, छाऊ नृत्य, लद्दाख में बौद्ध पाठ, मणिपुर का संकीर्तन, जंडियाला गुरु के ठठेरा बर्तन निर्माण, योग, नवरोज, कुंभ मेला, कोलकाता की दुर्गा पूजा, गुजरात का गरबा और अब दीपावली शामिल हैं। दीपावली भारत के उन चिरस्थायी त्योहारों में से एक है जो अब दुनिया के कई अन्य हिस्सों में भी मनाया जाता है। यूनेस्को ने संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन की इनटेंजिबल कल्चरल हेरिटेज यानी अमूर्त विश्व धरोहर की सूची में दीपावली के अलावा घाना, जॉर्जिया, कांगो, इथियोपिया और मिस्र सहित कई देशों के सांस्कृतिक प्रतीक भी शामिल किए हैं। यूनेस्को के इस ऐलान के बाद भारत सरकार ने कहा कि दीपावली को इस सूची में शामिल करके यूनेस्को ने नवीकरण, शांति और अच्छाई की जीत के लिए शाश्वत मानवीय अभिलाषा का सम्मान किया है। दीपावली हमारी सभ्यता की आत्मा है। यह फैसला न सिर्फ भारत की सांस्कृतिक समृद्धि को अंतरराष्ट्रीय मंच पर मान्यता देता है, बल्कि हमारी परंपराओं को संरक्षित करने की जिम्मेदारी भी बढ़ाता है। इसी मौके को देखते हुए केंद्र सरकार ने 10 दिसंबर को विशेष दीपावली समारोह रखने का फैसला किया है, ताकि दुनिया के सामने भारत की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत तरह से पेश किया जा सके। दीपावली केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि सदियों से चली आ रही एक जीवंत परंपरा है। यह अंधकार पर प्रकाश, अज्ञानता पर ज्ञान और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। हिंदू, जैन, सिख और बौद्ध समुदायों के लिए इसका अलग-अलग धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व है। दीपक, पटाखे, मिठाइयां और घर की सफाई जैसी प्रथाएं इस त्योहार को एक सामाजिक समारोह बनाती हैं, जो परिवारों और समुदायों को जोड़ती हैं। इसके यूनेस्को की सूची में शामिल होने से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि संस्कृति का संरक्षण भी सुनिश्चित होगा। यह हमारे युवाओं को अपनी जड़ों से जुड़ने और परंपराओं को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देगा। यह हमारे लिए एक गर्व का क्षण है, लेकिन यह हमारी जिम्मेदारी भी बढ़ाता है। हमें इस त्योहार की मूल भावना प्रकाश, ज्ञान और एकता को बनाए रखना होगा।

वंदे मातरम् से जन्मा तुष्टिकरण विभाजन

राष्ट्रीय गीत
प्रमोद भार्गव

मुस्लिम तुष्टिकरण की बुनियाद पर भारत को जितनी हानि उठानी पड़ी है, दुनिया के अन्य किसी देश ने नहीं उठाई। इसकी शुरुआत अंग्रेजों ने बंगाल विभाजन से की। इसी कड़ी में वंदे मातरम् गीत के टुकड़े किए गए और फिर देश का भी बंटवारा जिन्ना की अलग मुस्लिम राष्ट्र बनाने की जिद के चलते हो गया, जबकि संपूर्ण वंदे मातरम् गीत भारत की शाश्वत संकल्पना है। राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में हुई चर्चा के दौरान गीत के विभाजन के लिए पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को सीधे जिम्मेवार ठहराया। अतएव संसद में इस गीत के इतिहास में झांकने की बहस को एक सबक के रूप में लेना चाहिए।

मुस्लिम तुष्टिकरण की बुनियाद पर भारत को जितनी हानि उठानी पड़ी है, दुनिया के अन्य किसी देश ने नहीं उठाई। इसकी शुरुआत अंग्रेजों ने बंगाल विभाजन से की। इसी कड़ी में वंदे मातरम् गीत के टुकड़े किए गए और फिर देश का भी बंटवारा जिन्ना की अलग मुस्लिम राष्ट्र बनाने की जिद के चलते हो गया। जबकि संपूर्ण वंदे मातरम् गीत भारत की शाश्वत संकल्पना है। राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा में हुई चर्चा के दौरान गीत के विभाजन के लिए पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को सीधे जिम्मेवार ठहराया। कहा, 'नेहरू ने जिन्ना की सांप्रदायिक चिंताएं दोहराकर वंदे मातरम् के साथ विश्वासघात किया, गीत के टुकड़े करवाए।

इससे देश तुष्टिकरण की राजनीति की राह पर चल पड़ा, जो विभाजन पर जाकर थमा।' इसी तुष्टि के चलते 1875 में रचित इस गीत के केवल दो पद राष्ट्रीय गीत के रूप अपनाए गए। मोदी के इस कथन ने इतिहास के इस काले पन्ने पर जमा धूल को हटाने का काम नए सिरे से कर दिया है। जबकि आजादी की लड़ाई में वंदे मातरम् की भावना ने पूरे राष्ट्र का जागरण किया था, लेकिन दुर्भाग्य से 1937 में इस गीत के महत्वपूर्ण पदों को उसकी आत्मा के एक हिस्से को अलग कर दिया गया था। जिस भाव से वंदे मातरम् के टुकड़े किए गए थे, कालांतर में उसी भाव ने विभाजन के बीज बो दिए थे। जबकि यह ठोस और निर्विवाद सच्चाई है कि देश को आजादी दिलाने में इस गीत की अहम् भूमिका रही है। बंकिमचंद्र चटर्जी के बांग्ला भाषा में लिखे गए उपन्यास 'आनंद मठ' में यह गीत दर्ज है। राष्ट्रगान के रूप में स्वीकारा गया यह गीत कोई मामूली गीत नहीं है। भारत को उसकी व्यापक राष्ट्रीयता की पहचान और स्वाभिमान इसी गीत से प्राप्त हुए। नागरिक सभ्यता की विरासत, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मानव सेवा के मूल्यों के उत्स इसी गीत के समवेत स्वर की उपज हैं। अंग्रेजों के विरुद्ध भिन्न जातीय और धर्म-समुदायों को संगठित करने के अभियान में इसी गीत की भूमिका बुलंद थी। तय है, वंदे मातरम् क्रांति के स्वरों में नींव का पत्थर था। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की रक्त धमनियों में विद्रोह की उग्र भावना इसी गीत की देन है। 1942 में महात्मा गांधी के भारत छोड़ो आंदोलन को देशव्यापी धरातल इसी गीत के बूते मिला था। वह यही आंदोलन था, जिसमें गांधी ने 'करो या मरो' का नारा दिया था। यह नारा गांधी के अहिंसा के सिद्धांत पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करने वाला भी माना जाता है। सुभाषचंद्र बोस की आजाद हिन्द फौज के फौजियों ने भी इसी गीत को गाते हुए मातृभूमि की बलिवेदी पर प्राण न्यौछावर किए थे। हालांकि महात्मा गांधी 1905 में ही लिख चुके थे कि वंदे मातरम् इतना लोकप्रिय हो गया है कि वह राष्ट्रगान जैसा बन गया है। 14 अगस्त 1947 की मध्य-रात्रि में जब देश आजाद हो रहा था, तब इस मंत्र-गीत का गायन सुचेता कृपलानी ने किया और वहां उपस्थित लोग इस गीत के सम्मान में गीत खत्म न हो जाने तक खड़े रहे थे। 15 अगस्त 1947 को जब स्वतंत्रता का सूर्योदय हो रहा था, तब आकाशवाणी पर पंडित ओंकारनाथ ठाकुर ने इसे बड़े ही रोचक ढंग से गाया। आखिरकार 24 अगस्त 1948 को जन-गण-मन के साथ इस गीत को भी राष्ट्र गीत की प्रतिष्ठा मिली। लेखक और दार्शनिक युगदृष्टा होते हैं, इसलिए बंकिम बाबू ने इस गीत को लिखे जाने

के वक्त ही अपनी दिव्य-दृष्टि से अनुभव कर लिया था कि यह गीत राष्ट्रीय आंदोलन का हिस्सा बनकर लोकप्रियता के शिखर चूमेगा, इसीलिए उन्होंने इसे बांग्ला भाषा में न लिखते हुए संस्कृत में लिखा। मूल और संपूर्ण गीत की केवल नौ पंक्तियां बंगाली में हैं। इस गीत का जो संपादित अंश राष्ट्रगीत के रूप में स्वीकार किया गया है, वह केवल दो पद और आठ पंक्तियों में है। वंदे मातरम् को इस्लाम विरोधी जताया जाता रहा है। जब कांग्रेस ने इसे प्रार्थना गीत के रूप में स्वीकार किया था, तब भी इसकी खिलाफत शुरू हो गई थी। 15 अक्टूबर 1937 को लखनऊ में मोहम्मद अली जिन्ना ने वंदे मातरम् का विरोध किया। वस्तुतः नेहरू ने इस विरोध के पांच दिन बाद ही सुभाष बोस को लिखे एक पत्र में कहा कि 'आनद मठ में उल्लेखित वंदे मातरम् की पृष्ठभूमि मुसलमानों को उकसा सकती है।' इसी के बाद कांग्रेस कार्यकारिणी ने आचार्य नरेन्द्र देव की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया। इसमें मौलाना आजाद, पंडित नेहरू और सुभाष चन्द्र बोस जैसे प्रखर संस्कृति मर्मज्ञ सदस्य थे। समिति को जिम्मेदारी सौंपी गई थी कि वे रवीन्द्रनाथ ठाकुर से विचार-विमर्श कर वंदे मातरम् के संबंध में दो टूक सलाह दें। समिति ने जो प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, उसके उपरांत कांग्रेस कार्यकारिणी ने फैसला लिया कि हरेक राष्ट्रीय सार्वजनिक सभा में वंदे मातरम् के केवल दो पद गाये जाएं। यानी कांग्रेस मुस्लिम लीग के समक्ष झुकी और मुस्लिम तुष्टिकरण की राह पकड़ ली। तुष्टि का यही रास्ता देश को विभाजन के द्वार तक ले गया। बावजूद देश-विभाजन के लिए जिम्मेदार मुस्लिम लीग के नेता वंदे मातरम् को बुतपरस्ती, अर्थात मूर्ति पूजा मानते हुए इसका विरोध लगातार करते रहे। इस बहाने लीगियों ने अल्पसंख्यकों को खूब उकसाया। नतीजतन 1938 तक कांग्रेस के जो प्रमुख मुस्लिम नेता इस गीत की राष्ट्रीय गरिमा का ख्याल रखते चले आ रहे थे, वे भी दबी जुबान से इसका विरोध करने लगे। बाद में साझा सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने के नजरिये से उर्दू के उदारवादी कवियों व राजनीतिकों ने वंदे मातरम् का अनुवाद 'ऐ मादर, तुझे सलाम करता हूं' किया, अर्थात हे माता, तुझे प्रणाम करता हूं करके किया, लेकिन कट्टरपंथियों के भाव उतरा नहीं। जबकि मुल्क को गुलामी से आजाद कराने की इस इबादत में गलत कुछ भी नहीं था। अरबी-फारसी के अनेक कवियों ने भी देश को 'मां' कहकर संबोधित किया है। लिहाजा राष्ट्र के प्रति अपनी भावनाओं व उद्गारों को प्रचलित रूपकों अथवा प्रतीकों में प्रकट करना मूर्ति पूजा या बुतपरस्ती कतई नहीं थी। वंदे मातरम् एक मौलिक रचना है, इसकी व्याख्या धर्म नहीं, केवल साहित्य के संदर्भ में होनी चाहिए थी। इसे यदि कोई सांसद या विधायक इस्लाम विरोधी जताता है, तो उसका मकसद धर्म के बहाने राजनीतिक रोटियां सेंकना भर था, जो अलगाववादी राजनीति की संकीर्ण मानसिकता का प्रतीक है। जिन्ना और अन्य लीगी इसी विभाजनकारी मानसिकता से काम करते रहे और देश दो टुकड़ों में बंट गया। स्वतंत्र भारत में निर्वाचित कुछ मुस्लिम सांसद और विधायक संविधान की शपथ लेने के बाद भी सदन में इस गीत का अनादर करते रहते हैं। ऐसे ही चंद सिरफिरे मुस्लिमों ने आजाद हिंद फौज के नारे, 'जय हिंद' का भी विरोध किया था। दैनिक अखबार 'डान' ने वंदे मातरम् की आलोचना की थी, तब गांधी को कहना पड़ा था, 'वंदे मातरम् कोई धार्मिक नारा नहीं है, यह विशुद्ध राजनीतिक नारा है।' यही नारा था, जिसने सोये हुए भारत को जगाने का काम करके, आजादी हासिल कराई थी। अतएव संसद में इस गीत के इतिहास में झांकने की बहस को एक सबक के रूप में लेना चाहिए, जिससे भविष्य में देश की संप्रभुता एवं अखंडता से खिलवाड़ की गुंजाइश ही नहीं रह जाए?

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

दिवस विशेष

डॉ. लोकेन्द्र सिंह

भाषा जोड़ती है, तोड़ती नहीं

जब कहीं से यह समाचार पढ़ने/सुनने को मिलता है कि मराठी, तमिल या अन्य कोई भाषा नहीं बोलने के कारण व्यक्ति के साथ मारपीट कर दी गई, तो दुःख होता है कि संकीर्ण राजनीति हमें किस दिशा में ले जा रही है। हम अपनी ही भाषाओं का सम्मान क्यों नहीं कर रहे हैं? जो भाषाएं आपस में जुड़ी हैं, उनके नाम पर हम एक-दूसरे से दूर क्यों हो रहे हैं? भारत की सभी भाषाओं के शब्द भंडार एक-दूसरे के शब्दों से समृद्ध हैं। हमें तो भाषायी विविधता का उत्सव मनाना चाहिए। भारत की संस्कृति की विशेषता है कि वह विविध रूपों में प्रकट होती है। हम सब मिलकर 11 दिसंबर को महान तमिल कवि सुब्रह्मण्यम भारती की जयंती प्रसंग पर 'भारतीय भाषा दिवस' मनाते हैं। यह प्रसंग ही हमें भाषाओं के प्रति संवेदनशील होने की ओर संकेत करता है और बताता है कि भाषाएं मानवीय संबंधों में सेतु का कार्य करती हैं। एक-दूसरे से जोड़ती हैं। सुब्रह्मण्यम भारती ने तमिल को शास्त्रीय स्वरूप से बाहर निकालकर सरल और आम बोलचाल की तमिल का प्रयोग किया ताकि उनके विचार और तमिल साहित्य का ज्ञान आम लोगों तक पहुंच सके। तमिल को प्राथमिकता देने के बावजूद भारती ने हिन्दी और तेलुगु सहित अन्य भारतीय भाषाओं के प्रति भी सम्मान दिखाया। वह चाहते थे कि सभी भारतीय भाषाओं के बीच ज्ञान का आदान-प्रदान हो, जिससे भारत एक सशक्त राष्ट्र बन सके। उनका स्पष्ट दृष्टिकोण था कि भारत की विभिन्न भाषाएं उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी शक्ति और सुंदरता हैं। भाषा मनुष्यों के बीच विचारों, भावनाओं और सूचनाओं के सुचारु आदान-प्रदान को संभव बनाती है। यदि भाषा न हो, तो यह सब संभव नहीं हो सकता। भाषा को लेकर अगर हम किसी संकीर्ण विचार से ग्रसित नहीं है, तब यह हमें एक अलग दुनिया की सैर कराती है, जहां एक-दूसरे के प्रति सम्मान है, अपनत्व है, एक-दूसरे से जुड़ने की ललक है। आपने कभी सोचा है कि कितना अपनापन लगता है जब कोई हमारी मातृभाषा में बात करता है या फिर हम सामने वाले की मातृभाषा में बात करने की कोशिश करते हैं। सच, मानिए यह पहल हृदयों को मिलाने का काम करती है। भारतीय राजनीति में इसका उदाहरण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रूप में हमारे सामने है। संपूर्ण देश में उनकी लोकप्रियता का कारण है कि वे जिस स्थान पर और जिन लोगों के बीच भाषण दे रहे होते हैं, उनके साथ संवाद स्थापित करने के लिए अभिवादन उनकी ही भाषा में करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के अलग-अलग देशों के राष्ट्राध्यक्षों को सोशल मीडिया पर बधाई-शुभकामना एवं अन्य विषयों से जुड़े महत्वपूर्ण पोस्ट भी उनकी ही भाषा में करते हैं। यानी देश-दुनिया को जोड़ने के लिए भाषा को बेहतरीन उपयोग हम प्रधानमंत्री मोदी से सीख सकते हैं। अनुवाद और बहुभाषावाद के माध्यम से भाषाएं सांस्कृतिक दूरियों को कम करती हैं। एक भाषा सीखना दूसरे समुदाय के विचारों और जीवनशैली को समझने का द्वार खोलता है, जिससे हमारे पूर्वाग्रह भी कम होते हैं। इसलिए व्यक्ति को अपनी मातृभाषा के अलावा दूसरी भाषा सीखने का प्रयास भी करना चाहिए। 'भाषा जोड़ती है, तोड़ती नहीं', यह आदर्श विचार इस दृष्टिकोण पर आधारित है कि भाषा लोगों को एक-दूसरे से जुड़ने, भावनाएं साझा करने और सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने में सहायता करती है। भाषा के नाम पर भारतीय समाज को तोड़ने की साजिश का हिस्सा बन रहे लोगों को यह बात भली प्रकार से समझनी चाहिए। उन्हें अपनी ऊर्जा भारतीय भाषाओं को समृद्ध करने में लगाना चाहिए। विशेषकर, संकीर्ण राजनीति के प्रभाव में आकर हिन्दी का विरोध करने वाले बंधुओं को यह देखना चाहिए कि हिन्दी का विकास एवं विस्तार अहिन्दी भाषी महानुभावों ने अधिक किया है, जिनमें प्रमुख हैं- स्वामी दयानंद सरस्वती, महात्मा गांधी, माधवराव सप्रे, विनोबा भावे, गोपालस्वामी अय्यंगर, डॉ. चलसानि सुब्बाराव, काका कालेलकर, आर. वेंकटरमण, ज्योतिराव फुले इत्यादि। हिन्दी की पहली कहानी 'एक टोकरी भर मिट्टी' के रचनाकार प्रख्यात पत्रकार माधवराव सप्रे संदेश देते हैं कि "मैं मराठी हूँ लेकिन हिन्दी के विषय में मुझे उतना ही अभिमान है, जितना किसी हिन्दी भाषी को हो सकता है"। वहीं, स्वामी दयानंद सरस्वती मानते थे कि "हिन्दी द्वारा सारे भारत को एक सूत्र में पिरोया जा सकता है"। इस प्रकार के राष्ट्रीय दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जो भाषा के वास्तविक उद्देश्यों को स्थापित करता है। स्मरण रखें कि जब भाषा को सम्मान, समावेश और समझ के साथ प्रयोग किया जाता है, तो यह निश्चित रूप से 'जोड़ती' है। हमारे पुरखों ने ऐसा करके दिखाया है। संपूर्ण भारत में इसके अनुकरणीय उदाहरण हमें मिलते हैं। इसलिए हमें अपनी भाषाई विविधता का उत्सव मनाना चाहिए और हर भाषा को सम्मान देना चाहिए, क्योंकि प्रत्येक भाषा एक अनमोल सांस्कृतिक खजाना है। हम एक-दूसरे की भाषा को सीखें, समझें और भावनाओं से लेकर शाब्दिक आदान-प्रदान करें।

(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी विवि में सहायक प्राध्यापक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मन को स्थिर रखना ही जीवन का सूत्र

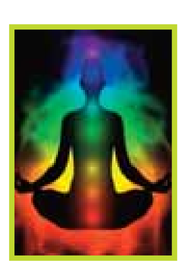

संकलित
दर्शन

काम, क्रोध, लोभ और मोह की स्वाभाविक वृत्तियों से घिरा हुआ मनुष्य जब अपनी असत दृष्टि से इनमें आनंद का अनुभव करने लगता है, तो उसे यह संसार खुशनुमा लगने लगता है। काम अर्थात इच्छा। जब भी किसी व्यक्ति के मन में उठी इच्छा की पूर्ति होती है, तो वह परम आनंद को प्राप्त होता है, पर वह यह भूल जाता है कि उसकी यह इच्छापूर्ति उसी तरह से उसके मन में एक और इच्छा जागृत करके उसके चित्त को अव्यवस्थित कर देगी, जिस तरह से जलती हुई अग्नि पूरी मात्रा में घी पाने पर भी बुझती नहीं है, अपितु और वेग से जलने लगती है। इसी भांति से यदि अन्य किसी व्यक्ति के साथ विचार भिन्नता होती है तो वे दोनों ही पक्ष एक-दूसरे की हानि करने के लिए तत्पर हो जाते हैं और अपने चित्त की सहज शांति खो बैठते हैं। इस स्थिति में जिसकी हानि होती है वह तो दुखी होता ही है, जो लाभ में रहता है वह भी हारे हुए पक्ष की ओर से आने वाली संभावित प्रतिक्रिया से हर दम चिंता में डूबा रहता है। और इस तरह से क्रोध भी व्यक्तियों को पीड़ित करने का कारण ही बनता है। वहीं लोभ और मोह की असीमित शक्ति का तो यह हाल है कि हम अपना पूरा का पूरा जीवन इसमें लगा देते हैं कि हमारे पास इतनी अथाह संपत्ति हो, जिसकी बराबरी धरती का कोई भी दूसरा व्यक्ति कभी न कर सके और हमारी अपनी संतान भी ऐसी हो, जिसकी सुंदरता और बुद्धिमत्ता का कोई मुकाबला न हो सके। रावण से लेकर कंस आदि के उदाहरण हमारे सामने हैं, जो अपने जीवन में अपनी ऐसी ही मानसिक विकृतियों से कभी भी पार नहीं पा सके।

भगवान को धन की कोई आवश्यकता नहीं

संकलित
प्रेरणा

एक सेठ के पास एक व्यक्ति काम करता था। सेठ उस व्यक्ति पर बहुत विश्वास करता था। वो व्यक्ति भगवान का बहुत बड़ा भक्त था। वह सदा भगवान के चिंतन भजन कीर्तन स्मरण सत्संग आदि का लाभ लेता रहता था। एक दिन उस ने सेठ से श्री जगन्नाथ धाम यात्रा करने के लिए कुछ दिन की छुट्टी मांगी सेठ ने उसे छुट्टी देते हुए कहा- भाई! मैं तो हूं संसारी आदमी हमेशा व्यापार के काम में व्यस्त रहता हूं, तुम जा ही रहे हो तो यह लो 100 रुपए मेरी ओर से श्री जगन्नाथ प्रभु के चरणों में समर्पित कर देना। भक्त सेठ से सौ रुपए लेकर श्री जगन्नाथ धाम यात्रा पर निकल गया। वह श्री जगन्नाथ पुरी पहुंचा। मंदिर की ओर प्रस्थान करते समय उसने रास्ते में देखा कि बहुत सारे संत, भक्त जन, वैष्णव जन, हरि नाम संकीर्तन बड़ी मस्ती में कर रहे हैं। भक्त भी वहीं रुक कर हरिनाम संकीर्तन का आनंद लेने लगा। उसने सोचा क्यों ना सेठ के सौ रुपए से इन भक्तों को भोजन करा दूँ। सबको भोजन कराने में उसे कुल 98 रुपए खर्च करने पड़े। उसके पास दो रुपए बच गए उसने सोचा चलो अच्छा हुआ दो रुपए जगन्नाथ जी के चरणों में सेठ के नाम से चढ़ा दूंगा। भक्त ने श्री जगन्नाथ जी के दर्शन किए और अंत में उसने सेठ के दो रुपए श्री जगन्नाथ जी के चरणो में चढ़ा दिए। भगवान को आपके धन की कोई आवश्यकता नहीं है। भगवान को वह 98 रुपए स्वीकार है जो जीव मात्र की सेवा में खर्च किए गए और उस दो रुपए का कोई महत्व नहीं जो उनके चरणों में नगद चढ़ाए गए।

सटाका

आज की पाती

मानवाधिकार दिवस का औचित्य

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1948 को पेरिस में एक घोषणा पत्र जारी किया था। इसमें मानवाधिकारों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए पहल की गई थी। इसमें यह चीजें थी कि दुनियाभर में किसी भी प्रकार का कोई भेदभाव न करते हुए सभी लोगों को बराबर अधिकार उपलब्ध करवाए जाएं। आज दुनिया में बहुत से देश ऐसे भी हैं जहां के नागरिक स्वतंत्रता, समानता और न्याय के अधिकारों से वंचित होंगे। इसका मुख्य कारण यह है कि वहां लोकतंत्र मजबूत नहीं है। खासतौर पर महिलाओं, बच्चों और मजदूरों को इससे वंचित रखा जाता है। मानवाधिकार आयोग को दुनिया में होने वाले युद्धों के लिए भी कोई ऐसे कदम उठाने चाहिए कि किसी भी देश में कोई युद्ध न छेड़े। तभी इस दिवस का औचित्य है। – *सतीश उपाध्याय, अंबिकापुर*

करंट अफेयर

फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति सरकोजी ने जेल के अनुभव किए साझा

फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी ने अपनी एक किताब में उस जेल का वर्णन किया है, जहां उन्होंने 20 दिन बिताए थे। सरकोजी ने जेल को शोरगुल वाली जगह, कठोर और अमानवीय हिंसा से भरी दुनिया बताया है। सरकोजी की इस पुस्तक का बुधवार को विमोचन किया गया जिसमें इस बारे में राजनीतिक सलाह भी दी गई है कि उनकी कंजर्वेटिव पार्टी को धुर दक्षिणपंथी मतदाताओं को कैसे आकर्षित करना चाहिए।

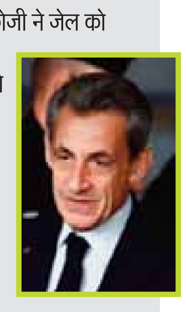

'डायरी ऑफ ए प्रिजनर' नामक इस पुस्तक में 70 वर्षीय पूर्व राष्ट्रपति ने कहा है कि अपराध के प्रति उनके अपने सख्त रुख ने एक नया रूप ले लिया है। सरकोजी को 2007 के अपने विजयी चुनावी अभियान को लीबिया से प्राप्त धन से वित्तपोषित करने के मामले में आपराधिक साजिश का दोषी पाया गया था। अदालत ने सितंबर में सरकोजी को पांच साल की जेल की सजा सुनाई, जिसके खिलाफ उन्होंने अपील की। करीब 20 दिन जेल में बिताने के बाद उन्हें न्यायिक निगरानी में रिहा कर दिया गया। यह पुस्तक पेरिस की ला सैंटे जेल के अंदर की दुर्लभ झलक पेश करती है, जहां सरकोजी को एकांत कारावास में रखा गया था और सुरक्षा कारणों से उन्हें अन्य कैदियों से सख्ती से अलग रखा गया था।

ऑफ बीट

बीएमआई नहीं बता सकता कि हम स्वस्थ हैं या नहीं

हम जानते हैं कि 'बॉडी मास इंडेक्स' (बीएमआई) किसी के वजन और उससे जुड़े स्वास्थ्य के आकलन के लिए उपयुक्त प्रक्रिया नहीं है, लेकिन यह चिकित्सकों, जनसंख्या शोधकर्ताओं और निजी प्रशिक्षकों के लिए यह उपयोगी उपकरण बना हुआ है। बीएमआई लोगों को चार वजन श्रेणियों में वर्गीकृत करने की एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त जांच विधि है : कम वजन (बीएमआई 18.5 से कम), सामान्य वजन (18.5 से 24.9), अधिक वजन (25.0 से 29.9) या मोटापा (30 या अधिक)। किसी के वजन को उसकी लंबाई के वर्ग से विभाजित करके इसका पता लगाया जाता है।

बेल्जियम के गणितज्ञ लैम्बर्ट एडोल्फ जैकस क्यूटलेट (1796–1874) ने औसत पश्चिमी यूरोपीय व्यक्ति की शारीरिक विशेषताओं का पता लगाने के लिए 1832 में एक गणितीय मॉडल 'बीएमआई' को इजाद किया था। इसे शुरू में क्यूटलेट इंडेक्स कहा गया और इसे कभी भी चिकित्सकीय आकलन का उपकरण नहीं माना गया। 1972 में क्यूटलेट इंडेक्स को 'बॉडी मास इंडेक्स' कहा गया। गणितीय सूत्र का उपयोग करके किसी के स्वास्थ्य का पूरा आकलन करना संभव नहीं है। बीएमआई शरीर की अतिरिक्त चर्बी को नहीं मापता, यह केवल 'अतिरिक्त' वजन को मापता है।

ट्रेंड

सभ्यता की आत्मा

हमारे लिए, दीपावली हमारी संस्कृति और लोकाचार से बहुत गहराई से जुड़ी हुई है। यह हमारी सभ्यता की आत्मा है। यूनेस्को की अमूर्त विरासत सूची में दीपावली के शामिल होने से इस त्यौहार की वैश्विक लोकप्रियता और भी बढ़ जाएगी।
- **नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

गौरव का क्षण

दीपावली का यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल होना हर भारतीय के लिए गौरव का क्षण है। यह हमारी सनातन संस्कृति, प्रकाश, सत्य और धर्म के शाश्वत मूल्यों की वैश्विक स्वीकार्यता है। यह उपलब्धि भारत की सांस्कृतिक शक्ति का विश्व मंच पर उत्सव है।
-**अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय मंत्री**

वोट चोरी बड़ा देशद्रोह

वोट चोरी सबसे बड़ा देशद्रोह है। भारत न केवल दुनिया का सबसे बड़ा बल्कि सबसे महान लोकतंत्र है। भाजपा और चुनाव आयोग हमारे लोकतंत्र को नष्ट करने और लोगों की आवाज़ छीनने के लिए मिलीभगत कर रहे हैं।
- **राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस**

इंडिगो घटनाक्रम शर्मनाक

इंडिगो एयरलाइंस का पूरा घटनाक्रम बेहद शर्मनाक रहा। पूरी दुनिया भारत की तरफ़ देख रही थी कि हम अपनी एयरलाइंस तक संभाल नहीं पा रहे। एक निजी कंपनी ने भारत सरकार को घुटनों पर ला दिया।
-**अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली**

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

प्रमुख सचिव, कलेक्टर, एसपी सहित अन्य को अवमानना नोटिस

प्रतिबंध के बाद भी गौरीघाट में क्यों बज रहे तेज आवाज में डीजे

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने गौरीघाट क्षेत्र में नियम विरुद्ध तरीके और अदालत के पूर्व आदेश का उल्लंघन कर लाउडस्पीकर व डीजे बहुत तेज आवाज में बजाए जाने के मामले में अवमानना नोटिस जारी किए हैं। जस्टिस द्वारिकाधीश बंसल की सिंगल बेंच ने गृह विभाग के प्रमुख सचिव संजय दुबे, कलेक्टर जबलपुर राघवेंद्र सिंह, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय, एसडीएम अनुराग सिंह और गौरीघाट थाना प्रभारी सुभाष चंद्र बघेल से स्पष्टीकरण तलब किया है।

अवमानना याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी कृष्ण कुमार तिवारी की ओर से अधिवक्ता कौस्तुभ तिवारी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि पुलिस थाना गौरीघाट के आसपास अवैध रूप से लाउडस्पीकर व डीजे का उपयोग किया जा रहा है। त्यौहारों के समय

नियमों का उल्लंघन करते हुए अत्यधिक तेज आवाज में बजाया जाता है। इससे न केवल धवनि प्रदूषण होता है, वरन शांतिपूर्ण जीवन के मौलिक अधिकार का खुला उल्लंघन भी होता है।

क्या थे हाई कोर्ट के पूर्व दिशा-निर्देश

दरअसल, वर्ष 2015 में हाई कोर्ट के तत्कालीन चीफ जस्टिस अजय माणिकराव खानविलकर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने इस मामले में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए थे। कोर्ट ने कहा था कि बिना सक्षम प्राधिकारी से अनुमति प्राप्त किए कोई भी लाउडस्पीकर व डीजे का उपयोग नहीं किया जाएगा। इनके उपयोग की अनुमति केवल उन्हीं दिनों के लिए दी जा सकती है, जिनकी अधिसूचना प्रत्येक वर्ष जनवरी माह में जारी की जाती है। अधिसूचित दिनों की संख्या किसी भी कैलेंडर वर्ष में 15 दिनों से अधिक नहीं होगी। इनका उपयोग निर्धारित ध्वनि-सीमा के भीतर ही करना अनिवार्य होगा। कोर्ट ने कहा था कि जिले के कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक इन मामलों के नियमन हेतु व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे। यदि पुलिस में कोई शिकायत प्राप्त होती है, तो संबंधित क्षेत्र का थाना प्रभारी तुरंत ध्वनि प्रदूषण करने वाले उपकरण को जप्त करेगा और 24 घंटे के भीतर एसडीएम के समक्ष पेश करेगा।

हाईकोर्ट ने छह सप्ताह में शिकायत दूर करने दिए निर्देश

जेडीए के सेवानिवृत्त कर्मी को 14 वर्ष बाद मिला न्याय

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने जबलपुर विकास प्राधिकरण के सेवानिवृत्त कर्मी के हक में आदेश पारित किया। जस्टिस संदीप नटवरलाल भट्ट की सिंगल बेंच ने जेडीए, सीईओ व कलेक्टर को छह सप्ताह के भीतर शिकायत दूर करने के निर्देश दिए । मामला कर्मचारी कोटे के भूखंड आवंटन से संबंधित है। खास बात यह है कि याचिकाकर्ता को 14 वर्ष के बाद न्याय मिला। याचिकाकर्ता जबलपुर निवासी देवेंद्र त्रिपाठी की ओर से अधिवक्ता शंभूदयाल गुप्ता व कपिल गुप्ता ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता जेडीए में स्टेनो के पद से सेवानिवृत्त हो चुका है। सेवा में रहने के दौरान 10 सितंबर, 2010 को कर्मचारी कोटे के तहत भूखंड आवंटन का विज्ञापन निकला था। याचिकाकर्ता ने आवेदन कार्यालय में जमा कर दिया था। याचिकाकर्ता का आफर दूसरे आवेदकों से अधिक था। इसके बावजूद उसका आवेदन दरकिनार कर दिया गया। उसके स्थान पर अपेक्षाकृत कम योग्य आवेदक को भूखंड आवंटित कर दिया गया। इस रवैये के विरुद्ध 2011 में याचिका दायर कर दी थी। जिस पर सुनवाई के बाद नोटिस जारी करते हुए महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश पारित किया गया था। जिसके अंतर्गत भूखंड आवंटन विचाराधीन याचिका के अंतिम निर्णय के अधीन कर दिया गया था। इस वजह से वह भूखंड आज भी रिक्त है।

आज भी शहर के कई क्षेत्रों में हुई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

अतिक्रमण हटाओ अभियान से शहर की सड़कें हो रही हैं अतिक्रमण मुक्त-निगमायुक्त

जबलपुर। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के निर्देश पर शहर के कई क्षेत्रों में आवागमन को सुगम बनाने के लिए अस्थाई अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही की गई। यह कार्यवाही इंजीनियरिंग कॉलेज के सामने, बड़ा फुहारा, रद्दी चौकी से मंडी तक, जबलपुर हॉस्पिटल के सामने, और जयंती कॉम्प्लेक्स से अंजुमन स्कूल तक की गई, और आवागमन को सुगम बनाया गया।

निगम की टीम ने इन महत्वपूर्ण मार्गों से अतिक्रमण को हटाकर सड़कों को अतिक्रमण मुक्त करवाया। शहरवासियों ने इस कार्रवाई की सराहना की है, क्योंकि इससे सड़कों पर भीड़ कम हुई है और राहगीरों के लिए आवागमन अब अधिक सुगम हो गया है। निगमायुक्त ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान शहर को व्यवस्थित रखने के लिए निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि इस कार्रवाई का सीधा प्रभाव आवागमन के सुगम होने के रूप में देखने को मिला है। नगर निगम का यह कदम शहर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

कोयला सस्ता, बिजली उत्पादन सस्ता, फिर भी चुप्पी : उपभोक्ता मंच

विधानसभा और कैबिनेट बैठक में सस्ती बिजली की घोषणा नदारद

जबलपुर। राज्य सरकार ने बिजली सस्ती करने की घोषणा न तो 5 दिसंबर तक चले। विधानसभा सत्र में की, न ही 9 दिसंबर को खजुराहो में हुई, कैबिनेट बैठक में की, जबकि केंद्र सरकार ने बिजली उत्पादन के कोयले पर 40 रुपए प्रति टन कम्पेनसेशन सेस हटाकर कोयला सस्ता कर दिया है, जिससे बिजली उत्पादन में लागत घट गई है। इससे निराश होकर नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच तथा अन्य जनसंगठनों ने मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव को पत्र भेजकर राज्य सरकार द्वारा बिजली सस्ती करने के वादे की याद दिलाई।

डॉ.पीजी नाजपांडे ने जानकारी दी कोल इंडिया द्वारा जारी 4 अप्रैल के कोयला कीमतों के नोटिफिकेशन के अनुसार जी-16 ग्रेड का कोयला 524 रुपए प्रति टन तथा जी-13 ग्रेड का कोयला 1218 रुपए प्रति टन के कीमत का था, बाद में 22 सितंबर को सेस हटाने के बाद जी-13 ग्रेड के कोयले की कीमत 987.66 रुपए प्रति टन हुई। स्पष्ट है कि कीमत 291.19 रुपए प्रति टन से घटी। जन संगठनों की ओर से रजत भार्गव, एड.वेदप्रकाश अधौलिया, डीआर लखेरा, टीके रायघटक, डीके सिंह, संतोष श्रीवास्तव, सुभाष चंद्रा, केसी सोनी, एड.जीएस सोनकर, दिलीप कुंडे, हरजीवन विश्वकर्मा, सुशीला कनौजिया, गीता पांडे, पीएस राजपूत, विनायक सोरते, अर्जुन कुमार, राममिलन शर्मा ने बताया कि 22 सितंबर को जीएसटी 2.0 के अवसर पर प्रदेश सरकार की ओर से वादा किया गया था कि प्रदेश में बिजली सस्ती की जाएगी।

करदाताओं को लोक अदालत में मिलेगी छूट

जबलपुर। नगर निगम द्वारा आयोजित होने वाली आगामी लोक अदालत करदाताओं के लिए एक बहुत बड़ी राहत लेकर आ रही है। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने सभी करदाताओं से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं और अपने बकाया करों पर मिलने वाली विशेष छूट का फायदा लें। निगमायुक्त ने बताया कि 13 दिसंबर को आयोजित होने वाली यह लोक अदालत करदाताओं को अपने संपत्ति कर, जल शुल्क, और अन्य बकाया करों को आसान किस्तों में चुकाने और साथ ही अधिभार में महत्वपूर्ण छूट प्राप्त करने का एक सुनहरा मौका है ।यह उन करदाताओं के लिए विशेष रूप से फायदेमंद है जिनके कर लंबे समय से लंबित हैं। निगमायुक्त ने कहा कि करदाताओं को चाहिए कि वे इस ऐतिहासिक छूट का लाभ उठाएँ और जुर्माने की चिंता से मुक्त हों। निगमायुक्त ने बताया कि मुख्यालय सहित सभी संभागीय कार्यालयों में लोक अदालत आयोजित है।

निगमायुक्त ने की समीक्षा बैठक

अमृत योजना को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश

जबलपुर। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने बुधवार को आयोजित समीक्षा बैठक में अमृत योजना के फेज 1 और 2 के कार्यों की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया और अधिकारियों को इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को समय सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के कड़े निर्देश दिए।

निगमायुक्त श्री अहिरवार ने विस्तृत समीक्षा करते हुए पाया कि अमृत योजना के तहत चल रहे जलप्रदाय, सीवरेज एवं अन्य अधोसंरचना विकास के कार्य निर्धारित लक्ष्य की ओर अग्रसर हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिकों को जल्द से जल्द इन योजनाओं का लाभ मिलना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अमृत योजना के कार्य शहर के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, इन्हें प्राथमिकता के आधार पर समय पर और मानक

गुणवत्ता के साथ पूरा करें। निगमायुक्त ने सीएम हेल्प लाइन में प्राप्त शिकायतों की भी गहन समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि शिकायतों का निराकरण संतुष्टि के साथ प्रभावी रूप से करवाएं। निगमायुक्त श्री अहिरवार ने राजस्व वसूली अभियान की गति बढ़ाने पर भी ज़ोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से बकाया राजस्व की प्रभावी ढंग से वसूली सुनिश्चित करने को कहा ताकि करदाताओं से सौ प्रतिशत तक वसूली हो सकें। समीक्षा बैठक में सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में क्लास-3 और क्लास-4 पदों की भर्ती प्रक्रिया पर रोक

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में क्लास-3 और क्लास-4 पदों की भर्ती परीक्षा में सवाल नंबर 16 और 25 के गलत अंकन को लेकर दायर याचिकाओं पर अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने परीक्षा आयोजक को याचिकाकर्ताओं की आपत्तियों का विशेषज्ञों के माध्यम से पुनः परीक्षण करने के निर्देश दिए। जस्टिस दीपक खोत की सिंगल बेंच ने कहा कि आवश्यक हो तो मॉडल आंसर की को भी संशोधित करने कहा है। इस दौरान चयनित उम्मीदवारों की नियुक्ति प्रक्रिया पर रोक रहेगी।कोर्ट ने एमपी ऑनलाइन को आदेश दिया कि याचिकाकर्ताओं की आपत्तियों का विशेषज्ञों से परीक्षण कराएं। आपत्तियां सही पाए जाने पर उचित अंक प्रदान किए जाएं। इसके बाद संशोधित मेरिट लिस्ट तैयार की जाए। यह पूरी प्रक्रिया 15 दिनों के भीतर पूरी करने के निर्देश दिए।
सागर निवासी अर्पित साहू व अन्य की ओर से याचिका दायर कर दावा था कि परीक्षा परिणाम में उक्त सवालों के उत्तरों को गलत चिह्नित किया गया, जिससे उनके ओबीसी-ओपन श्रेणी में चयन की संभावना प्रभावित हुई। याचिकाकर्ताओं ने मॉडल आंसर की जारी होने के तुरंत बाद आपत्तियां दर्ज की थीं, लेकिन अधिकारियों ने अस्वीकार कर दिया। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता हितेंद्र कुमार गोल्हानी ने दलील दी कि आपत्तियां समय पर जमा की गई थीं और कोई प्रक्रियागत चूक नहीं हुई है। उन्होंने तर्क दिया कि अधिकारियों ने आपत्तियों को संक्षिप्त तरीके से खारिज किया, जबकि सामग्री उनके दावों का समर्थन करती है।

पीएम उषा के तहत मैराथन बैठक

पहली बार 2 घंटे में एक टेबल पर 13 विभागों के 75 लाख के प्रस्ताव प्रस्तुत

जबलपुर। पीएम उषा 2025 परियोजना के सॉफ्ट कंपोनेंट मद के तहत रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय को 75लाख का आवंटन किया गया था। उपरोक्त अनुदान के क्रियान्वन के लिए माननीय कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा की अध्यक्ष में बुधवार को मैराथन बैठक का आयोजन किया गया। इसमें विश्वविद्यालय के सभी विभागाध्यक्षों और विभाग प्रमुखों की मौजूदगी में एक ही टेबल पर त्वरित रूप से 13 विभागों के लिए तैयार 75 लाख के प्रस्तावों को एक-एक कर चर्चा और विमश उपरांत स्वीकृति के लिए एक साथ प्रस्तुत किए गये जिस पर प्राथमिक स्तर पर स्वीकृती प्रदान की गई।

उल्लेखनीय है कि पीएम उषा के तहत प्राप्त अनुदान से छात्र छात्राओं के शैक्षणिक उन्नयन हेतु सेमिनार, प्रशिक्षण, कार्यशाला, अकादमिक भ्रमण, राष्ट्रीय कार्यशाला, अंतराष्ट्रीय सेमिनार,आदि गतिविधियों का क्रियान्वन किया जाना है। इसके साथ ही कर्मचारियों को और विद्यार्थियों को भी अलग से प्रशिक्षित करने की कवायद की जाना है। जिसके लिए राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रुसा) उच्च शिक्षा विभाग द्वारा सेडमैप, पॉलीटेक्निक, एमपीसीएसटी, मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग, आईआईटी, आईआईएम सहित कई संस्थानों के माध्यम से प्रशिक्षण का कार्य कराया जाना है। उक्त सॉफ्ट कंपोनेंट के तहत राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सेमिनार, कार्यशालाओं का अलग-अलग विभागों द्वारा आयोजित किया जाएगा। वहीं कुछ विभागों द्वारा आईसीटी प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी भवन में समस्त प्रस्तावों को लेकर सभी विभागाध्यक्ष, सभी अधिकारी एक साथ, एक टेबल पर विमर्श कर प्राथमिक स्तर पर स्वीकृत किया गया। इस प्रकार की प्रक्रिया विश्वविद्यालय में पहली बार आयोजित हुई जिसका मुख्य उद्देश्य कार्यों में तेजी और पारस्परिक समन्वय रहा। इस अवसर पर विवि के लेखा विभाग, विकास विभाग, वित्त विभाग, स्थापना एवं स्टोर सहित अन्य विभागों के सभी अधिकारीगण भी मौजूद रहे।

वन ब्लॉक–वन डिजिटल एग्ज़ाम सेंटर की मांग

राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मीक ने उठाया बड़ा मुद्दा

जबलपुर। राज्यसभा में मंगलवार को मध्यप्रदेश के जबलपुर और महाकौशल क्षेत्र से जुड़े एक गंभीर और जमीनी मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया गया। जबलपुर की राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मीक ने शून्यकाल के दौरान ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को परीक्षा केंद्रों की दूरी के कारण होने वाली तकलीफों को सदन के सामने रखा। सांसद ने कहा कि डिजिटल इंडिया के दौर में भी दूर-दराज के गांवों के बच्चों को जेईई, नीट जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाएं देने के लिए 300 किलोमीटर तक की यात्रा करनी पड़ती है, जो किसी भी दृष्टि से न्यायसंगत नहीं है। सांसद सुमित्रा बाल्मीक ने कहा कि महाकौशल के सिहोरा, कुंडम, शहपुरा, मझौली और कई आदिवासी-बहुल क्षेत्रों में रहने वाले गरीब परिवारों के बच्चों के लिए राष्ट्रीय परीक्षाएं देना आर्थिक और मानसिक रूप से बेहद कठिन हो गया है। उन्होंने सदन में कहा, यहाँ से 300 किलोमीटर दूर भोपाल या इंदौर में परीक्षा केंद्र मिलता है। उस 17 साल के बच्चे की हालत सोचिए, जिसे परीक्षा से पहले रात भर बसों में धक्के खाने पड़ते हैं। उसे परीक्षा की नहीं, धर्मशाला मिलने की चिंता होती है। सांसद ने यह भी कहा कि कई माता-पिता दो दिन की दिहाड़ी छोड़कर अपने बच्चे को परीक्षा दिलाने जाते हैं। ऐसे में परीक्षा देना गरीबों के लिए 'आर्थिक संकट' जैसा बन जाता है।

डिजिटल इंडिया के बीच बड़ा विरोधाभास

बाल्मीक ने संसद में यह सवाल भी उठाया कि , जब देश के गांव-गांव तक 5जी और तेज इंटरनेट पहुंच चुका है, जब हर प्रक्रिया ऑनलाइन हो रही है, ऐसे में बच्चों को परीक्षा देने के लिए इतनी दूर क्यों भेजा जा रहा है? उन्होंने कहा फॉर्म भरने की प्रक्रिया ऑनलाइन करने से लोकतंत्र मजबूत हुआ, लेकिन परीक्षा केंद्रों की कमी ने इसे फिर अमीरों तक सीमित कर दिया है।

वन ब्लॉक, वन डिजिटल एग्जाम सेंटर

सुमित्रा बाल्मीक ने शिक्षा मंत्रालय और एनटीए से मांग की हर ब्लॉक में एक डिजिटल परीक्षा केंद्र स्थापित किया जाए। उन्होंने इसके लिए तीन मजबूत तर्क रखे हर ब्लॉक में सरकारी स्कूल, आईटी रूम, पंचायत भवन जैसे संसाधन उपलब्ध हैं, जिन्हें सुरक्षित डिजिटल परीक्षा केंद्र में बदला जा सकता है। यदि लोकतंत्र के लिए ईवीएम मशीनें जंगलों तक ले जाई जा सकती हैं, तो देश के भविष्य बनाने वाले बच्चों तक कंप्यूटर क्यों नहीं पहुंच सकता? रिमोट प्रॉक्टरिंग तकनीक उपलब्ध है, इसलिए 300 किमी यात्रा कराने का कोई तर्क नहीं बनता।

वंचित समाज के लिए शिक्षा ही हथियार

सांसद ने भावुक अपील करते हुए कहा, "असमानता से लड़ने का एकमात्र हथियार शिक्षा है। सरकार ऐसी व्यवस्था करे जिससे छात्र की ऊर्जा परीक्षा पास करने में लगे, परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में नहीं।" अंत में उन्होंने सरकार से इस दिशा में ठोस नीति बनाने और ग्रामीण-अंचल के छात्रों के लिए परीक्षा केंद्रों की उपलब्धता को आसान करने की मांग की।

हवाला और कैश रूट की लिंक जोड़ने में जुटी पुलिस

अमित खम्परिया की रिमांड अवधि 5 दिन बढ़ी

जबलपुर। टोल घोटाले, धोखाधड़ी और करोड़ों के निवेश ठगी मामले में गिरफ्तार अमित खम्परिया को बुधवार को दोबारा कोर्ट में पेश किया गया, जहां से पुलिस ने 5 दिन की अतिरिक्त रिमांड हासिल की है। पुलिस ने कोर्ट में कहा कि ताजा मामलों में विवेचना, प्राप्त दस्तावेजों की जांच, नेटवर्क की पड़ताल और आगे की बरामदगी अभी बाकी है। इसके लिए आरोपी का और कस्टोडियल इंटरोगेशन जरूरी है। अमित खम्परिया 15 दिसम्बर तक पुलिस रिमांड पर हिरासत में रहेगा. गौरतलब है कि यह मामला हर दिन नए मोड़ ले रहा है। गिरफ्तारी के बाद से पुलिस को लगातार नए लोग सामने आ रहे हैं, जिन्होंने खम्परिया के खिलाफ गंभीर आर्थिक ठगी और धमकी की शिकायतें दर्ज कराई हैं। आने वाले 5 दिनों की रिमांड में पुलिस हवाला और कैश रूट को जोड़ने की कोशिश करेगी।

तीन दिन पहले पुलिस रिमांड के पहले चरण में खम्परिया से पूछताछ के दौरान कई चौंकाने वाली जानकारियाँ सामने आई थीं। पुलिस के अनुसार, पहले 48 घंटे में 17 नए फरियादी सामने आए थे, अब यह संख्या बढ़कर 40 के पार जाने का अनुमान है, खम्परिया के पुराने

खौफ के खत्म होते ही पीड़ित खुलकर सामने आ रहे हैं। रिमांड अवधि में पुलिस को मिले कई दस्तावेज़ों ने खम्परिया की जालसाजी की परतें खोल दी हैं पहचान बदलने के लिए उसने नया आधार, पैन, वोटर आईडी बनवाए। इन दस्तावेज़ों में अलग-अलग शहरों के पते इस्तेमाल किए गए।

इसके लिए नागपुर और मुंबई के दो एजेंटों की मदद लेने के प्रमाण मिले।टीम ने इन एजेंटों के मोबाइल नंबर, बैंक ट्रांजेक्शन और संभावित लोकेशन ट्रैक किए हैं। पुलिस का मानना है कि पहचान बदलकर खम्परिया ने कई बैंक अकाउंट खोले और इन्हीं खातों से करोड़ों का लेनदेन किया। पुलिस सूत्रों से मिल जानकारी के अनुसार अब तक की जांच में सामने आया है कि फरारी की अवधि में खम्परिया ने हवाला के जरिए रकम मंगाई और भेजी यह अब लगभग पुष्टि की दिशा में है। नागपुर से जब्त 4 मोबाइल नंबर संदिग्ध हवाला ऑपरेटरों से जुड़े मिले। कॉल डिटेल में कोड वर्ड, नकदी कलेक्शन, रकम पहुंचाने की तारीखें जैसी सूचनाएँ भी सामने आईं। जबलपुर और मंडला के 3 संदिग्धों को तलब कर पूछताछ की जा रही है।

14 हजार 831 किसानों ने किये स्लॉट बुक

जबलपुर। जिले में अभी तक 894 किसानों से समर्थन मूल्य पर 75 हजार 390 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है और 14 हजार 831 किसानों द्वारा स्लॉट बुक किये गये हैं। किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदने जिले में 84 उपार्जन केन्द्र स्थापित किये गये हैं। जिले में इस वर्ष समर्थन मूल्य पर धान का विक्रय करने 55 हजार 091 किसानों द्वारा 88 हजार 858 हेक्टेयर रकबे का पंजीयन कराया गया है। कलेक्टर कार्यालय की खाद्य शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में इस वर्ष किसानों से 4 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी का लक्ष्य रखा गया है। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशानुसार किसानों की सुविधा के लिहाज से सभी जरूरी व्यवस्थायें की गई हैं। उपार्जन पर निगरानी के लिये प्रत्येक खरीदी केंद्र पर एक नोडल अधिकारी को भी तैनात किया गया है। कलेक्टर स्वयं प्रतिदिन उपार्जन की स्थिति पर नजर रखे हुये हैं और रोज शाम समीक्षा भी कर रहे हैं।

आज तीसरे दिन भी बंद रहेगा सिहोरा खितौला

सिहोरा जिला आन्दोलन हुआ उग्र, फूंका पुतला रैली में लगाये सिहोरा विधायक मुर्दाबाद के नारे

सिहोरा। सिहोरा जिला की मांग को लेकर सर्व दलीय लक्ष्य जिला आन्दोलन समिति के संयोजन में विगत दिनों से जारी आन्दोलन ने अब उग्र रुप धारण कर लिया है। आन्दोलन कारियों ने जहां रैली के दौरान शासन प्रशासन का पुतला फूंका टायर जलाये वहीं रैली में सिहोरा विधायक मुर्दाबाद के नारे भी लगाये बुधवार को भी सिहोरा खितौला बंद पूरी तरह से सफल रहा आज गुरुवार को भी अपने प्रतिष्ठान बंद रखने का निर्णय व्यापारियों ने लिया गया है। वहीं विगत मंगलवार से जल भी त्याग देने से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पूर्व प्रचारक प्रमोद साहू की स्थिति गंभीर होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शांति व्यवस्था कायम रखने पुलिस ने सिहोरा में विशाल फ्लेग मार्च भी निकाला।

देर रात प्रमोद साहू अस्पताल में भर्ती

गत 6 दिसम्बर से जिले की मांग को लेकर अन्न त्याग कर अनशन कर रहे पूर्व प्रचारक प्रमोद साहू का स्वास्थ्य अचानक खराब होने लगा विदित हो 9 दिसम्बर से उन्होंने जल का त्याग कर दिया था जिसके कारण उनके स्वास्थ्य में लगातार गिरावट आ रही थी बुधवार की देर रात अचानक चक्कर आने एंव कमजोरी महसुस होने पर परिजन उन्हें तत्काल सिविल अस्पताल सिहोरा लेकर पहुंचे स्वास्थ परीक्षण करने पर ब्लडप्रेशर के साथ साथ शुगर कम होने पर उपचार प्रारंभ किया गया। साहू के स्वास्थ्य खराब होने की सूचना पर सर्वदलीय लक्ष्य समिति के सदस्यों के अलावा भारी संख्या में स्थानीय लोग एंव पुलिस सिविल अस्पताल में एकत्र होने लगे अस्पताल के प्रभारी चिकित्सक डा.सुनील लटियार का कहना है की बीपी शुगर कम होने के साथ साथ बाडी डिहाइड्रेट की समस्या हो रही है इलाज जारी है।

बाजार में सन्नाटा पसरा,यातायात ठप्प

जिला की मांग को लेकर मंगलवार से प्रारम्भ हुआ सिहोरा खितौला बंद आज भी जारी रहा बाजार में जहां सन्नाटा पसरा रहा वहीं कृषि उपज मंडी भी बंद थी स्कुल तो लगे पर बच्चों की संख्या कम थी जबलपुर कटनी सहित मंझगवा,मझौली जाने वाली बसें भी बाहर से ही चली आटो भी कम चलने से बाहर से आने जाने यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। यातायात पूरी तरह से ठप्प रहा।चाय पान तक की दुकानें बंद थी।

आखरी सांस तक जारी रहेगा सत्याग्रह

विगत पांच दिनों से जारी आमरण अनशन एंव जल त्यागने वाले संघ के पूर्व प्रचारक प्रमोद साहू ने दोपहर में कहा इस मातृभूमि को जिला बनवाने में आखरी सांस तक अपना सत्याग्रह जारी रखुंगा चाहे इसके लिए मुझे अपने प्राणों की आहूति क्यों न देना पड़े। उनका यह संकल्प सुनते ही भीड़ में गुस्सा और जोश दोनों और उफान पर आ गए। पूर्व विधायक दिलीप दुबे,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश पांडे को छोड़कर बाकी भाजपा नेताओं के इस आन्दोलन से दूरी बना लेने से आन्दोलन कारियों का आक्रोश चरम पर पहुंच गया है। इसी तरह जिला के लिए शासन प्रशासन द्वारा अभी तक कोई कदम न उठाए जाने से नाराज नगर पालिका के अनेक भाजपा और कांग्रेस के पार्षदों ने भी अपने स्तीफे की पेशकश की है।

विशाल वाहन रैली में लगे सरकार विरोधी नारे

सिहोरा जिला बनाने की मांग को लेकर धरना स्थल पुराने बस स्टेंड से प्रमोद साहू के साथ विशाल वाहन रैली निकाली गई जो सिहोरा खितौला के मुख्य मार्गो से होकर निकली जिसमें , सिहोरा विधायक मुर्दाबाद,होश में आयो,स्तीफा दो सहित "सिहोरा जिला बनाओ", "अब और इंतजार नहीं" जैसे नारों से पूरा नगर गूंजता रहा। बावजूद इसके सरकार की ओर से अब तक न कोई आश्वासन न कोई संकेत सामने आया है। इसी कारण आंदोलनकारियों में रोष और अधिक बढ़ गया है।

साउथ एवेन्यू मॉल में 12 से 14 दिसंबर तक बुक फेयर का आयोजन

जबलपुर। पुस्तक प्रेमियों के लिए खुशी की खबर ग्वारीघाट रोड स्थित साउथ एवेन्यू मॉल में 12 से 14 दिसंबर तक विशेष बुक फेयर आयोजित किया जा रहा है। मेले में उपन्यास, जीवनी, यात्रा-वृत्तांत, इंग्लिश लिटरेचर, प्रेरणादायक साहित्य और बाल पुस्तकों सहित गैर-शैक्षणिक किताबों का बड़ा संग्रह उपलब्ध रहेगा। कार्यक्रम की खास आकर्षण रहेगा प्रसिद्ध लेखक दिव्य प्रकाश दुबे और स्वप्निल पांडे की बुक टॉक, जिसमें वे अपने लेखन अनुभव और प्रेरक कहानियाँ पाठकों से साझा करेंगे। यह तीन दिवसीय आयोजन पुस्तक खरीदारी के साथ-साथ विचारों और रचनात्मकता का उत्सव साबित होगा, जो शहरवासियों को ज्ञान, मनोरंजन और प्रेरणा का अनूठा संगम प्रदान करेगा।

ए.पी. नर्मदा के एनसीसी एवं एनएसएस छात्रों का टीएफआरआई में शैक्षिक भ्रमण

जबलपुर। ए.पी. नर्मदा महाविद्यालय की एनसीसी एवं एनएसएस इकाइयों ने उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (TFRI) का शैक्षिक भ्रमण किया। यह भ्रमण डॉ. नीलू सिंह (डायरेक्टर, TFRI) के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। हाल ही में महाविद्यालय और टीएफआरआई के बीच हुए एमओयू के तहत यह भ्रमण शोध एवं शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भ्रमण के दौरान वैज्ञानिकों ने छात्रों को बांस की प्रजातियों, कीट विज्ञान, टिशू कल्चर, संकटग्रस्त वन्य जीवों तथा संग्रहालयों की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान डॉ. नंदिता बेरी, डॉ. त्रिलोक गुप्ता, डॉ. सुषमा मरावी, डॉ. रामकुमार मिश्रा, श्रीमती शशि किरण बरवे एवं मुकेश सोनकर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।कार्यक्रम में महाविद्यालय की लेफ्टिनेंट डॉ. दिव्या पाराशर, एनएसएस अधिकारी श्रीमती अर्चना कुररिया, श्रीमती वीणाक्षी खुराना, डॉ. पूजा शर्मा, डॉ. सुमन मेहरा सहित कुल 53 कैडेट शामिल हुए। महाविद्यालय के इस शैक्षिक प्रयास पर संस्था अध्यक्ष श्री चमन श्रीवास्तव, डायरेक्टर मयंक श्रीवास्तव, रजिस्ट्रार मानवेन्द्र सिंह तथा प्राचार्या डॉ. सोनल खरे ने टीम को बधाई दी।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 17वीं छःमाही बैठक सम्पन्न

जबलपुर ।नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जबलपुर की 17वीं छःमाही बैठक महाप्रबंधक एवं समिति अध्यक्ष श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार पर विशेष जोर देते हुए सभी कार्यालयों में नोटिंग, ई–ऑफिस, ई–मेल एवं अन्य पोर्टलों पर हिंदी के अधिकाधिक उपयोग के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर समिति की वार्षिक पत्रिका 'सरल' के 6वें अंक का विमोचन किया गया। मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री एम. एस. हाशमी ने बताया कि सदस्य कार्यालयों में दैनिक कार्यों में हिंदी का उपयोग बढ़ रहा है। वहीं गृहमंत्रालय, राजभाषा विभाग, भोपाल से आए श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा ने समिति के प्रयासों की सराहना की और राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के सुझाव दिए। बैठक में विभिन्न केंद्रीय कार्यालयों के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी द्वारा किया गया।

धुआंधार में पानी की टंकी का उद्घाटन

भेड़ाघाट। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल धुआंधार पर देश विदेश से पर्यटक एवं श्रद्धालूओं का आना होता है बहुत सारे तीर्थ यात्री आते है जो खाना भी बनाते है जिसके कारण यहां पानी की बहुत समस्या होती थी जनता की लगातार मांग को देखते हुए 5000 लीटर पानी की टंकी की स्थापना की गई है जिसको लेकर सभी जनप्रतिनिधि भी मांग करते रहे है चुकी पूर्व से भी यहां पर वाटर कूलर एवं छोटी पानी की टंकी भी लगी हुई थी किन्तु उसका पानी भी पर्याप्त नही हो पाता था पानी की टंकी का उदघाटन नगर परिषद अध्यक्ष चतुर सिंह लोधी एवं उपाध्यक्ष जगदीश दाहिया द्वारा किया गया पूर्व उपाध्यक्ष किशोर दुबे हीरेन्द्र प्रताप सिंह, आशीष जैन, पार्षद रमेश यादव लक्ष्मण यादव नगर परिषद मुख नगर परिषद अधिकारी विक्रम सिंह झारिया, निधि परोहा, ओभी मुखर्जी, विजय कोरी, रिंकू सेन आदि कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

रक्तदान शिविर का कार्यक्रम आयोजित

भेड़ाघाट। अखिल भारतीय लोधी क्षत्रिय महिला महासभा-जबलपुर (मध्य प्रदेश)के तत्वावधान में लोधी भवन परिसर, रामपुर, जबलपुर में बुंदेलखंड क्षेत्र के अंतर्गत शिक्षा की अभूतपूर्व अलख जगाने वाले पुरोधा, समाज सुधारक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, भूतपूर्व संसद सदस्य परम पूज्य ब्रम्हलीन संत शिरोमणि ब्रम्हानंद जी की जयंती उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का सफल आयोजन मातृशक्ति द्वारा किया गया, उक्त अवसर पर नगर परिषद-भेड़ाघाट,अध्यक्ष चतुर सिंह लोधी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर स्वयं ने भी सहर्ष रक्तदान किया ,विशिष्ट अतिथि के रूप में विजय सिंह लोधी, उपाध्यक्ष-जिला युवा लोधी क्षत्रिय महापरिषद उपस्थित हुए तथा उक्त शिविर के दौरान प्रबंधन में श्रींमति एस. सुलाखे की महिला मंडली महती ने भूमिका निभाई है ,जो सराहनीय कार्य किया गया अन्य महिलाओं की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही।

2 सड़क दुर्घटनाओं में 4 घायल शहपुरा और बरेला में हादसे

जबलपुर। शहपुरा और बरेला में सड़क दुर्घटना की दो मामलें प्रकाश में आए हैं। शहपुरा में एक हाईवा ने एक बुलेरो में सामने से टक्कर मार दी, जिससे बुलेरो वाहन क्षतिग्रस्त हो गया और दो युवक घायल हो गए। वहीं बरेला में टोल नाके के आगे रोड पर एक लोडिंग वाहन ने दो भाईयों को टक्कर मार दी, जिससे दोनों घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शहपुरा पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार सहजपुर निवासी 48 वर्षीय राजेश कुमार जैन गत रात अपनी बुलेरो क्रमांक एमपी 20 सीई 9833 से शेख अमित एवं राकेश जैन के साथ करकबेल के पास मटर की गाडी फेल हो जाने के कारण लेबर लेकर जा रहे थे, रात्रि 11 बजे टेढ चौकी के पहले शहपुरा के पास पहुंचे तभी गोटेगॉव की ओर से आ रहा हाईवा क्रमांक एमपी 20 एचबी 8155 के चालक ने तेज गति से चलाते हुये उसकी बुलेरो में सामने से टक्कर मारते हुए एक खेत में हाईवा घुस गया, टक्कर से बुलेरो क्षतिग्रस्त हो गयी, राजेश कुमार जैन एवं राकेश जैन को हाथ, चेहरे में चोटे आ गयी। इसी तरह बरेला में गंगा सागर गढ़ा निवासी 33 वर्षीय हरीश परस्ते अपने चचेरे भाई श्याम सिंह के साथ गत दिवस रिश्तेदारी मे बरेला से जन्म दिन कार्यक्रम से लौट रहा था, टोल नाके के आगे रोड पर काम चलने की वजह से डायवर्सन होने के कारण अपनी मोटर सायकिल खड़ी कर रूका तभी लोडिंग वाहन एमपी 20 जीबी 5378 के चालक ने तेज गति से चलाते हुए रोड किनारे खड़े उसके बड़े भाई श्याम सिंह को टक्कर मारते हुये उसके पैर पर चका चढाते हुये भाग गया।

फांसी लगाकर की आत्महत्या

जबलपुर। पाटन थाना अतंर्गत ग्राम खमदेही में एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या का कारण अज्ञात है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। पाटन पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम खमदेही निवासी 55 वर्षीय रामकिशन पचौरी ने गत दोपहर लगभग 2.30 बजे अपने घर के अंदर वालें कमरे की छत में लगे हुक में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके साले पुष्पराज भुर्रक ने हंसिया से फंदा काटकर शव नीचे उतारा। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

पूर्णायु आयुर्वेद विद्यापीठ में बीएएमएस पंचम बैच का आयुर्प्रवेशिका समारोह संपन्न

जबलपुर

दयोदयतीर्थ, तिलवाराघाट स्थित पूर्णायु आयुर्वेद चिकित्सालय एवं अनुसंधान विद्यापीठ (बालिका) में बीएएमएस पंचम बैच (सत्र 2025–26) का आयुर्प्रवेशिका समारोह उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आचार्यश्री 108 समयसागर जी महाराज के सानिध्य तथा महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' और अखिलेश जैन के मुख्य अतिथि रूप में उपस्थित होने से आयोजन की गरिमा बढ़ी। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को संस्थान के विभिन्न शैक्षणिक व चिकित्सकीय अनुभागों का परिचयात्मक भ्रमण कराया गया। मध्यप्रदेश की पहली और देश की 70वीं एनाटोमेज डिजिटल डिसेक्शन मशीन का लोकार्पण किया गया। साथ ही योग्या स्किल लैब और भाषा प्रयोगशाला का भी उद्घाटन हुआ। प्राचार्य वैद्य स्वप्निल सिंघई ने आयुर्वेद के महत्व पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ छात्राओं के अनुभव-वाचन, 'पूर्णायु स्वास्थ्य पत्रिका' के तृतीय संस्करण का विमोचन, व्हाइट कोट सेरेमनी और वेलकम किट वितरण कार्यक्रम के विशेष आकर्षण रहे। समारोह का समापन आशीर्वचन, अभिभावक संवाद और धन्यवाद-ज्ञापन के साथ हुआ। अतिथियों ने आयोजन एवं छात्राओं की प्रतिभा की सराहना की।

राजीव गांधी नगर और अम्बेडकर नगर रामपुर के परिवारों के आवास सुरक्षित, विधिक प्रक्रिया पूरी

जबलपुर।

राजीव गांधी नगर और अम्बेडकर नगर रामपुर के लगभग 120 परिवारों को 1971 के पब्लिक प्रिमाइसेज़ (Eviction of Unauthorized Occupants) Act की धारा 5-B के तहत आवासीय भवन ध्वस्त करने के नोटिस जारी किए गए थे। विधायक अशोक रोहाणी के निर्देशन में वरिष्ठ अधिवक्ता रामदास शर्मा एवं द्वारका वर्मा के मार्गदर्शन में अधिवक्ता चैतन्य चंसोरिया ने विधिसम्मत और विस्तृत उत्तर तैयार किया। इस कार्य में पूर्व पार्षद सुन्दर अग्रवाल, अमित अग्रवाल, डॉ ऋषि बावरिया और प्रकाश राय की भी अहम भूमिका रही। इस पहल से निर्धन एवं पिछड़े वर्ग के निवासियों के वैध अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई है और उनके आवासीय भवनों को संरक्षित रखने के लिए सभी विधिक प्रक्रियाओं का पालन किया गया। उत्तर को संबंधित प्राधिकरण के समक्ष विधिपूर्वक प्रस्तुत किया जा रहा है।

चाकू लेकर घूम रहे 2 युवक पुलिस के हाथ लगे

जबलपुर।

कोतवाली थाना अतंर्गत राधा कृष्ण गोपाल सदन हनुमान मंदिर के पास और गोपाल बाग तलैया में चाकू रखे घूम रहे दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके पास से दो चाकू जब्त की है।

कोतवाली पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार को पुलिस पैट्रोलिंग के दौरान राधा कृष्ण गोपाल सदन हनुमान मंदिर के पास चाकू लेकर घूम रहे अग्रवाल बारातघर के सामने चेरीताल निवासी 22 वर्षीय नमन दीक्षित को गिरफ्तार कर उसके पास से एक तलवारनुमा चाकू जब्त किया हैं। इसी प्रकार गोपाल बाग तलैया के पास गुजराती कालोनी चेरीताल निवासी 19 वर्षीय उत्कर्ष पटेरिया को गिरफ्तार कर उसके पास से मछलीनुमा चाकू जब्त किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही की गयी।

शहीद चन्द्रशेखर आजाद वार्ड में 80 लाख से बनेगी स्मार्ट सड़क, विधायक रोहाणी ने किया भूमिपूजन

जबलपुर। कैंट विधानसभा क्षेत्र के शहीद चन्द्रशेखर आजाद वार्ड में कुमार किराना से सेंट गेब्रियल स्कूल होते हुए घोषाल कॉम्प्लेक्स तक बनने वाली स्मार्ट सड़क का भूमिपूजन स्थानीय विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी ने किया। लगभग 80 लाख रुपये की लागत से बनने वाली इस सड़क में चौड़ीकरण, दोनों ओर पेवर ब्लॉक, सुंदर लैंप पोस्ट तथा नई विद्युत व्यवस्था के लिए पोल लगाए जाएंगे। कार्यक्रम में वार्ड पार्षद दामोदर सोनी, मंडल अध्यक्ष पुष्पराज सिंह सेंगर, पार्षद निशांत झरिया सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता और क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

इमरती तालाब में वृहद स्वच्छता अभियान, नागरिकों को किया गया जागरूक

जबलपुर। नगर निगम की टीम ने निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के निर्देश पर संभाग क्रमांक 02 में स्थित इमरती तालाब जलाशय में वृहद स्वच्छता एवं जनजागरूकता अभियान चलाया। अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान, उपायुक्त स्वास्थ्य संभव अयाची और सहायक यंत्री अभिनव मिश्रा ने बताया कि "स्वच्छ रहेंगे जलाशय हमारे" अभियान के तहत लोगों को तालाबों में कचरा, प्लास्टिक और गंदा पानी न डालने के लिए जागरूक किया गया। रहवासियों, दुकानदारों और राहगीरों को जलाशयों की स्वच्छता, डस्टबिन के उपयोग और जल संरचनाओं के संरक्षण के महत्व की जानकारी दी गई। टीम ने नागरिकों से घर का कचरा तथा किसी भी तरह का पानी तालाब में न छोड़ने का अनुरोध भी किया।

श्री संदीप सोनी– बरेला वार्ड नंबर दस निवासीस्वर्गीय शिव प्रसाद सोनी के पुत्र, संजय सोनी के भाई संदीप सोनी का बुधवार को निधन हो गया। अंतिम यात्रा निज निवास वार्ड क्रमांक 10 से आज 11 दिसंबर प्रातः 10 बजे बी टी आई मुक्ति धाम प्रस्थान करेगी।

श्रीमती शकुंतला चौधरी– काजरवारा निवासी समाजसेविक सूरज प्रसाद चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती शकुंतला चौधरी 65 वर्ष निधन हो गया। अंतिम संस्कार काजरवारा मुक्तिधाम में किया गया।

श्री रघुवंश भारती– वैशाली परिसर गौरीघाट रोड निवासी श्री रघुवंश भारती (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती चतवंत कौर कपूर– गोरखपुर पुराने पोस्ट आफिस के पास निवासी श्री चरंजीत सिंह कपूर की धर्मपत्नी श्रीमती चतवंत कौर कपूर (95) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री प्रदीप प्रधान– शारदा नगर व्हीकल रोड रांझी निवासी श्री प्रदीप प्रधान (69) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती श्यामा उपाध्याय– खेरमाई गेट नं. 1 के सामने निवासी श्री रमेश कुमार उपाध्याय की धर्मपत्नी श्रीमती श्यामा उपाध्याय (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री प्रकाश यादव– अमखेरा गोहलपुर निवासी श्री कीर्तन यादव के पुत्र श्री प्रकाश यादव (36) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रमेश कुमार– सुदामा नगर आमनपुर मदनमहल निवासी श्री रमेश कुमार (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री पुरूषोत्तम नामदेव– मांडवा हाउसिंग सोसायटी के पास रामपुर निवासी श्री पुरूषोत्तम नामदेव (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री जवाहर यादव– सिद्धबाबा वार्ड पटेल मोहल्ला निवासी श्री जवाहर यादव (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती गीता साहू– बिलहरी काली मंदिर के पास निवासी श्री अनिल साहू की धर्मपत्नी श्रीमती गीता साहू (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री गनेश सेन– भानतलैया बकरा मार्केट निवासी श्री सत्य नारायण सेन के पुत्र श्री गनेश सेन (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती चंदा बाई– बादशाह हलवाई मंदिर के पास पोलीपाथर निवासी श्री श्याम लाल की धर्मपत्नी श्रीमती चंदा बाई (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सकू देवी– वृंदावन नगर मदर टेरेसा नगर कटंगी रोड निवासी श्री लक्ष्मण राव की धर्मपत्नी श्रीमती सकू देवी (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती सावित्री स्वामी– सुदामा नगर आमनपुर मदनमहल निवासी श्री वेंकट स्वामी की धर्मपत्नी श्रीमती सावित्री स्वामी (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मत्ती देवी– इंद्रा नगर गुप्तेश्वर निवासी श्री सेचूराम की धर्मपत्नी श्रीमती मत्ती देवी (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री नंद बहादुर– कांचघर झंडा चौक निवासी श्री देवी बहादुर के पुत्र श्री नंद बहादुर (41) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कैलाशी धगट– दया नगर यादव कॉलोनी निवासी श्री नरेंद्र धगट की धर्मपत्नी श्रीमती कैलाशी धगट (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

मास्टर हरिलाल बेन– रतन नगर इंदिरा बस्ती गौराव तालबाब जबलपुर निवासी मास्टर हरिलाल बेन का निधन हो गया। आप मनोज कुमार बेन, विनोद बेन के पिताजी थे। अंतिम यात्रा आज उनके निज निवास से दोपहर 12 बजे गुप्तेश्वर मुक्तिधाम के लिये प्रस्थान करेगी।

पांच औद्योगिक इकाइयों को मंजूरी, जेके सीमेंट के साथ 1850 करोड़ का विस्तार

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

राज्य में निवेश संवर्धन और रोजगार सृजन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खजुराहो में निवेश संवर्धन पर मंत्रि-परिषद समिति की अहम बैठक ली। बैठक में 5 औद्योगिक इकाइयों के निवेश प्रकरणों को मंजूरी दी गई। साथ ही प्रदेश के जिलों में प्रस्तावित औद्योगिक परियोजनाओं को दी जाने वाली वित्तीय सुविधाओं के संबंध में अहम निर्णय लिए गए। बैठक में जेके सीमेंट कंपनी के निवेश प्रकरण पर चर्चा हुई।

कंपनी वर्तमान में पन्ना जिले में 2600 करोड़ रुपए के इंटीग्रेटेड क्लिंकर और सीमेंट प्रोडक्शन प्रोजेक्ट पर काम कर रही है और 6 हजार से अधिक लोगों को रोजगार भी दे रही है। जेके सीमेंट भविष्य में 1850 करोड़ रूपए से अधिक के अतिरिक्त निवेश से यूनिट का विस्तार कर रही है, जिससे 800 लोगों को रोजगार मिलेगा। बैठक में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, एमएसएमई मंत्री चैतन्य काश्यप, कौशल विकास एवं रोजगार राज्यमंत्री गौतम टेटवाल, संस्कृति-पर्यटन-धार्मिक न्यास और धर्मस्व राज्यमंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, मुख्य सचिव अनुराग जैन सहित प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

1 मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई निवेश संवर्धन पर मंत्रि-परिषद समिति की बैठक

2 औद्योगिक परियोजनाओं को दी जाने वाली वित्तीय सुविधाओं को लेकर हुए अहम निर्णय

खजुराहो में सीएम डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक के बाद मंत्रिमंडल समूह।

फार्मा, डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक सेक्टर में बड़ा निवेश

बैठक में फार्मा क्षेत्र में फार्मूलेशन-एपीआई और बल्क ड्रग प्रोडक्शन करने वाली अल्केम लैबोरेट्रीज कंपनी ने मुंबई में हुए रोड-शो के दौरान 500 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश की इच्छा जताई थी। कंपनी ने उज्जैन के विक्रम उद्योगपुरी में टैबलेट, कैप्सूल, ड्राई सिरप और ड्राई पाऊडर इंजेक्शन के निर्माण के लिए यूनिट का प्रस्ताव दिया है। इससे 500 लोगों को रोजगार मिलेगा। राज्य में डिजिटल अवसंरचना, क्लाउड सेवाओं तथा डेटा-आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने मेसर्स कंट्रोल एस डेटा सेंटर लिमिटेड द्वारा बड़वई आईटी पार्क, भोपाल में लगभग 500.20 करोड़ के निवेश से डेटा सेंटर सुविधा विकसित की जा रही है। परियोजना से प्रदेश में लगभग 870 प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार अवसरों का सृजन होगा।

ग्वालियर में लगाई जाएगी सीसीएल मैन्युफेक्चरिंग यूनिट

राज्य में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, ईएसडीएम सेक्टर को प्रोत्साहन प्रदान करने एवं स्थानीय उत्पादन क्षमताओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से केदारा इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा ग्वालियर, मध्यप्रदेश में लगभग 327.10 करोड़ रुपए के निवेश सेकॉपर क्लैड लैमिनेट निर्माण इकाई स्थापित किए जाने का प्रस्ताव रखा गया। परियोजना से राज्य में लगभग 220 प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार अवसर उपलब्ध होंगे। अहमदाबाद की इस्कॉन बालाजी फूड्स ने उज्जैन की विक्रम उद्योगपुरी में 110 करोड़ रूपए के निवेश से यूनिट स्थापित कर उत्पादन शुरू कर दिया है। इससे 350 लोगों को रोजगार मिला है। बैठक में मंत्री मंडलीय समिति ने सभी औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के प्रस्ताव पर अनुमोदन दिया।

प्रदेश के 11 जिलों में 12 स्वास्थ्य संस्थाओं के उन्नयन और 348 पदों की स्वीकृति

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व नौरादेही को चीतों के रहवास के लिए विकसित करने की सैद्धांतिक मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कैबिनेट ने सागर में वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व नौरादेही को चीतों के तीसरे रहवास के रूप में विकसित करने के लिए सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की है। सितंबर 2022 में कूनो राष्ट्रीय उद्यान श्योपुर में पहला और अप्रैल 2025 में गांधी सागर अभयारण्य मंदसौर में दूसरा चीता रहवास शुरू किया गया है।

कूनो राष्ट्रीय उद्यान श्योपुर में 28 और गांधी सागर अभयारण्य मंदसौर 2 चीतों का रहवास है। इसके अतिरिक्त जनवरी 2026 में बोत्सवाना से 8 चीते कूनो में पहुंचना संभावित है।

अग्निशमन सेवाओं के विस्तार, आधुनिकीकरण के लिए 397.54 करोड़ रुपए की स्वीकृति

पिछड़ा वर्ग के 600 युवाओं को 2 वर्ष में रोजगार के लिए जापान और जर्मनी भेजने का निर्णय

कैबिनेट बैठक में मंत्रिगण से प्रस्तावों पर चर्चा करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

हनुमना का अस्पताल 50 बिस्तरीय सिविल अस्पतालों में होगा अपग्रेड, 345 नियमित और 3 संविदा पदों के सृजन को मंजूरी

पन्ना के अजयगढ़, खरगौन के महेश्वर, सिंगरौली के देवसर और रीवा के हनुमना स्थित 30 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को 50 बिस्तरीय सिविल अस्पतालों में अपग्रेड किया जाएगा। बड़े उन्नयन कार्यों में बैतूल के भीमपुर, सिंगरौली के चितरंगी और अनूपपुर के कोतमा स्थित 30 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को 100 बिस्तरीय सिविल अस्पतालों में बदलना शामिल है। साथ ही, सागर जिले के बीना स्थित 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल का उन्नयन कर उसे 100 बिस्तरीय किया जाएगा। संस्थाओं के संचालन के लिए कैबिनेट ने 345 नियमित और 3 संविदा पदों के सृजन को मंजूरी दी है। साथ ही 136 व्यक्तियों को आउटसोर्सिंग के माध्यम से रखने की स्वीकृति भी दी गई है। इस पूरी प्रक्रिया 27 करोड़ 17 लाख रुपए का वार्षिक व्यय किया जाएगा।

दमोह के तेंदूखेड़ा में 165 करोड़ से अधिक की झापन नाला परियोजना को मंजूरी

कैबिनेट की बैठक में दमोह जिले की तेंदूखेड़ा तहसील की झापन नाला मध्यम सिंचाई परियोजना के लिए 165 करोड़ 6 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। परियोजना के तहत तेंदूखेड़ा तहसील के 17 ग्रामों का कुल 3600 हेक्टेयर क्षेत्र सिंचित होगा।

600 युवाओं को 2 वर्ष में रोजगार के लिए जापान और जर्मनी भेजने का निर्णय

कैबिनेट की बैठक में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की विभागीय योजनान्तर्गत, अन्य पिछड़ा वर्ग के 600 युवाओं को दो वर्षों में रोजगार उपलब्ध कराने के लिए सोशल इंपैक्ट बांड (एसआईबी) वित्तीय उपकरण का प्रयोग कर जापान एवं जर्मनी भेजे जाने के लिए प्रस्तुत परियोजना प्रस्ताव की स्वीकृति प्रदान की गई।

आधुनिकीकरण के लिए 397.54 करोड़ रुपए की स्वीकृति

कैबिनेट की बैठक में 15 वें वित्त आयोग की अनुशंसानुसार प्रदेश में अग्निशमन सेवाओं के विस्तार और आधुनिकीकरण के लिए 397 करोड़ 54 लाख रुपए की कार्य योजना की स्वीकृति प्रदान की गई। कार्ययोजना की वित्तीय लागत में 75% केंद्रांश राशि 297 करोड़ 15 लाख रुपये और 25% राज्यांश राशि 100 करोड़ 38 लाख 50 हजार रुपए होगा।

बुंदेलखंड क्षेत्र में कृषि, खनिज, व्यापार गतिविधियों को गति मिलेगी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में सागर-दमोह मार्ग (76.680 किमी) को 2-लेन से 4-लेन मय पेव्हड शोल्डर में उन्नत करने की 2059.85 करोड़ की परियोजना को एचएएम के तहत स्वीकृति दी गई। इसमें 40 % राशि मप्र सड़क विकास निगम की ओर से और शेष 60% राशि राज्य बजट से 15 वर्ष तक 6-माही एन्यूटी के रूप में वहन की जाएगी। यह महत्वपूर्ण मार्ग सागर और दमोह को जोड़ते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग-44 और राष्ट्रीय राजमार्ग-34 से कनेक्टिविटी बढ़ाएगा। उन्नयन से बुंदेलखंड क्षेत्र में कृषि, खनिज, व्यापार और पर्यटन गतिविधियों को मजबूत गति मिलेगी। परियोजना में 13 अंडरपास, 3 वृहद पुल, 9 मध्यम पुल, 1 आरओबी, 13 बड़े और 42 मध्यम जंक्शन का निर्माण, तथा परसोरिया, गढ़ाकोटा, रोन और बान्सा में 4 बायपास शामिल हैं।

17,000 पीसीयू की संभावना को देखते हुए 4-लेन निर्माण

मौजूदा समय में 10,300 पीसीयू के यातायात दबाव और भविष्य में 17,000 पीसीयू की संभावना को देखते हुए 4-लेन निर्माण जरूरी है। यह मार्ग 'विंध्य विकास पथ' का हिस्सा है, जिससे कटनी दिशा में भविष्य का 4-लेन कॉरिडोर भी सुदृढ़ होगा। मार्ग के उन्नयन से यात्रा समय में कमी, दुर्घटनाओं में गिरावट, ईंधन की बचत और परिवहन तंत्र में व्यापक सुधार होगा। क्षेत्र की उपजाऊ कृषि भूमि, दमोह के खनिज संसाधनों और कुंडलपुर सहित पर्यटन स्थलों को भी बड़ा लाभ मिलेगा। यह परियोजना बुंदेलखंड विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है।

विधायकों से होगा संवाद, जारी होगा नोटिफिकेशन

एमपी विधानसभा के इतिहास पर विशेष चर्चा 17-18 को

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश विधानसभा का एक दिन का विशेष सत्र बुलाया जा सकता है, यह सत्र 17 दिसंबर के दिन आयोजित हो सकता है, जिसमें मध्य प्रदेश के विकास रोड मैप पर चर्चा होगी। हालांकि बताया जा रहा है कि विधानसभा के विशेष सत्र की अधिसूचना जारी नहीं की जाएगी। यह सत्र इस इसलिए भी आयोजित किया जा सकता है, क्योंकि 17 दिसंबर 1956 में एमपी विधानसभा की पहली बैठक हुई थी।

ऐसे में 17 दिसंबर को सत्र जारी किया जाएगा, जिसमें एमपी विधानसभा के इतिहास पर भी विशेष चर्चा की जा जाएगी। बताया जा रहा है कि 17 दिसंबर को होने वाले सत्र में राज्य की नीतिगत दिशा को एक बार फिर से परिभाषित करने का मौका जिसमें 'आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश' का विजन पर चर्चा होगी, इसके अलावा विधायक-सरकार के बीच प्रत्यक्ष संवाद, जिसमें विकास, निवेश, रोजगार जैसे अहम मुद्दों पर सार्थक बहस. ऐतिहासिक अवसर विधानसभा का गठन दिवस, 17 दिसंबर, के साथ जुड़ा यह सत्र प्रतीकात्मक भी होगा। इसलिए इस सत्र में इन सब मुद्दों पर चर्चा होगी।

विशेष सत्र बुलाएंगे

मध्य प्रदेश का वर्तमान स्वरूप 1 नवंबर 1956 को राज्य पुनर्गठन के बाद अस्तित्व में आया था, इसके कुछ ही सप्ताह बाद, विधानसभा का पहला अधिवेशन 17 दिसंबर 1956 को आयोजित किया गया। यही सत्र राज्य की एकीकृत विधान प्रक्रिया की शुरूआत का आधार बना और आगे की विधायी यात्रा का मार्ग तय किया था। पिछले साल 17 दिसंबर 2024 को विधानसभा ने अपनी 68वीं वर्षगांठ मनाई थी, जहां सदन में पहले सत्र की ऐतिहासिक यादें भी साझा की गई थीं। इस दिन का संवैधानिक और ऐतिहासिक महत्व ही इस साल प्रस्तावित विशेष सत्र को और अधिक विशेष बनाता है। ऐसे में इस बार भी विधानसभा का स्पेशल सत्र बुलाया जाएगा, जिसमें विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर विशेष चर्चा कराएंगे। सत्र में सभी सीनियर विधायक शामिल हो सकते हैं।

राहुल गांधी को नोटिस जारी करने का आदेश

भोपाल। एमपी एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी तथागत याग्निक ने केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के पुत्र कार्तिकेय सिंह चौहान की मानहानि के मामले में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को नोटिस जारी किए जाने के आदेश दिए हैं। अगली सुनवाई तारीख 3 फरवरी 2026 को राहुल गांधी को न्यायालय में उपस्थित होने के आदेश दिए हैं। एमपी एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी तथागत याग्निक ने इससे पहले भी राहुल गांधी को 27 फरवरी और 9 मई को नोटिस जारी किए थे।

मुख्यमंत्री साय की उपस्थिति में हुआ आयोजन

छत्तीसगढ़ के छह विश्वविद्यालयों में लागू होगा रक्षक पाठ्यक्रम, हुआ एमओयू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग एवं प्रदेश के छह विश्वविद्यालयों के मध्य रक्षक पाठ्यक्रम के लिए एमओयू संपन्न हुआ। बाल अधिकार एवं संरक्षण पर आधारित यह अनूठा पाठ्यक्रम देश में अपनी तरह का पहला शैक्षणिक नवाचार है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि रक्षक पाठ्यक्रम छात्रों के सुरक्षित और जिम्मेदार भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह पाठ्यक्रम युवाओं को न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करेगा, बल्कि बाल अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में आवश्यक विशेषज्ञता भी विकसित करेगा। उन्होंने कहा कि कई बार बच्चे भूलवश या भ्रमित होकर गलत दिशा में चले जाते हैं, क्योंकि वे अबोध होते हैं। ऐसे बच्चों को सही मार्ग पर लाना हम सभी का सामूहिक दायित्व है।

सीएम बोले, छत्तीसगढ़ सुशासन के मार्ग पर तेजी से अग्रसर

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पिछले दो वर्षों में राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी के अधिकांश वादों को पूरा कर लिया है। किसानों के बकाया बोनस, महिलाओं के लिए महतारी वंदन योजना और सबके लिए आवास जैसे महत्वपूर्ण संकल्पों को साकार किया गया है। 350 से अधिक प्रशासनिक सुधार लागू कर छत्तीसगढ़ सुशासन के मार्ग पर तेजी से अग्रसर है और इसी उद्देश्य से सुशासन एवं अभिसरण विभाग की स्थापना भी की गई है। मुख्यमंत्री साय ने रक्षक पाठ्यक्रम को रिकॉर्ड समय में तैयार करने और विश्वविद्यालयों में इसे लागू करने के लिए आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा और उनकी पूरी टीम को बधाई दी।

क्या है रक्षक पाठ्यक्रम?

प्रदेश के किसी भी विश्वविद्यालय में अब तक ऐसा पाठ्यक्रम उपलब्ध नहीं था, जो युवाओं को बाल अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में प्रशिक्षित करते हुए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए। इस आवश्यकता को देखते हुए आयोग द्वारा रक्षक–बाल अधिकार संरक्षण पर एक वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को विकसित किया गया है।

इन छह विश्वविद्यालयों में पाठ्यक्रम होगा लागू

उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा ने पाठ्यक्रम को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने आयोग और सभी छह विश्वविद्यालयों को पाठ्यक्रम लागू करने के लिए बधाई दी। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर, आंजनेय विश्वविद्यालय, रायपुर, एमिटी विश्वविद्यालय, रायपुर और श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, भिलाई-दुर्ग में प्रारंभ होगा। इस पाठ्यक्रम से युवाओं को सैद्धांतिक एवं विधिक ज्ञान, विभागीय योजनाओं, संस्थाओं और प्रायोगिक प्रक्रियाओं की गहरी समझ, बाल संरक्षण इकाइयों आदि के संबंध में जानकारी उपलब्ध होगी। संवेदनशीलता, जागरूकता और बाल अधिकारों की आत्मिक समझ विकसित करने वाला यह पाठ्यक्रम युवाओं को इस क्षेत्र में कुशल, समर्पित और प्रभावी मानव संसाधन के रूप में तैयार करेगा। आयोग द्वारा पाठ्यक्रम के संचालन, प्रशिक्षण, परामर्श और मार्गदर्शन की संपूर्ण सुविधा विश्वविद्यालयों को निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।

मॉडल सोलर विलेज के रूप में विकसित होंगे छत्तीसगढ़ के 10 गांव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए अब ग्रामीण क्षेत्रों में जोर दिया जा रहा है। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत जिले में चुनिंदा गांवों को मॉडल सोलर विलेज के रूप में विकसित किया जाएगा। इस दिशा में जिला प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है।

मॉडल सोलर विलेज के लिए पांच हजार से अधिक आबादी वाले राजस्व ग्रामों का चयन किया जाना अनिवार्य है। इस हिसाब से जिले के जिल के लगभग 10 गांव मॉडल सोलर विलेज के रूप में विकसित किए जाएंगे। निर्धारित मानकों के मुताबिक, वह ग्राम प्राथमिकता पाएगा जिसमें गैर-सरकारी माध्यमों से सर्वाधिक सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित की जाएगी। इसी आधार पर अंतिम चयन किया जाएगा। अधिक आबादी वाले गांवों की सूची तैयार की जा रही है। मूल्यांकन क्रेडा के अधिकारियों ने बताया कि प्रत्येक ग्राम का जरूरतों के अनुसार सामुदायिक सौर संयंत्रों के प्रस्ताव तैयार कर जिला स्तर पर प्रस्तुत किया जाएगा। छह माह की अवधि पूर्ण होने पर जिला स्तरीय समिति द्वारा सभी ग्रामों का मूल्यांकन किया जाएगा। यह मूल्यांकन ग्रामीणों द्वारा स्थापित सौर संयंत्रों की संख्या, उपलब्ध ऊर्जा सुविधाओं और सौर संसाधनों के उपयोग की आधारशिला पर किया जाएगा।

खुद को डॉक्टर बता शादी वेबसाइट पर की दोस्ती

ब्लैकमेल कर महिला कॉन्स्टेबल से 4 लाख रुपए वसूल लिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एक महिला कॉन्स्टेबल को शादी डॉट कॉम के जरिए ठगने और ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। खुद को डॉक्टर बताने वाले आरोपी ने महिला कॉन्स्टेबल को पहले विश्वास में लिया, फिर उसकी फोटो एडिट कर अश्लील तस्वीर में बदलकर वायरल करने की धमकी देने लगा। आरोपी ने महिला कॉन्स्टेबल को डराकर 4 लाख रुपए वसूली कर लिए।

रायपुर में दुष्कर्म का प्रयास

पीड़ित महिला कॉन्स्टेबल ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया है कि आरोपी रायपुर आया था और इसी दौरान उसने उसके साथ दुष्कर्म करने का प्रयास भी किया। विरोध करने पर आरोपी ने उसके साथ बदसलूकी की। पीड़ित महिला कॉन्स्टेबल के अनुसार इसके बाद जब दोनों के बीच संबंध बिगड़ गया तो आरोपी ने उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया।

शादी वेबसाइट पर हुई थी आरोपी से हचान, महिला को झांसे में लिया

जानकारी के अनुसार पीड़िता महिला कॉन्स्टेबल की जान-पहचान आरोपी से शादी डॉट कॉम पर हुई थी। आरोपी ने स्वयं को दिल्ली का डॉक्टर बताकर महिला को झांसे में लिया। इसके बाद दोनों के बीच फोन पर लगातार बातचीत होने लगी। आरोपी ने महिला कॉन्स्टेबल को अपने भरोसे में लेने के लिए अच्छी-अच्छी बातें की। कुछ दिनों के बाद महिला कॉन्स्टेबल उसके भरोसे में आ गई। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने महिला कॉन्स्टेबल की तस्वीरों को एडिट कर उन्हें अश्लील फोटो में बदल दिया। इसके बाद वह उन्हें वायरल करने की लगातार धमकी देने लगा। आरोपी ने महिला कॉन्स्टेबल को मानसिक रूप से इतना प्रताड़ित कर दिया कि वह पैसे की उसकी मांग मान गई।

डॉ. यादव ने लाड़ली बहना सम्मेलन में छतरपुर को दी सौगातें

मुख्यमंत्री ने राजनगर में 510 करोड़ लागत के 29 विकास कार्यों का किया भूमिपूजन और लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बुंदेलखंड हीरों और महावीरों की धरती है। यह मंदिरों की नगरी है। उन्होंने कहा कि महाराज छत्रसाल के कार्य काल में बुंदेलखंड की महाविजय होती थी। मुख्यमंत्री ने महाराजा छत्रसाल के शौर्य को नमन किया।

उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड के गौरव महाराज छत्रसाल की प्रतिमा और सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा का खजुराहो में अनावरण किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव छतरपुर के राजनगर में लाड़ली बहना सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बुंदेलखंड के चहुंमुखी विकास के लिए 270 करोड़ लागत के 9 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और 240 करोड़ लागत के 20 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इनमें 2 सांदीपनि विद्यालय और स्वास्थ्य संस्थान शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि खजुराहो में बड़ा कन्वेंशन सेंटर और फाइव स्टार होटल बनाया जाएगा। राजनगर में राजगढ़ पैलेस की सौगात मिल रही है। इससे पर्यटन क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। बुंदेलखंड के दमोह, छतरपुर, पन्ना और कटनी में 4 मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाएंगे। केन-बेतवा लिंक परियोजना से क्षेत्र के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध होगा। फोर लाइन सड़क की सौगात दमोह-सागर को मिलने जा रही है।

जनता का अभिवादन करते सीएम। प्रदर्शनी में उत्पाद की जानकारी लेते डॉ. यादव व सांसद शर्मा।

सागर में नया इंडस्टियल पार्क विकसित किया जाएगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सागर में नया इंडस्ट्रियल पार्क विकसित किया जाएगा। इससे 30 हजार से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री ने राजनगर में आयोजित लाड़ली बहना सम्मेलन में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण भी किया। खजुराहो सांसद वीडी शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुंदेलखंड के चहुंमुखी विकास में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। सरकार जो कहती है करके दिखाती है। सरकार ने लाड़ली बहनों के खातों में प्रतिमाह 3000 रुपए भेजने का संकल्प लिया था, जिसे धीरे-धीरे पूरा करने की ओर आगे बढ़ रहे हैं। राजनगर विधायक अरविंद पटेरिया ने कहा कि बुंदेलखंड में 'डेस्टिनेशन कैबिनेट' कर मुख्यमंत्री ने अनुपम सौगात दी है। पिछले 2 वर्षों में खजुराहो में विकास से संबंधित महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं।

किआ ने पेश किया लोकप्रिय एसयूवी सेल्टोस का नया अवतार

कंपनी ने छह साल पहले इस कार के साथ एंट्री की थी

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

दक्षिण कोरिया कार निर्माता कंपनी किआ ने तकरीबन 6 साल पहले भारतीय बाजार में जिस कार के साथ एंट्री की थी, आज कंपनी ने इसके सेकेंड जेनरेशन मॉडल को लांच किया है। कंपनी ने हैदराबाद में आयोजित एक इवेंट के दौरान अपनी इस मशहूर एसयूवी के नेक्स्ट जेनरेशन मॉडल का ग्लोबल डेब्यू किया है। कंपनी का दावा है कि, नई किआ सेल्टॉस ख़ास तौर पर भारतीय ग्राहकों को ध्यान में रखकर डेवलप की गई है।

- कीमतों का ऐलान 2 जनवरी 2026 को किया जाएगा

24 स्टैंडर्ड सेफ्टी पैक : नई किआ सेल्टॉस में कंपनी 24 स्टैंडर्ड सेफ्टी फीचर्स दे रही है। जिसमें 6 एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक ब्रेकफोर्स डिस्ट्रीब्यूशन के साथ एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम, हिल-स्टार्ट असिस्ट कंट्रोल, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, रोल-ओवर सेंसर्स, सभी पहियों में डिस्क ब्रेक्स, रियर ऑक्यूपेंट अलर्ट जैसे फीचर्स शामिल हैं।

इंजन ऑप्शन

नई किआ सेल्टॉस को कंपनी ने कुल 3 इंजन ऑप्शन में पेश किया है। जिसमें दो पेट्रोल और एक डीजल इंजन का विकल्प मिलेगा। इसमें 1.5 लीटर स्मार्टस्ट्रीम पेट्रोल इंजन (115 पीएस पावर और 144 एनम टॉर्क), 1.5 लीटर टीजीडीआई इंजन (160 पीएस पावर और 253 एनम टॉर्क) और 1.5 लीटर वीजीटी डीजल इंजन (116 पीएस पावर और 220 एनम टॉर्क) दिया गया है।

कीमत, बुकिंग और डिलीवरी

किआ इंडिया ने नई सेल्टॉस की कीमतों का ऐलान अभी नहीं किया है। किआ इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट (सेल्स एंड मार्केटिंग) अतुल सूद ने लांच के दौरान कहा 'नई किआ सेल्टॉस की बुकिंग 11 दिसंबर की मध्यरात्री से शुरु हो जाएंगी। इच्छुक ग्राहक इसे 25,000 रुपए के टोकन अमाउंट के साथ बुक कर सकते हैं। इस एसयूवी की कीमतों का ऐलान आगामी 2 जनवरी 2026 को होगा और महीने के दूसरे सप्ताह के बाद कार की डिलीवरी भी शुरू कर दी जाएगी।'

किआ सेल्टान का एक्सटीरियर

नई किआ सेल्टॉस को लेकर कंपनी का दावा है कि, ये पहले से कहीं ज्यादा बड़ी, बोल्ड और स्पेसियश है। इसके लुक और डिज़ाइन को पिछले मॉडल के मुकाबले ज्यादा मॉडर्न बनाया गया है। इसके फ्रंट में डिजिटल टाइगर फेस, ब्लैक हाई ग्लॉसी ग्रिल, डायनमिक वेलकम फंक्शन के साथ आइस क्यूब एलईडी प्रोजेक्शन हेडलैंप, स्टारमैप एलईडी डे-टाइम-रनिंग लाइट्स और कनेक्टेड टेललैंप दिए गए हैं। इसके अलावा नए डिज़ाइन का अलॉय व्हील इसके साइड प्रोफाइल को बेहतर बनाता है।

अमेरिकी ई-कॉमर्स कंपनी 2030 तक अपने कारोबार में करेगी निवेश

अमेजन भारत में करेगी 35 अरब डॉलर का निवेश, मिलेगी 10 लाख नौकरियों की सौगात

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिकी ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने भारत में 2030 तक अपने सभी व्यवसायों में 35 अरब अमेरिकी डॉलर का भारी निवेश करने की योजना की बुधवार को घोषणा की। कंपनी का मकसद कृत्रिम मेधा (एआई) संचालित डिजिटलीकरण, निर्यात वृद्धि और रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करना है।

अमेजन ने यह घोषणा माइक्रोसॉफ्ट द्वारा भारत में 2030 तक डेटा सेंटर, एआई और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिज्ञा जताने के एक दिन की है। इससे पहले गूगल ने अगले पांच वर्षों में एआई डेटा सेंटर बनाने के लिए 15 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई थी।

लॉजिस्टिक्स जैसे बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ेगा

अमेजन ने कहा कि 2030 तक कृत्रिम मेधा और लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में उसके निवेश से भारत में अतिरिक्त 10 लाख नौकरियां उत्पन्न करने में मदद मिलेगी। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन..वॉलमार्ट समर्थित फ्लिपकार्ट के साथ-साथ अरबपति मुकेश अंबानी की घरेलू कंपनियों और इटर्नल लिमिटेड की ब्लिंक्ट, स्विगी लिमिटेड की इंस्टामार्ट एवं जेप्टो जैसी तुरंत 'डिलीवरी' करने वाली कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करने के लिए निवेश बढ़ा रही है।

- एआई संचालित डिजिटलीकरण और रोजगार सृजन पर करेगी ध्यान केंद्रित
- निवेश से भारत में अतिरिक्त 10 लाख नौकरियां उत्पन्न करने में मिलेगी मदद
- माइक्रोसॉफ्ट भारत में 2030 तक डेटा सेंटर, एआई और क्लाउड में करेगी निवेश

अमेजन भारत में सबसे बड़ा निवेशक

अग्रवाल ने कहा कि कंपनी ने अब तक भारत में 40 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है। सार्वजनिक रूप से उपलब्ध आंकड़ों से संकलित 'कीस्टोन' की एक रिपोर्ट के अनुसार यह भारत में सबसे बड़ा विदेशी निवेशक है। अमेजन ने मई 2023 में तेलंगाना और महाराष्ट्र में अपने स्थानीय क्लाउड एवं एआई बुनियादी ढांचे में 2030 तक भारत में 12.7 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की योजना की घोषणा की।

रोजगार सृजन पर ध्यान होगा केंद्रित

कंपनी ने कहा कि यह निवेश ''रणनीतिक रूप से भारत की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप है और एआई क्षमताओं के विस्तार, लॉजिस्टिक बुनियादी ढांचे को बढ़ाने, छोटे व्यवसायों के विकास का समर्थन करने तथा रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

संभव शिखर सम्मेलन में घोषणा

उभरते बाजारों के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमित अग्रवाल ने 'अमेजन संभव शिखर सम्मेलन' के दौरान कहा, '' लाखों भारतीयों के लिए एआई तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाते हुए हम भारत की वृद्धि के लिए उत्प्रेरक बने रहने को लेकर

कंपनी का भारत से निर्यात 80 अरब डॉलर करने का लक्ष्य

अग्रवाल ने कहा कि कंपनी ने भारत से निर्यात को चौगुना कर 80 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा है जो अभी करीब 20 अरब डॉलर है। साथ ही 2030 तक अतिरिक्त 10 लाख प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष नौकरियां सृजित करने का लक्ष्य रखा है।

अमेजन भारत में 3.7 अरब डॉलर का कर चुकी निवेश

कंपनी 2016 और 2022 के बीच भारत में पहले ही 3.7 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश कर चुकी है। अग्रवाल ने कहा कि कंपनी ने भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए बड़े पैमाने पर निवेश किया है जिसमें पूर्ति केंद्र, परिवहन नेटवर्क, डेटा केंद्र, डिजिटल भुगतान बुनियादी ढांचा एवं

शेयर बाजार में लगातार रही गिरावट से शेयरधारकों में घबराहट

एजेंसी ▶▶| मुंबई

टिकाऊ उपभोक्ता, निजी बैंकों और आईटी शेयरों में बिकवाली के बीच स्थानीय शेयर बाजार के मानक सूचकांक बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 275 अंक गिर गया जबकि निफ्टी में 82 अंक की गिरावट रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 275.01 अंक गिरकर 84,391.27 अंक पर बंद हुआ। यह 11 नवंबर के बाद इसका सबसे निचला स्तर है। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 85,020.34 के ऊपरी और 84,313.62 के निचले स्तर को छुआ। निफ्टी भी अंतिम घंटे की बिकवाली के दबाव में 81.65 अंक गिरकर 25,758 अंक पर बंद हुआ। शुरुआती बढ़त को खत्म कर दिया और सेंसेक्स एवं निफ्टी एक महीने के निचले स्तर पर बंद हुए। जियोजीत इनवेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''भारतीय बाजारों ने वैश्विक सतर्कता का अनुसरण किया। विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली, रुपये की कमजोरी और अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता में अनिश्चितता से धारणा प्रभावित हुई।''एशिया के अन्य बाजारों में चीन का शंघाई कंपोजिट, जापान का निक्केई, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी गिरावट में बंद हुए, जबकि हांगकांग का हैंगसेंग हरे निशान में था।

खबर संक्षेप

एयरपे को सीमापार भुगतान 'एग्रीगेटर' की मंजूरी मिली

मुंबई। एयरपे पेमेंट सर्विसेज को सीमापार भुगतान 'एग्रीगेटर' के रूप में काम करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक से मंजूरी मिल गई है। ऑनलाइन, भौतिक एवं सीमापार श्रेणियों में भुगतान 'एग्रीगेटर' के रूप में काम करने का लाइसेंस मिल गया है। यह उपलब्धि एयरपे को घरेलू एसएमई के लिए एक पूर्ण भुगतान रूप में स्थापित करती है।

विद्या वायर्स का निर्गम 12 फीसदी बढ़कर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। विद्या वायर्स लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 52 के मुकबाले 12 प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ बुधवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य 52 रुपये से 0.25 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 52.13 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। हालांकि, बाद में शेयर में उछाल आया और यह 12.46 प्रतिशत चढ़कर 58.48 रुपये पर पहुंच गया।

रुपया नौ पैसे टूटकर 89.96 डॉलर पर बंद

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुझान और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के बीच रुपया बुधवार को नौ पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.96 (अस्थायी) पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि निवेशक निर्णायक रुख अपनाने से पहले अमेरिकी फेडरल रिजर्व से स्पष्टता की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

मीशो का शेयर 53% अधिक प्रीमियम पर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। सॉफ्टबैंक के समर्थन वाली ई-कॉमर्स कंपनी मीशो का शेयर बुधवार को 111 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 53 प्रतिशत से अधिक के प्रीमियम पर सूचीबद्ध हुआ, जिससे कंपनी का बाजार मूल्यांकन 77,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। एनएसई पर मीशो के शेयर का कारोबार 162.50 रुपये पर शुरू हुआ, जो निर्गम मूल्य से 46.40 प्रतिशत अधिक था।

सेबी ने कार्वी निवेशकों के लिए दावा समय सीमा बढ़ाई

नई दिल्ली। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने दिवालिया घोषित कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग लिमिटेड के निवेशकों के लिए दावे दाखिल करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर मार्च 2026 कर दी है। पहले यह समयसीमा 31 दिसंबर थी। केएसबीएल को 23 नवंबर, 2020 को एनएसई द्वारा दिवालिया घोषित किया गया था।

एक्वस निर्गम मूल्य के मुकाबले 13 फीसदी बढ़कर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद एवं वैमानिकी कलपुर्जों में विशेषज्ञता रखने वाली अनुबंध विनिर्माण कंपनी एक्वस लिमिटेड का शेयर अपने 124 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब 13 प्रतिशत की बढ़त के साथ बुधवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। कंपनी के शेयर ने 12.90 प्रतिशत की बढ़त के साथ 140 रुपये पर शुरुआत की। 22 प्रतिशत की चढ़कर क्रमशः 151.15 रुपये और 151 रुपये प्रति शेयर पर आ गया। बीएसई पर कंपनी का बाजार मूल्यांकन 9,989.56 करोड़ रुपये रहा। एक्वस के 922 करोड़ रुपये के आईपीओ को शुक्रवार को शेयर बिक्री के अंतिम दिन 101.63 गुना अभिदान मिला था।

भारत में डेटा सेंटर की बढ़ती क्षमता से उत्साहित नडेला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सत्य नडेला ने बुधवार को कहा कि वह भारत में अपनी कंपनी की ओर से स्थापित की जा रही डेटा सेंटर क्षमता को लेकर उत्साहित हैं और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ कंपनी की निवेश योजनाओं पर चर्चा की है। नडेला ने देश के कृत्रिम मेधा (एआई)-प्रधान भविष्य के लिए बुनियादी ढांचे और स्वायत्त क्षमताओं के निर्माण में मदद करने के लिए 2030 तक 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की घोषणा की है। यह पिछले दो महीनों में देश में तीसरा बड़ा एआई-संचालित निवेश है। सीईओ ने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट की निवेश योजना भारत की प्रौद्योगिकी प्रगति का प्रतीक है और वह देश में तैयार हो रही डेटा सेंटर क्षमता को लेकर उत्साहित हैं। माइक्रोसॉफ्ट के एक कार्यक्रम में नडेला ने कहा ''हम डेटा सेंटर की बढ़ती क्षमता को लेकर बेहद उत्साहित हैं। पुणे, चेन्नई और मुंबई में हमारे पास पहले से ही सुविधाएं मौजूद हैं। हैदराबाद स्थित हमारे 'इंडिया साउथ सेंट्रल क्लाउड रीजन' को लेकर भी हम बेहद उत्सुक हैं जो अगले साल शुरू होने वाला है।'' हैदराबाद स्थित माइक्रोसॉफ्ट के 'इंडिया साउथ सेंट्रल क्लाउड रीजन' के 2026 मध्य में चालू होने की उम्मीद है।

- निवेश पर प्रधानमंत्री से हुई चर्चा : सीईओ
- कंपनी निवेश योजनाओं पर क्रियान्वयन जारी रखेगी

नडेला ने कहा, ''हमने जो निवेश किया है, उससे हम बेहद उत्साहित हैं। मुझे कल (मंगलवार) प्रधानमंत्री मोदी से मिलने का मौका मिला और निवेश को लेकर हमारी उत्सुकता पर चर्चा की।'भारत में डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण व्यवस्था लागू होने की तैयारी के बीच माइक्रोसॉफ्ट भारतीय ग्राहकों के लिए स्वायत्त सार्वजनिक क्लाउड और स्वायत्त निजी क्लाउड सेवाएं शुरू कर रहा है।

साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करना जरूरी

सीईओ ने कहा, ''मुझे लगता है कि लोगों के लिए यह समझना महत्वपूर्ण है कि स्वायत्तता के साथ विश्वस्तरीय साइबर सुरक्षा एवं मजबूती सुनिश्चित करना भी जरूरी है।'' नडेला ने कहा, ''मैं हरेक प्रौद्योगिकी दौर में भारत आया हूं, पर्सनल कंप्यूटर से लेकर क्लाइंट-सर्वर, वेब इंटरनेट और क्लाउड-मोबाइल तक।

इंटेल भारत के चिप मिशन के समर्थन के लिए प्रतिबद्ध...

नई दिल्ली। अमेरिकी कंप्यूटर चिप कंपनी इंटेल के सीईओ लिप-बू टैन ने कहा कि कंपनी सरकार के भारत सेमीकंडक्टर मिशन का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। टैन का यह बयान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनकी मुलाकात के बाद आया है।टैन ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट किया ' नयी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलकर सम्मानित महसूस हुआ। हमने प्रौद्योगिकी, कंप्यूटिंग और भारत के लिए जबरदस्त क्षमता से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्यापक चर्चा की।

केनरा बैंक Canara Bank
स्पेशलाइज्ड, ए.आर.एम. शाखा, भोपाल

संशोधन

इस समाचार पत्र में दिनांक **10.12.2025** को प्रकाशित कब्जा सूचना **(खाता- श्री धीरज शिवलानी पुत्र प्रेम चंद शिवलानी)** में निम्न लाईन भी पढ़े:-****तकनीकी कारणों से पूर्व में जारी कब्जा सूचना दिनांक 17.09.2025 को वापिस लिया जाता है एवं नई कब्जा सूचना जारी की जाती है जो दिनांक 10.12.2025 को समाचार पत्र में प्रकाशित की गई है। शेष यथावत**

प्राधिकृत अधिकारी केनरा बैंक

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

आवेदन जमा करने की तिथि का विस्तार

अधिसूचना क्र.: पी/एनएजी/आरसीटी/2024/10 दिनांक: 08.12.2025

अधिसूचना संख्या: पी/एनएजी/आरसीटी/2024/10 दिनांक: 11.11.2025 के अनुसार, पॉली-क्लीनिक / मोतीबाग / नागपुर में 01 (एक) रिक्त के विरुद्ध, एक वर्ष के लिए, विशुद्ध रूप से वार्षिक अनुबंध के आधार पर, पूर्णकालिक संविदा चिकित्सा प्रैक्टिशनर (फिजिशियन-जनरल मेडिसीन) स्पेशलिस्ट को नियुक्त करने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए है।

आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 03.12.2025 थी, जिसे **अब बढ़ाकर 15.12.2025 कर दिया गया है।** ऑनलाइन साक्षात्कार की तिथि बाद में सूचित की जाएगी।

अधिक जानकारी व अन्य विवरण वेबसाइट **https://secr.indianrailways.gov.in.** पर हैं। पथ निम्नानुसार है: **Recruitment / News / Press Release → Recruitment → Nagpur Division → Fresh engagement of CMPs (Physician-General Medicine)**

मंडल रेल प्रबंधक (कार्मिक),
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर

FL/50-227

swacch bharat - keepindiaclean

रजिस्ट्री सं. डी.एल.-33004/99 REGD. NO. D.L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India
सी.जी.-सी.जी.-अ.-03122025-268180
CG-CG-E-03122025-268180
असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग-II खण्ड 3 - उप-खण्ड (ii)
PART II - Section 3- Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 5330] नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 28, 2025/अग्रहायण 7, 1947
No. 5330] NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 28, 2025/AGRAHAYANA 7, 1947

रेल मंत्रालय
(दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे)
अधिसूचना
बिलासपुर, 28 नवम्बर, 2025
रेल अधिनियम 1989 की धारा 20ए के तहत अधिसूचना

का. आ. 5513 (अ).- रेल अधिनियम 1989 की धारा 20ए की उपधारा (1) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया हैं) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए (89 का 24) केन्द्रीय सरकार, सार्वजनिक उद्देश्य के लिए संतुष्ट होने के बाद ऐसी भूमि का, जिसका संक्षिप्त वर्णन संलग्न अनुसूची में दिया गया हैं, जो कि विषय रेल परियोजना अर्थात् **''बिलासपुर मंडल :- लाइट आरओबी के प्रावधान द्वारा झलवारा यार्ड में लेवल क्रॉसिंग संख्या बीके 107 को समाप्त किया जाएगा।''** परियोजना (कटनी) के मध्यप्रदेश राज्य में निष्पादन के लिए आवश्यक हैं, एतद् द्वारा अधिग्रहण करने के अपने आशय की घोषणा करती हैं, उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त अधिनियम की धारा 20 घ की उपधारा (1) के अधीन, पुर्वोक्त प्रयोजन के लिए ऐसी भूमि के अर्जन एवं उपयोग के संबंध पर आक्षेप कर सकेगा ऐसा प्रत्येक आक्षेप, सक्षम प्राधिकारी यानि अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), कटनी को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय, कटनी मध्यप्रदेश को लिखित में किया जाएगा और उसके आधार उपवर्णित किये जायेंगें तथा सक्षम प्राधिकारी आक्षेपकर्ता को वैयक्तिक रूप से या विधि व्यवसायी के माध्यम से सुनवाई का अवसर प्रदान करेगा और ऐसे सभी आक्षेपों की सुनवाई करने तथा ऐसी अतिरिक्त जाँच, यदि कोई हो तो करने के पश्चात, जो सक्षम प्राधिकारी आवश्यक समझे, आदेश द्वारा, आक्षेपों को या तो 'अनुज्ञात या अन अनुज्ञात कर सकेगा; उक्त अधिनियम की धारा 20घ की उपधारा (2) के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा किया गया कोई भी आदेश अंतिम होगा इस अधिसूचना के अधीन आने वाली भूमि का रेखांक एवं अन्य ब्योरे उपलब्ध है 'हितबद्ध व्यक्ति द्वारा उनका निरीक्षण सक्षम प्राधिकारी के उपरोक्त कार्यालय में किया जा सकता हैं।

अनुसूची

छत्तीसगढ़ राज्य में रेल लाईन विशेष रेल परियोजना, अर्थात, ''बिलासपुर मंडल :- लाइट आरओबी के प्रावधान द्वारा झलवारा यार्ड में लेवल क्रॉसिंग संख्या बीके 107 को समाप्त किया जाएगा।'' (कटनी जिला) के लिए अधिग्रहण किए जाने वाली संरचना सहित या उसके रहित भूमि का संक्षिप्त विवरण:-

जिला का नाम- कटनी, तहसील का नाम- कटनी

क्र.	ग्राम का नाम	क्र.	खसरा नं.	कुल रकबा (हे0)	अर्जित रकबा (हे0)
1	कटंगीकला	1	9/1/1	1.0700	0.240
		2	18	0.1800	0.090
		3	19/1	0.9500	0.030
		4	24/1	0.3800	0.010
		5	24/2	0.5700	0.030
		6	24/3	0.4900	0.010
		7	25/1	1.3400	0.010
				कुल -	0.420

कुल भूमि (कटंगीकला)- 0.420 हे0

[फा. सं.डीवाई.सीई/जीएसयू/बीएसपी/आरओबी/एलसी संख्या BK-107/ भूमि अधिग्रहण-06]

संजय बा. नागभिडकर
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/आरएसपी
द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर

सीपीआर/10/530

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यो हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

सं. क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनाक	कार्य का नाम	लागत राशि एवं समयावधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई. एम.डी.	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	Tender ID 2025_UAD_467300_1 PRO-635 Date-09/12/2025	नगर निगम जबलपुर के वार्ड गढ़ा में छोटे जैन मंदिर के पीछे रंजना कोरी के मकान से माया तिवारी के मकान तक सड़क एवं नाली निर्माण कार्य	11.8 लाख 03 माह	2000/- 8910/-	09/01/2026

नोट - निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाईड https://mptenders.gov.in पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा ।

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम जबलपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यो हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

सं. क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनाक	कार्य का नाम	लागत राशि एवं समयावधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई. एम.डी.	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	Tender ID 2025_UAD_467299_1 PRO-634 Date-09/12/2025	नगर निगम जबलपुर के महाराणा प्रताप वार्ड में धनवंतरी नगर सेक्टर ए पार्वती कोप्टा के सामने 100 मीटर और डॉ जैन के सामने से डीएसपी जवाहर के सामने 100 मीटर एवं राकेश विश्वकर्मा से चतुर्वेदी जी के घर तक 100 मीटर सी सी सी सड़क एवं नाली निर्माण कार्य	17.83 लाख 03 माह	2000/- 13400/-	09/01/2026

नोट - निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाईड https://mptenders.gov.in पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा ।

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम जबलपुर

कार्यालय नगर परिषद डिण्डौरी जिला डिण्डौरी (म.प्र.)
Email-cmodidori@mpurban.gov.in Contact No.

एनआईटी क्र./ /लो.नि.शा./2025-26/2957 **ई-निविदा आमंत्रण सूचना** डिण्डौरी, दिनांक 09/12/2025

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित कार्य हेतु म.प्र. शासन UADD ISSR w.e.f. 02 August 2021 से प्रभावशील ISSR पर कम / अधिक प्रतिशत के आधार पर केन्द्रीकृत पंजीयन प्रणाली या सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदा दिनांक 29/12/2025 समय 17.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

ई-टेंडर क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत एवं ISSR (रुपए में)	अमानत राशि (रुपए में)	निविदा प्रपत्र मूल्य (रुपए में)	सक्षम पंजी श्रेणी	कार्यावधि (महीनों में)
2025-UAD_467071	वार्ड क्रमांक 14 में बनवासी के घर से योगेश के घर तक सीसी मार्ग निर्माण एवं गायत्री मंदिर के पास सीसी मार्ग निर्माण एवं रंगमंच का स्लैब कार्य।	873211.00 UADD ISSR w.e.f. 02 August 2021	17464.00	2000.00	Centralized Registration system on PWD	03 month
2025-UAD_467072	वार्ड क्रमांक 11 में बलराम के घर से हैण्डपम्प तक सीसी मार्ग निर्माण एवं सहजाद के घर से नाला तक आरसीसी नाली का निर्माण ।	778027.00 UADD ISSR w.e.f. 02 August 2021	15560.00	2000.00	Centralized Registration system on PWD	03 month

शर्त- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन http://www.mptenders.gov.in वेबसाईट पर किया जावेगा पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

श्रीमति सुनिता अशोक सारस, अध्यक्ष, नगर परिषद डिण्डौरी
श्रीमति सारिका मंटू नायक, उपाध्यक्ष, नगर परिषद डिण्डौरी,
श्री रितेश जैन, लोक निर्माण सभापति, नगर परिषद डिण्डौरी
मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर परिषद डिण्डौरी, जिला डिण्डौरी

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)

प्रथम निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनाक Pro-648	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई. एम.डी.	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	Date- 10/12/2025 2025_UAD_467316_1	नगर निगम जबलपुर के गिरिराज किशोर वार्ड में कल्लू सोंधिया के घर के सामने वाली गली नन्ना के घर से नन्नी बाई के घर तक सी.सी. रोड निर्माण एवं नाली निर्माण	03 माह रू. 11.01 लाख	रू. 2000/- रू. 8258/-	10/1/2026
2	Date- 10/12/2025 2025_UAD_467316_2	नगर निगम जबलपुर के गिरिराज किशोर वार्ड में प्रदीप गुप्ता के घर से संजय अवस्थी के घर तक सी.सी. रोड निर्माण एवं नाली निर्माण	03 माह रू. 11.01 लाख	रू. 2000/- रू. 8261/-	10/1/2026
3	Date- 10/12/2025 2025_UAD_467316_3	नगर निगम जबलपुर के गिरिराज किशोर वार्ड में दीपक विश्वकर्मा के घर से सूरज ठाकुर की चक्की तक रोड के दोनों ओर नाली का निर्माण 400 मी. नाली निर्माण कार्य	रू. 8.47 लाख 03 माह	रू. 8475/- रू. 2000/-	10/1/2026
4	Date- 10/12/2025 2025_UAD_467316_4	नगर निगम जबलपुर के गिरिराज किशोर वार्ड में एफ.सी. आई. गोदाम गेट के सामने 230m-5m सी. सी रोड निर्माण कार्य	रू. 12.71 लाख 03 माह	रू. 9533/- रू. 2000/-	10/1/2026
5	Date- 10/12/2025 2025_UAD_467316_5	नगर निगम जबलपुर के शंकर शाह वार्ड में शंकरशाह नगर वार्ड में एम पी ई वी पटेल मोहल्ला में नाला निर्माण कार्य	रू. 19.49 लाख 03 माह	रू. 14618/- रू. 2000/-	10/1/2026

नोट - निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा ।

कार्यपालन यंत्री (लोककर्म विभाग)
नगर निगम जबलपुर

कैंसर और वंशानुगत रोगों का इलाज होगा बेहतर

भारतीय वैज्ञानिकों ने बनाया खास क्रिस्पआर प्रोटीन, सुरक्षित जीन थेरेपी में बहुत मददगार

इस नए ग्लोकास9 प्रोटीन को बनाने के बाद, वैज्ञानिक अब कास9 एंजाइम को देख सकते हैं जब वह क्रिस्पआर-कास9 सिस्टम का उपयोग करके आनुवंशिक रोगों और कैंसर जैसी बीमारियों के इलाज के लिए जीनोम एडिटिंग करता है

कोशिकाओं को खोलने और नष्ट करने की प्रक्रिया को देखना हुआ आसान

कास9 प्रोटीन कोशिकाओं में जुगनू की तरह हल्की रोशनी उत्पन्न करता है

एजेंसी ▶▶ कोलकत्ता

कोलकाता के बोस इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों ने एक नया क्रिस्पआर प्रोटीन बनाया है, जिसका नाम ग्लोकास9 है। यह प्रोटीन जीन एडिटिंग करते समय चमकता है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि यह नई खोज वंशानुगत (जेनेटिक) रोगों और कैंसर के इलाज को बेहतर बनाने में मदद करेगी। क्रिस्पआर-कास9 तकनीक डीएनए को सटीकता से काटती और ठीक करती है, लेकिन वैज्ञानिक अब तक कास9 एंजाइम (जो कि एक आणविक सर्जन की तरह काम करता है) को जीवित कोशिकाओं के अंदर काम करते हुए वास्तविक समय में नहीं देख पा रहे थे। पुराने तरीकों में कोशिकाओं को खोलना या नष्ट करना पड़ता था, जिससे प्रक्रिया को होते हुए देखना असंभव था।

कंप्यूटर पर जीनोम एडिटिंग का विश्लेषण

कोशिकाओं को नुकसान किए बगैर होगा काम

शोधकर्ताओं ने बताया कि ये निष्क्रिय एंजाइम के टुकड़े तब फिर से जुड़ जाते हैं जब कास9 सही ढंग से फोल्ड होता है, जिससे प्रकाश उत्पन्न होता है। यह प्रक्रिया जुगनू की हल्की रोशनी की तरह दिखती है। यह चमकने वाली गतिविधि वैज्ञानिकों को जीवित कोशिकाओं, ऊतकों और यहां तक कि पौधों की पत्तियों में भी क्रिस्पआर के काम को बिना नुकसान पहुंचाए ट्रैक करने की अनुमति देती है। टीम ने पाया कि पारंपरिक एंजाइम की तुलना में ग्लोकास9 बहुत स्थिर है और उच्च तापमान पर भी अपनी संरचना और गतिविधि को बनाए रखता है।

कोशिकाओं के काम पर नजर रखने में मिलेगी मदद

इस नए ग्लोकास9 प्रोटीन को बनाने के बाद, वैज्ञानिक अब कास9 एंजाइम को देख सकते हैं जब वह क्रिस्पआर-कास9 सिस्टम का उपयोग करके आनुवंशिक रोगों और कैंसर जैसी बीमारियों के इलाज के लिए जीनोम एडिटिंग करता है। जीन थेरेपी कई जानलेवा वंशानुगत बीमारियों का स्थाई इलाज हो सकती है। जीन थेरेपी के तरीके विकसित करना एक चुनौती बना हुआ था। जीन एडिटिंग को होते हुए देखना- यानी आणविक मशीनरी को जीवित कोशिकाओं के अंदर डीएनए को काटते, ठीक करते और फिर से लिखते हुए देखना- कोशिकाओं को नष्ट किए बिना क्रिस्पआर के काम पर नज़र रखने में मदद कर सकता है।

डीएनए मरम्मत की सक्रियता बढ़ाता है

ग्लोकास9 होमोलॉग-निर्देशित मरम्मत की सटीकता को भी बढ़ाता है। यह एक डीएनए मरम्मत प्रक्रिया है जो सिकल सेल एनीमिया और मस्कुलर डिस्ट्रॉफी जैसी आनुवंशिक बीमारियों से जुड़ी वंशानुगत उत्परिवर्तन (म्यूटेशन्स) को ठीक करने के लिए महत्वपूर्ण है। ग्लोकास9 को पौधों के सिस्टम में भी ट्रैक किया जा सकता है।

गहरे समुद्र की झींगे से बनाया चमकता प्रोटीन

बोस इंस्टीट्यूट के डॉ. बासुदेब माझी के नेतृत्व में हुई यह खोज जीनोम इंजीनियरिंग को देखने और ट्रैक करने की प्रक्रिया में एक नया अध्याय खोलती है। डॉ. माझी की लैब के एक पीएचडी रिसर्चर, अर्कदीप कर्माकर ने यह ग्लोकास9 प्रोटीन डिज़ाइन किया है। उन्होंने गहरे समुद्र के झींगे के प्रोटीन से लिए गए एक विभाजनकारी नैनो-ल्यूसिफरेज एंजाइम को कास9 के साथ मिलाकर कास9 का एक बायोलुमिनसेंट (चमकने वाला) संस्करण बनाया है।

खबर संक्षेप

चोकसी की कोर्ट ने खारिज की अपील

नई दिल्ली। पीएनबी घोटाले के आरोपी भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल

चोकसी को मंगलवार को बेल्जियम की सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा। कोर्ट ने चोकसी की उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें उसने भारत प्रत्यर्पण के आदेश को चुनौती दी थी। इससे उसे देश में वापस लाने के भारतीय एजेंसियों के अधिकारियों के प्रयासों को और मजबूती मिली है। मेहुल इस साल अक्टूबर में कोर्ट ऑफ कैसेशन का दरवाजा खटखटाया था, जब 17 अक्टूबर को एंटवर्प कोर्ट ऑफ अपील ने भारत के प्रत्यर्पण अनुरोध को बरकरार रखते हुए आदेश को कार्यान्वयन योग्य बताया था।

रीशेड्यूलिंग नोटिस वाले आवेदक तारीख चेक करें

नई दिल्ली। भारत में अमेरिकी दूतावास ने वीजा आवेदकों के लिए

एक जरूरी एडवाइजरी जारी की है। यह एडवाइजरी मुख्य रूप से उन वीजा आवेदकों के लिए जारी की गई है जिन्हें अमेरिकी दूतावास से रीशेड्यूलिंग का नोटिस मिला है। आवेदकों को सलाह दी गई है कि वे अपनी अपडेटेड अपॉइंटमेंट तारीखें चेक करें और बदले हुए शेड्यूल के अनुसार दूतावास या वाणिज्य दूतावास जाएं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस महीने के आखिर में होने वाले एच-1बी वीजा इंटरव्यू को अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा टाला जा रहा है।

मोरक्को में इमारत ढहने से 19 की मौत

फेज (मोरक्को)। मोरक्को के फेज शहर में रात में दो बहुमंजिला

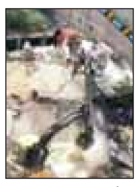

इमारतों के ढहने से 19 लोगों की मौत हो गई। इस साल यहां इमारतों के ढहने की यह दूसरी घातक घटना है। मोरक्को की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार, प्रभावित आवासीय इमारतों में 8 परिवार रहते थे। हादसे में 16 लोग घायल हो गए और उन्हें नजदीकी अस्पताल में उपचार के लिए भेजा गया। अधिकारियों ने बताया कि पूरे इलाके को खाली करा लिया गया है और खोज एवं बचाव अभियान जारी है। इमारत ढहने के कारण का पता नहीं लगा।

इटली के डिप्टी पीएम ने की जयशंकर से मुलाकात

एआई, साइबर, टेलिकॉम, स्पेस सहित कई क्षेत्रों में हुई बातचीत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

इटली के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर भारत पहुंचे हैं। तजानी इस साल दूसरी बार भारत दौरे पर पहुंचे हैं। इसका उद्देश्य भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करना है। इटली के डिप्टी पीएम के भारत दौरे को लेकर विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि दिल्ली और मुंबई में उनके कार्यक्रम भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगे।

तीन दिवसीय इस दौरे पर डिप्टी पीएम तजानी बुधवार को नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस. जयशंकर से बातचीत की। बैठक में दोनों पक्षों ने लगातार उच्च स्तरीय बातचीत और लेन-देन पर खुशी जताई और एआई, साइबर, टेलीकॉम, डिजिटल तकनीक, नवीकरणीय ऊर्जा, जैव ईंधन, शिक्षा और अकादमी सहयोग, वैज्ञानिक शोध और युवाओं और पेशेवरों की मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में भारत और इटली के बीच सहयोग की बहुत बड़ी संभावना पर ध्यान दिया। दोनों देशों के मंत्रियों ने द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने और जेएसएपी से ठोस नतीजे सुनिश्चित करने का अपना वादा दोहराया।

जयशंकर और ताजानी फाइल फोटो

साझेदारी लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने बुधवार को इटली के उप पीएम और विदेश मंत्री एंतोनियो ताजानी से मुलाकात की। दोनों नेताओं की यह बैठक भारत–इटली संबंधों को और मजबूत करने के उद्देश्य से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। जयशंकर ने कहा कि ताजानी का लगातार भारत आना यह दिखाता है कि इटली भारत के साथ अपने रिश्तों को बेहद गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि यह निरंतर संवाद दोनों देशों के बीच व्यक्तिगत, राजनीतिक और कूटनीतिक स्तर पर संबंधों को नई दिशा दे रहा है।

आज जाएंगे मुंबई, शुक्रवार को मुंबई से होंगे रवाना

विदेश मंत्रालय के मुताबिक तजानी गुरुवार को मुंबई जाएंगे और आधिकारिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे। तीन दिवसीय भारत दौरे पर अपने सभी आधिकारिक कार्यक्रमों को खत्म करने के बाद वह शुक्रवार को मुंबई से रवाना होंगे। तजानी और जयशंकर ने संयुक्त रणनीतिक एक्शन प्लान (जेएसएपी) 2025-29 के तहत दोनों देशों के बीच बढ़ते द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की थी। दोनों नेताओं ने व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान और तकनीक, क्लीन एनर्जी ट्रांजिशन, संस्कृति, पर्यटन और लोगों के बीच संबंध जैसे क्षेत्रों को लेकर चर्चा की थी।

पीएम मोदी से इंटेल और टेक कंपनी कॉग्निजेंट के शीर्ष अधिकारियों ने की मुलाकात

विश्व में भारत बनेगा चिप सुपरपावर: इंटेल प्रतिभाओं को देंगे पर्याप्त अवसर: कॉग्निजेंट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कॉग्निजेंट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रवि कुमार एस और इंटेल के सीईओ लिप-बू टैन के दिग्गजों नेपीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इन सभी ने भारत में निवेश बढ़ाने और अपने परिचालन के विस्तार का आश्वासन दिया। पीएम ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि इंटेल कॉर्पोरेशन के सीईओ लिप-बू टैन से मिलकर खुशी हुई। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत की यात्रा के प्रति इंटेल की प्रतिबद्धता का स्वागत है।

मुझे विश्वास है कि हमारे युवा प्रौद्योगिकी के लिए एक नवाचार-संचालित भविष्य के निर्माण में इंटेल के साथ मिलकर उत्कृष्ट कार्य करेंगे। इंटेल के सीईओ लिप-बू टैन ने पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान कहा कि वह भारत में अपनी मौजूदगी और बढ़ाएगा। बैठक में इंटेल ने भारत में एआई-पीसी तकनीक को तेजी से बढ़ाने पर जोर दिया साथ ही कहा कि भविष्य में भारत चिप उत्पादन में सुपरपॉवर बनेगा। इंटेल भारत में टाटा समूह के साथ अपने डिजाइन किए गए उत्पादों चिप, सेमीकंडक्टर आदि का निर्माण, असेंबली और पैकेजिंग करेगी।

पीएम मोदी ने कहा कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत की यात्रा के प्रति इंटेल की प्रतिबद्धता का स्वागत है। मुझे विश्वास है कि हमारे युवा प्रौद्योगिकी के लिए एक नवाचार-संचालित भविष्य के निर्माण में इंटेल के साथ मिलकर उत्कृष्ट कार्य करेंगे

इंटेल सेमीकंडक्टर डिजाइन, निर्माण और पैकेजिंग में देगी सहयोग

कॉग्निजेंट ने देश के उभरते शहरों में विस्तार के लिए प्रतिबद्धता जताई

पीएम मोदी से मुलाकात करते इंटेल के सीईओ लिप-बू टैन

भारत कॉग्निजेंट की साझेदारी का स्वागत

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि कॉग्निजेंट के रवि कुमार एस और राजेश वारियर के साथ उनकी एक शानदार बैठक हुई। उन्होंने कहा कि भारत भविष्य के क्षेत्रों में कॉग्निजेंट की निरंतर साझेदारी का स्वागत करता है। हमारे युवाओं का एआई और कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करना भविष्य में एक जीवंत सहयोग की नींव रखता है।

पीएम मोदी से कॉग्निजेंट के रवि कुमार एस (बाएं) और राजेश वारियर ने मुलाकात की।

भारत 2030 तक दुनिया का सबसे बड़ा डेवलपर बनेगा: नडेला

माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और सीईओ सत्य नडेला ने बुधवार को कहा कि भारत 2030 तक दुनिया की सबसे बड़ी डेवलपर कम्युनिटी बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत के बढ़ते टैलेंट और नेक्स्ट जेनरेशन एआई इनोवेशन में देश की उभरती नेतृत्व क्षमता को रेखांकित किया।

माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और सीईओ सत्य नडेला

भारत पहले से ही एआई का उपयोग कर रहा

उन्होंने इसे भारत के लिए एआई का उपयोग कर सामाजिक स्तर पर समाधान विकसित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर बताया। नडेला ने कहा कि भारत के डेवलपर्स पहले से ही गिटहब, एज्योर और माइक्रोसॉफ्ट के नए एआई प्लेटफॉर्म का उपयोग उन उन्नत प्रोजेक्ट्स के लिए कर रहे हैं, जो पहले केवल बड़े रिसर्च लैब्स तक सीमित थे।

एआई क्षमता बढ़ाने पर चर्चा

कॉग्निजेंट ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि इसके सीईओ रवि कुमार एस और कॉग्निजेंट इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राजेश वारियर को पीएम मोदी से मिलने का अवसर मिला। बैठक में एआई को तेजी से अपनाने, एआई क्षमताओं को बढ़ाने तथा शिक्षा एवं कौशल विकास को आगे बढ़ाने पर प्रेरक चर्चा हुई।

सेमीकंडक्टर मिशन का समर्थक: इंटेल

वहीं, इंटेल कॉर्पोरेशन के सीईओ लिप-बू टैन ने 'एक्स' पर लिखा कि वह नई दिल्ली में पीएम मोदी से मिलकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि बैठक के दौरान प्रौद्योगिकी, कंप्यूटिंग और भारत की विशाल संभावनाओं से जुड़े कई मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने पीएम द्वारा व्यापक सेमीकंडक्टर डिजाइन और निर्माण नीति लागू करने की सराहना की और कहा कि इंटेल भारत सेमीकंडक्टर मिशन के समर्थन के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी चाहती है कि आने वाले वर्षों में भारत सिर्फ टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने वाला देश न रहे। बल्कि नई तकनीक बनाने और उत्पादन करने का एक बड़ा केंद्र बन जाए।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल का दावा

ओमान, न्यूजीलैंड सहित कई देशों के साथ भारत की 'एफटीए वार्ता' अंतिम चरण में

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ओमान और न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौतों की वार्ता अपने अंतिम चरण में है। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों के जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि दक्षिण अमेरिकी देश चिली के साथ व्यापार समझौता भी जल्द पूरा होने वाला है। गोयल ने बताया कि न्यूजीलैंड के व्यापार मंत्री टॉड मैक्ले शुक्रवार को दिल्ली आने वाले हैं, ताकि दोनों देशों के बीच एफटीए वार्ताओं को अंतिम रूप दिया जा सके। वहीं, ओमान के साथ व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) पर तीन प्रमुख दौरों में सहमति बनने के बाद अब कैबिनेट मंजूरी की प्रक्रिया चल रही है।

मंत्री पीयूष गोयल

इजराइल के साथ भी वार्ता जारी

भारत और इजराइल ने 2025 में टीओआर (संदर्भ की शर्तों) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके बाद एफटीए वार्ता के औपचारिक पुनरारंभ की प्रक्रिया शुरू हो गई है। भारत ने हाल के महीनों में कई देशों के साथ एफटीए वार्ताओं में तेजी लाई है। मालदीव के साथ जुलाई 2025 में टीओआर पर हस्ताक्षर किए गए, और अब दोनों देश बातचीत शुरू कर चुके हैं। भारत और कतर भी मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत शुरू करने के लिए एक अनुबंध को अंतिम रूप दे रहे हैं। साथ ही भारत और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के बीच भी इसी तरह का एक प्रयास चल रहा है।

उमर और शरजील की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला रखा सुरक्षित

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य की जमानत याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। इन पर फरवरी 2020 के दिल्ली में हुए दंगों को हवा देने से संबंधित यूएपीए के तहत मामला दर्ज है। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू तथा वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, अभिषेक सिंघवी, सिद्धार्थ दवे, सलमान खुर्शीद और सिद्धार्थ लूथरा के दलीलें सुनीं। उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य की जमानत याचिकाओं का कड़ा विरोध करते हुए दिल्ली पुलिस ने कहा कि फरवरी 2020 के दंगे कोई सहज-स्वाभाविक घटना नहीं थे, बल्कि यह भारत की संप्रभुता पर एक 'सुनियोजित, पूर्व-नियोजित और अच्छी तरह डिजाइन किया गया' हमला था।

गोवा नाइट क्लब अग्निकांड मामला

लूथरा ब्रदर्स अदालत से अंतरिम राहत पाने में नाकाम, आज फिर होगी सुनवाई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

गोवा के रोमियो लेन नाइट क्लब के मालिक सौरभ और गौरव लूथरा बुधवार को दिल्ली की एक अदालत से अंतरिम राहत पाने में नाकाम रहे। अदालत ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई अगले दिन के लिए टाल दी।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वंदना ने दोनों भाइयों द्वारा दायर अग्रिम जमानत पर गोवा सरकार से जवाब मांगा और अगली सुनवाई की तारीख गुरुवार तय की। भाइयों ने चार हफ्ते की ट्रांजिट अग्रिम जमानत मांगी है ताकि थाईलैंड से दिल्ली लौटने के बाद उन्हें तुरंत गिरफ्तार न किया जाए। उन्होंने गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा भी मांगी है।

सौरभ और गौरव लूथरा

खुद को बताया पीड़ित

थाइलैंड भाग चुके लूथरा ब्रदर्स ने अग्रिम याचिका में खुद पीड़ित बताया है। दावा किया कि उन्हें बिना आधार आरोपी बनाया जा रहा है। वहीं, गिरफ्तार होने के बाद सह मालिक अजय गुप्ता ने कहा कि वह केवल साझेदार है और उसे आग लगने के बारे में कुछ पता नहीं है।

बचपन को सुरक्षित करने के लिए ऑस्ट्रेलिया सरकार की बड़ी पहल

16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए फेसबुक व इंस्टाग्राम प्रतिबंधित

एजेंसी ▶▶ मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया में 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल पर बुधवार से पाबंदी प्रभावी हो गई है। फेसबुक और इंस्टा सहित ऐसे 10 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ब्लॉक किए गए हैं।

इससे पहले मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बनीज ने नए कानून को समर्थन के लिए राज्यों और स्थानीय नेताओं का आभार जताते हुए कहा कि इससे बचपन को सुरक्षित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि इस सुधार के प्रभावी बनाने के लिए आगे कुछ बदलाव की जरूरत हो सकती है।

फिलहाल 10 सोशल मीडिया पर लगाया बैन

पीएम एंथनी अल्बनीज

मोबाइल पर सोशल मीडिया का उपयोग करता बच्चा

नियम न मानने पर 295 करोड़ का जुर्माना

प्रतिबंधों का उल्लंघन करने पर न तो बच्चे और न ही उनके माता-पिता को सजा दी जाएगी। इसे लागू करने की पूरी जिम्मेदारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर होगी। इसका उल्लंघन करने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 49.5 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब 295 करोड़ रुपए) तक का जुर्माना लगाया जाएगा। इसे लागू करने से पहले सरकार ने इसे लेकर अध्ययन कराया था जिसमें इसके प्रभावी बनाने के तौर-तरीकों की जांच परख की गई थी।

पाबंदी वाली साइट्स की बढ़ाएंगे संख्या

नवंबर, 2024 में फेडरल पार्लियामेंट में पास हुए कानूनों के तहत कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को 16 साल से कम उम्र के बच्चों को अकाउंट बनाने से रोकने के लिए अनिवार्य रूप से उचित कदम उठाने होंगे। शुरुआत में जिन 10 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पाबंदी लगाई गई है उनमें फेसबुक, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट, थ्रेड्स, टिकटॉक, एक्स शामिल हैं।

नकारात्मक असर रोकना जरूरी

पीएम अल्बनीज ने कहा कि बच्चों पर सोशल मीडिया के नकारात्मक असर को रोकने के लिए कदम उठाना जरूरी था। इससे बच्चों के स्वास्थ्य और उनके मानसिक विकास पर बुरा असर पड़ रहा था। उनके एक्स हैंडल पर जारी वीडियो संदेश में उन्होंने इसे ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह वह दिन है जब ऑस्ट्रेलियाई परिवार प्रौद्योगिकी कंपनियों से एकाधिकार वापस लेकर अपने बच्चों के बचपन को सुरक्षित कर रहे हैं।

पुलिस बल को गढ़चिरौली में मिली बड़ी कामयाबी

82 लाख के इनामी 11 नक्सलियों ने कई हथियारों संग किया सरेंडर

एजेंसी ▶▶ गढ़चिरौली

सरकार द्वारा नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में महाराष्ट्र की गढ़चिरौली पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। इसके तहत गढ़चिरौली में बुधवार को 82 लाख के इनामी 11 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है।

ये सभी नक्सली ने महाराष्ट्र की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रश्मि शुक्ला के सामने आत्मसमर्पण किया है। इस दौरान वहां पर एडिशनल डीजी (स्पेशल ऑपरेशंस) चेहरिंग दोरजे, गढ़चिरौली रेंज के डीआईजी अंकित गोयल, एसपी नीलोत्पल और सीआरपीएफ के ऑपरेशंन डीआईजी भी मौजूद थे। गढ़चिरौली पुलिस को मिली इस बड़ी सफलता को डीजीपी रश्मि शुक्ला ने नक्सलवाद के अंत की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा कि यह गढ़चिरौली में नक्सलवाद के अंत की शुरुआत है।

11 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एसआईआर : सर्वाधिक 51 हजार नाम पूर्व से कटेंगे

जिले के सवा 19 लाख में से ढाई लाख से अधिक वोटर्स के कट सकते हैं नाम

हरिभूमि जबलपुर।

जिला प्रशासन द्वारा एसआईआर के तहत जिले की सभी आठ विधानसभा क्षेत्र में शत-प्रतिशत गणना पत्रकों का डिजिटाइजेशन पूर्ण करने के दावा किया जा रहा हैं। इन दावों के बीच जिला निवार्चन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम जिले के 19 लाख 25 हजार 472 मतदाताओं में से 2 लाख 62 हजार 722 मतदाताओं के गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं हुए हैं। इन मतदाताओं में 50 हजार 992 मृत, 77 हजार 450 अनुपस्थित, 1 लाख 18 हजार 898 स्थाई तौर पर स्थानांतरित मतदाता भी शामिल है। कहा जा रहा हैं कि गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं होने पर ऐसे मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाये जा सकते हैं। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार एएसडीआर (अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और रिपिटेड) श्रेणी के ऐसे मतदाता जिनके गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं हुए हैं, उनके नाम मतदाता सूची से कटने की संभावना बलवति हो गई हैं।

सर्वाधिक 51 हजार नाम पूर्व से

एएसडीआर की श्रेणी में सबसे अधिक मतदाता जबलपुर पूर्व में 51 हजार 015, इसके बाद जबलपुर पश्चिम 47 हजार 139, जबलपुर केंट में 41 हजार 801, पनागर 31 हजार 123, जबलपुर उत्तर में 27 हजार 176, बरगी में 24 हजार 308, विधानसभा क्षेत्र पाटन के 21 हजार 608 एवं सिहोरा विधानसभा क्षेत्र के 18 हजार 552 मतदाता शामिल हैं। एएसडीआर श्रेणी के ये मतदाता जिले के कुल मतदाताओं का 13.64 प्रतिशत हैं।

शत प्रतिशत डिजिटाइजेशन का दावा

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के अंतर्गत जबलपुर जिले के नाम बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। विधानसभा क्षेत्र जबलपुर केंट के मतदाताओं के गणना पत्रकों के डिजिटाइजेशन के साथ ही सोमवार को जिले की सभी आठ विधानसभा क्षेत्र में तीन दिन शेष रहते शत-प्रतिशत गणना पत्रकों का डिजिटाइजेशन पूर्ण कर लिया गया है। जिले के सात विधानसभा क्षेत्रों पाटन, बरगी, सिहोरा, पनागर, जबलपुर उत्तर, जबलपुर पश्चिम एवं जबलपुर पूर्व में यह काम पहले ही पूरा कर लिया गया था।

कलेक्टर ने दी बधाई

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने जिले की आठों विधानसभा क्षेत्र में शत-प्रतिशत मतदाताओं के गणना पत्रकों के डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा होने पर सभी बीएलओ एवं बीएलओ के सहायकों, बीएलओ सुपरवाईजर, सेक्टर अधिकारियों तथा निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को बधाई दी है। श्री सिंह ने एसआईआर के अंतर्गत मतदाताओं के घर-घर सत्यापन, गणना पत्रकों का वितरण और गणना पत्रकों के डिजिटाइजेशन के कार्य के प्रति इन अधिकारियों एवं कर्मचारियों की लगन और निष्ठा की सराहना भी की है।

अन्यथा शामिल नहीं होगा नाम

जिला निर्वाचन कार्यालय के अनुसार जिन मतदाताओं के गणना प्रपत्र नहीं भरे हैं, वे अभी भी 9, 10 और 11 दिसम्बर को अपने बीएलओ से संपर्क कर अपने गणना प्रपत्र भरकर सौंप सकते हैं, अन्यथा उनका नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं किया जा सकेगा। ऐसे मतदाताओं जिनके गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं हुये हैं उनके नाम 16 दिसम्बर को प्रकाशित होने वाली प्रारूप मतदाता सूची में मतदान केन्द्रों पर रखे जायेंगे तथा इन पर दावे-आपत्तियां प्रस्तुत की प्रक्रिया की जा सकेंगी।

सवा लाख की नहीं हो सकी मैपिंग

जिला निर्वाचन कार्यालय के मुताबिक ऐसे मतदाता जिनके गणना प्रपत्र डिजिटाइज्ड किये जा चुके हैं उनमें 1 लाख 15 हजार 490 ऐसे मतदाता भी हैं जिनका 2003 की मतदाता सूची से मैपिंग नहीं हो सकी हैं, उन्हें नोटिस जारी किये जायेंगे। ऐसे मतदाताओं को 16 दिसम्बर को प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद दावे-आपत्ति प्राप्त करने की प्रक्रिया के दौरान निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दस्तारवेजों में से आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे।

एसआईआर समस्याओं में पारदर्शिता की मांग

एआईएमआईएम ने कलेक्टर को सौंपा पत्र

जबलपुर। आल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद मुसलमीन कमेटी के प्रतिनिधि जावेद अमान ने कलेक्टर को पत्र सौंपकर एसआईआर से जुड़ी समस्याओं के निराकरण में पारदर्शिता बनाए रखने की मांग की। समिति ने बताया कि एसआईआर फार्म भरने और नागरिकता संबंधी दस्तावेज तैयार करने में विशेषकर मजदूर वर्ग को भारी कठिनाई हो रही है। प्रतिनिधियों ने कहा कि कई वार्डों में जीवित मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से गायब हैं, जिससे भविष्य में समस्याएं बढ़ सकती हैं। उन्होंने मांग की कि पोर्टल पर जमा किए गए फार्म की जानकारी जनता के सामने स्पष्ट रूप से उपलब्ध कराई जाए, ताकि नाम, जन्मतिथि और पते से जुड़ी त्रुटियों की समय पर जांच हो सके। समिति ने कहा कि पहले से बने वोटर आईडी और आधार कार्ड में बड़ी संख्या में स्पेलिंग त्रुटियाँ रही हैं, इसलिए ऑनलाइन पोर्टल पर अपडेट जानकारी की सुविधा जरूरी है। इस दौरान सैयद शारिक अली, पार्षद मतीन अंसारी, बबला भाई, अरमान नूरी, साजिद ओवैस, यासीन सिद्दीकी सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

विद्युत हॉकी प्रतियोगिता 15 से जबलपुर में होगी

जबलपुर। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी की केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के तत्वावधान में 47 वीं अखिल भारतीय विद्युत क्रीड़ा नियंत्रण मण्डल हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन 15 से 17 दिसंबर तक यहां रानीताल स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स एस्ट्रो टर्फ में किया जा रहा है। अखिल भारतीय विद्युत क्रीड़ा नियंत्रण मण्डल हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन जबलपुर में तीसरी बार हो रहा है। इससे पूर्व यह प्रतियोगिता जबलपुर में 1975 व 1994 में आयोजित हुई थी। केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के महासचिव व आयोजन समिति के अध्यक्ष राजीव गुप्ता ने जानकारी दी 47 वीं अखिल भारतीय विद्युत क्रीड़ा नियंत्रण मण्डल हॉकी प्रतियोगिता में मेजबान एमपी पावर सहित छह पावर यूटिलिट टीमों के भाग लेने की संभावना है। अभी तक पंजाब स्टेट पावर कार्पोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल), हरियाणा स्पोर्ट्स पावर ग्रुप, तेलंगाना ट्रांस्को, राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड (आरएसवीपीएनएल) व उत्तराखंड की टीमों के भाग लेने की संभावना है। पिछली बार आयोजित 46 वीं अखलि भारतीय विद्युत क्रीड़ा नियंत्रण मण्डल हॉकी प्रतियोगिता में पंजाब विजेता व हरियाणा की टीम उपविजेता रही थी। एमपी पावर टीम तृतीय स्थान पर रही थी।

केंट विधायक की पहल पर ब्रिगेडियर ने दिया विचार का आश्वासन

जबलपुर। केंट विधायक अशोक रोहाणी के निर्देशन में आज राजीव गांधी कटंगा बस्ती के पीड़ित परिवार जनसेवक सुंदर अग्रवाल के साथ स्टेशन कमांडर जबलपुर से मुलाकात की। ज्ञात हो कि विगत दिवस सैन्य प्रशासन द्वारा कटंगा के 120 परिवारों को बेदखली का नोटिस दिया गया था। उपरोक्त नोटिस के माध्यम से आगामी दिनांक 10 दिसंबर को जवाब देने हेतु परिवार को कहा गया था। इसी तारतम्य में आज केंट विधायक के निर्देश पर जनसेवक सुंदर अग्रवाल ने ब्रिगेडियर साहब से भेंट की और उन्हें बताया कि प्रदेश सरकार की 350 एकड़ भूमि सेना के पास है, भूमि की अदला बदली का प्रकरण विचाराधीन है इसलिए अभी विस्थापन की कार्रवाई को विराम दिया जाए। जब तक कि उपरोक्त विषय में निर्णय न लिया जाए। स्टेशन कमांडेंट साहब ने आश्वासन दिया कि जनमानस की ओर से अगर प्रस्ताव आता है तो उसे पर शीघ्र विचार किया जाएगा। इस अवसर पर डॉ. ऋषि बावरिया, प्रकाश राय, राजेश पिल्ले भाऊ एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जनता उपस्थित रही।

विद्युत मंडल अभियंता संघ की बैठक मांगें नहीं मानीं तो आंदोलन की चेतावनी

जबलपुर। विद्युत मंडल अभियंता संघ की केंद्रीय एवं क्षेत्रीय कार्यकारिणी की बैठक 7 दिसंबर को संघ कार्यालय में आयोजित हुई, जिसमें फिजिकल व ऑनलाइन दोनों माध्यमों से बड़ी संख्या में अभियंता शामिल हुए। महासचिव विकास कुमार शुक्ला ने बढ़ते असंतोष और दबावों को देखते हुए प्रमुख मुद्दे सामने रखे। बैठक में निजीकरण का विरोध, सभी विद्युत कर्मियों को 50% बिजली रिबेट, सोलर रूफटॉप योजना लागू, संसाधनों की कमी के बीच उत्कृष्ट कार्य करने वाले अभियंताओं को इंसेंटिव, आईटी इंजीनियर विसंगति दूर करने, टेक्निकल अलाउंस, हायर पे पुनरीक्षण, स्टाइपेंड अंतर भुगतान, पुराने आवासों के पुनर्निर्माण सहित कई अहम मांगों पर सहमति बनी।

सदस्यों ने भ्रष्टाचार पर भी चिंता जताई और कहा कि इससे कंपनियों की साख प्रभावित हो रही है। संघ ने सभी मामलों की तथ्यात्मक जांच कर सच सामने लाने का निर्णय लिया। अंत में महासचिव ने चेतावनी दी कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो इंजीनियर एकजुट होकर आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

डॉ. गायत्री स्मृति कथा सम्मान एवं विचार संगोष्ठी बैठक सम्पन्न

जबलपुर। वरिष्ठ कथाकार-कवयित्री डॉ. गायत्री तिवारी सुमित्र की स्मृति में पाथेय साहित्य कला अकादमी द्वारा 27 दिसंबर को आयोजित होने वाले गायत्री कथा सम्मान समारोह के संदर्भ में आवश्यक बैठक जसूजा सिटी में महाकवि आचार्य भगवत दुबे की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक के संयोजक राजेश पाठक प्रवीण ने बताया कि भव्य समारोह में प्रतिष्ठित महिला कथाकार को गायत्री कथा सम्मान के तहत नगद राशि, अलंकरण, प्रतीक चिन्ह सहित सम्मानित किया जाएगा। साथ ही विविध क्षेत्रों में क्रियाशील महिलाओं की संस्थाओं को गायत्री सम्मान दिया जायेगा। समारोह में महिला लेखन पर विचार गोष्ठी भी होगी। ज्ञातव्य हो कि नगर की विदुषी रचनाकार डॉ. गायत्री तिवारी की अनेक कृतियां प्रकाशित हो चुकी हैं। उनकी कहानी कोबरा के लिए मध्यप्रदेश शासन द्वारा उन्हें सर्वोच्य कथा सम्मान का पुरस्कार दिया गया था। डॉ. तिवारी ने विविध क्षेत्रों में सेवाएं दी। बैठक में प्रतुल श्रीवास्तव, विजय जायसवाल, आचार्य विजय तिवारी, विजय नेमा, यशोवर्धन पाठक, संतोष नेमा, डॉ. तनूजा चौधरी, डॉ. मृदुला सिंह, विनीता विधि, डॉ. मोहिनी तिवारी, डॉ. हर्ष कुमार तिवारी ने भी विचार व्यक्त किये। समारोह में कादम्बरी, वर्तिका, गुंजनकला सदन, मंथनश्री, जागरण साहित्य समिति, त्रिवेणी परिषद, हिंदी लेखिका संघ, अनेकांत, गूंज, हिंदी लेखिका संघ, बुन्देली संस्कृति संगम, सशक्त हस्ताक्षर, अंतस संस्था, सनाढ्य संगम की सहभागिता रहेगी।

मानव अधिकार दिवस पर जेल में स्वास्थ्य व सम्मान कार्यक्रम संपन्न

जबलपुर। मानव अधिकार दिवस के अवसर पर केन्द्रीय जेल जबलपुर में विशेष स्वास्थ्य एवं सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जेल प्रशासन के सहयोग से बंदियों के लिए विभिन्न जागरूकता एवं कल्याण संबंधी गतिविधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम में 150 से अधिक कैदियों को स्वास्थ्य किट/चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। निःशुल्क दवाई और शुगर जाँच की गई। साथ ही उन्हें मानवाधिकार, कानूनों और नागरिक अधिकारों के बुनियादी पहलुओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। संगठन के प्रतिनिधियों ने कैदियों को बताया कि मानवाधिकार हर इंसान का बुनियादी अधिकार है, चाहे उसकी स्थिति कुछ भी हो। साथ ही उन्हें अपने अधिकारों के समुचित उपयोग, कानूनी सहायता और सामाजिक सुधार की दिशा में मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कैदियों के बीच जागरूकता बढ़ाना, उनका कल्याण सुनिश्चित करना और उन्हें नए जोश के साथ समाज में फिर से प्रवेश करने के लिए तैयार करना था। कार्यक्रम में अखिलेश तोमर (जेल अधीक्षक), मदन कमलेश (उप अधीक्षक जेल), रूपाली मिश्रा (कार्यवाहक जेल उप अधीक्षक), डॉ. लक्ष्मण शाह (मेडिकल ऑफ़िसर जेल), आई अंजू लता गोस्वामी, टीआई अंजू मिश्रा (सहायक जेल अधीक्षक), टीआई कुलदीप सिंह ठाकुर (टीआई), अरविंद डंगी का सम्मान मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण द्वारा किया गया।

प्रस्तावित मास्टर प्लान के अनुसार एमआर-4 रोड बनाई जाए

सड़क को कॉलोनी से जोड़े जाने अपर आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। मध्यप्रदेश उच्च न्यालय के अधिवक्ता धीरज सिंह ठाकुर के नेतृत्व में नगर निगम अपर आयुक्त अरविन्द शाह को अतिशीघ्र मदन महल अंडर ब्रिज लिंक रोड राइट टाउन को रानी दुर्गावती फ्लाई ओवर के पैर के पास से टेलीग्राफ गेट नं.-4 सांई बाबा मंदिर कालोनी सड़क बनवाने एवं स्नेह नगर से मदन महल शिवाजी चौक को जोड़ने की मांग का ज्ञापन सौंपा गया। अधिवक्ता धीरज सिंह ठाकुर ने बताया कि केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी के द्वारा फ्लाई ओवर का उद्घाटन किया गया, जिसका नाम वीरांगना रानी दुर्गावती रखा गया है। सरकार द्वारा मप्र का सबसे बड़ा फ्लाई ओवर ब्रिज का निर्माण कराया गया, लेकिन विडम्बना यह है कि मदन महल लिंक रोड पर उतरने वाले फ्लाई ओवर के बाजू से लगी पीएनटी टेलीग्राफ नं.-4 सांई बाबा कालोनी, राइट टाउन को सड़क से नहीं जोड़ा गया। वर्ष 1979 से प्रस्तावित मास्टर प्लान के अनुसार एमआर-4 रोड दीनदयाल चौक से एसबीआई चौक, एकता चौक, स्नेह नगर, मदन महल शिवाजी चौक से शास्त्रीब्रिज ब्लूम चौक तक बनना थी, परंतु उक्त सड़क स्नेह नगर तक आई आगे बीच का हिस्सा न बनने से बीच में पड़ने वाली कॉलोनी के हजारों नागरिक सड़क सुविधा से वंचित हैं। ऐसे में शहर के मध्य पड़ने वाली उक्त कॉलोनी में यदि कोई आकस्मिक दुर्घटना होती है तो फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस भी नहीं पहुंच सकती। इस रोड को बनवाने शासन, प्रशासन से मांग की जा चुकी है, उक्त सड़क कछपुरा, स्नेह नगर से महावीर डेयरी तक जोड़ी जा सकती है। ज्ञापन देते समय क्षेत्र के नागरिक एवं अधिवक्ता एसके मिश्रा, गोपाल हूंका, दीपक सिंह राजपूत, योगेन्द्र शाह, रविकांत श्रीवास्तव, एड. आजाद श्रीवास्तव, दिलशाद, एड. दीपक रघुवंशी, एड. अखिलेश सिंह, नितेश सैनी, एड. शैलेष नामदेव, एड. नितिन करन सहित अन्य उपस्थित रहे।

न तो विधानसभा में न ही कैबिनेट बैठक में सस्ती बिजली की घोषणा हुई जबकि कोयला सस्ता हुआ, बिजली उत्पादन सस्ता हुआ

जबलपुर। राज्य सरकार ने बिजली सस्ती करने की घोषणा न तो 05 दिसंबर तक हुए विधानसभा सत्र में की, न ही 09 दिसंबर को खजुराहो में हुई कैबिनेट बैठक में की, जबकि केंद्र सरकार ने बिजली उत्पादन के कोयले पर 400 रुपये प्रति टन कम्पेनसेशन सेस हटाकर कोयला सरस्ता कर दिया है, जिससे बिजली उत्पादन में लागत घट गई है। इससे निराश होकर नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच तथा अन्य जनसंगठनों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र भेजकर राज्य सरकार द्वारा बिजली सस्ती करने के वादे की याद दिलायी। डॉ. पी.जी. नाजपांडे ने जानकारी दी कि कोल इंडिया द्वारा जारी 04 अप्रेल के कोयला कीमतों के नोटीफिकेशन के अनुसार जी-16 ग्रेड का कोयला 524 रुपये प्रति टन तथा जी-13 ग्रेड का कोयला 1218 रुपये प्रति टन कीमत का था, बाद में 22 सितंबर को सेस हटाने के बाद जी-13 ग्रेड के कोयले की कीमत 987.66 रुपये प्रति टन हुई। स्पष्ट है की कीमत 291.19 रुपये प्रति टन से घटी। रजत भार्गव, एड. वेदप्रकाश अधौलिया, डी.आर. लखेरा, टी.के. रायघटक, डी.के. सिंग, संतोष श्रीवास्तव, सुभाष चंद्रा, के.सी. सोनी, एड. जी.एस. सोनकर, दिलीप कुंडे, हरजीवन विश्वकर्मा, सुशीला कनौजिया, गीता पांडे, पी.एस. राजपूत, विनायक सोरते, अर्जुन कुमार, राममिलन शर्मा ने बताया कि 22 सितंबर को जी.एस.टी. 2.0 के अवसर पर प्रदेश सरकार की ओर से वादा किया गया था की प्रदेश में बिजली सस्ती की जायेगी।

नोबेल शांति पुरस्कार व मानवाधिकार दिवस मनाया

जबलपुर। 14वें दलाई लामा को प्रदान किए गए नोबेल शांति पुरस्कार की 36वीं वर्षगांठ तथा 77वां अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस 10 दिसम्बर को शहीद स्मारक रंगमंच पर श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। बताया गया यह वर्ष विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा, क्योंकि परम पावन का 90वां जन्म वर्ष करुणा वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। यह कार्यक्रम जबलपुर के तिब्बती ल्हासा मार्केट स्थित तिब्बती समुदाय द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक, नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिसमें शांति और एकता का संदेश दिया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शहीद स्मारक प्रबंधक श्री टहनगुरिया एवं त्रिवेणी महिला परिषद जबलपुर की महिला इकाई सदस्य उपस्थित रहीं।

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/186
दिनांक :- 10/12/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि (1)श्री राकेश बाजपेयी (2)श्री योगेश बाजपेयी दोनों के पिता स्व. श्री लक्ष्मीधर बाजपेयी ने मकान नं. 519 वार्ड सुभद्रा कुमारी चौहान भूतल 1165 व.फु. प्रथम तल 1165 व.फु. शपथपत्र/मृत्यु प्रमाणपत्र /वसीयतनामा/लीजडीड के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

नाम सुधार सूचना

शुभा पाटकार Shubha Patkar पति श्री अमित पाटकार उम्र 45 वर्ष, निवासी- म.नं. फ्लेट 2601 कृष्णा हाईटस, ग्वारीघाट रोड जबलपुर म.प्र. 482001 आधार कार्ड नं. 828176894606 निम्न लिखित शपथपूर्वक कथन करती हूँ कि मैं उपरोक्त पते पर निवास करती हूँ। मेरे पासपोर्ट, नं. AE738548, पैन कार्ड, समग्र आई डी, आधार कार्ड, व अन्य सभी शैक्षणिक दस्तावेजों में मेरा नाम शुभा पाटकार Shubha Patkar दर्ज है, जो कि सही है। मेरे पति अमित पाटकार के पासपोर्ट नं. AE738546 में मेरा नाम शोभा पाटकार Shobha Patkar लिख गया है जो कि गलत है। यह कि मेरा सही नाम शुभा पाटकार Shubha Patkar है जिस वास्ते शपथ पत्र प्रस्तुत है।

मेरा सही नाम
शुभा पाटकार (Shubha Patkar)
गलत नाम
शोभा पाटकार (Shobha Patkar)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार
रांझी जबलपुर
रा.प्र.क्र.1413/अ-6/2025-26
आम इश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमति बसंती बाई उर्फ भूरी बाई पति रमेश कुमार निवासी 319 वाटर वर्क्स रोड ग्राम टेमर जबलपुर द्वारा ग्राम टेमर प.ह.नं. 18, नं. ब., ख.नं.-165/2 रकबा 0.262 हे. में से 0.130 हे. हेक्टेयर भूमि रजिस्टर्ड विक्रयपत्र के आधार पर शासकीय अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त भूमि आवेदिका के नाम दर्ज किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति/ एतराज हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय के कक्ष क्र. 32 में तारीख पेशी के पूर्व पेश कर सकता है। समयावधि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
न्यायालय की मुहर एवं हस्ताक्षर से आज दिनॉक 01/12/25 को जारी।
जारी दिनॉक- 25/11/2025
पेशी दिनांक- 15/12/2025

अतिरिक्त तहसीलदार
रांझी जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/185
दिनांक :- 10/12/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि (1)श्री नवीन चटर्जी (2)श्री सचिन चटर्जी दोनों के पिता स्व. श्री निर्मल चंद्र चटर्जी ने मकान नं. 654/1 वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती भूतल 713+100 व.फु. प्रथम तल 361 व.फु. शपथपत्र/मृत्यु प्रमाणपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

विज्ञान

वैज्ञानिकों को मिली बड़ी कामयाबी

आ रहा है डिज़ाइनर बेबी का दौर? इंसान की स्किन सेल से भ्रूण बनाने में मिली सफलता

न्यूयार्क। एक नई रिसर्च में वैज्ञानिकों ने इसानों के स्कीन की कोशिका का इस्तेमाल करके ऐसे अंडे बनाए जो शुरुआती मानव भ्रूण में बदलने की क्षमता रखते हैं। यह प्रयोग प्रजनन विज्ञान की दुनिया में बड़ा कदम माना जा रहा है। इससे भविष्य में इसी तकनीक का इस्तेमाल करके वो लोग भी माता-पिता बन सकेंगे, जिनके पास स्वस्थ अंडाणु या शुक्राणु नहीं होते हैं। हालांकि, यह तरीका अभी सुरक्षित नहीं है और पूरी तरह सफल होने में कई साल लग सकते हैं।

स्किन की सेल्स से एग्स

इंसान का जन्म अंडाणु और शुक्राणु दो कोशिकाओं के मिलने से होता है। कई बार किसी कारणों से किसी भी व्यक्ति के पास दोनों प्रजनन कोशिकाएं उपलब्ध नहीं होतीं हैं। इसी कारण से वैज्ञानिक लंबे समय से ऐसी तकनीक बनाने की कोशिश कर रहे हैं। जिससे शरीर की किसी दूसरी कोशिका से अंडाणु या शुक्राणु बनाया जा सके। अब इस नई रिसर्च ने इस दिशा में उम्मीद जगाई है। वैज्ञानिकों ने एक मानव त्वचा कोशिका का डीएनए लेकर उसे एक दान किए गए अंडाणु की खाली कोशिका में डाल दिया। इसके बाद उस अंडाणु को मेयोसिस जैसे प्रोसेस से गुजरना पड़ा, जिसमें उसे अपने डीएनए के आधे क्रोमोसोम बाहर निकालने थे।

कैसे किया गया यह प्रयोग?

रिसर्चर्स ने पहले दान किए गए मानव अंडाणु का न्यूक्लियस निकाल दिया, उसके बाद उन्होंने स्किन की कोशिका का न्यूक्लियस उस अंडाणु में डाल दिया। प्रॉब्लम यह थी कि त्वचा की कोशिकाओं में 46 क्रोमोसोम होते हैं, जबकि अंडाणु में केवल 23 होने चाहिए। अब इस समस्या को ठीक करने के लिए वैज्ञानिकों ने एक रसायन रोस्कोविटीन का इस्तेमाल किया, जिससे अंडाणु के एक्स्ट्रा क्रोमोसोम बाहर निकल सकते थे। जब इस अंडाणु का शुक्राणु से फर्टिलाइज किया गया तो कुछ मामलों में शुरुआती मानव भ्रूण बनने लगा था।

कहां हुई सफल और कब आई दिक्कत?

कुछ अंडे शुरुआती भ्रूण में बदल गए, लेकिन कई नहीं बदल पाए। ज्यादातर मामलों में भ्रूण में क्रोमोसोम की संख्या सही नहीं थी। कई भ्रूण में 46 की बजाय 48 क्रोमोसोम मिले। कुछ में क्रोमोसोम गायब थे तो कुछ दोहरी मात्रा में मौजूद नजर आए। बता दें कि इन भ्रूणों को 6 दिनों से ज्यादा बढ़ने की अनुमति नहीं दी गई थी, क्योंकि कानून इसकी अनुमति नहीं देता है। वैज्ञानिकों की माने तो यह पूरी तरह सफल परिणाम तो नहीं है, लेकिन इसने यह साबित कर दिया है कि ऐसा करना संभव है।

इस तकनीक से जुड़े खतरे

कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि इस तकनीक से भविष्य में डिज़ाइनर बेबी बनाने का रास्ता खुल सकता है, जहां पर लोग अपनी पसंद के अनुसार डीएनए चुन पाएंगे। साथ ही यह डर भी है कि किसी व्यक्ति की त्वचा कोशिका चुपके से लेकर उसका जैविक बच्चा बनाना भी संभव हो सकता है।

आईएसएस के बाद कौन होगा अंतरिक्ष का नया राजा?

- भारत-रूस मिलकर एक ही ऑर्बिट में बनाएंगे नया स्पेस स्टेशन

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन का मिशन खत्म होने के बाद भारत और रूस ने अपने-अपने स्पेस स्टेशनों को एक ही कक्षा में रखने का फैसला किया है। इससे दोनों देशों के अंतरिक्ष यात्री एक-दूसरे के स्टेशन पर आसानी से जा सकेंगे, साथ ही मिलकर वैज्ञानिक प्रयोग कर पाएंगे। रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस के प्रमुख दमित्री बकानोव ने अपने भारत दौरे के दौरान इस साझेदारी की घोषणा की है। भारत का आने वाला स्पेस स्टेशन बेस और रूस का रोस दोनों ही 51.6 डिग्री वाले ऑर्बिट में चक्कर लगाएंगे यह आईएसएस की कक्षा भी है। यह कदम दोनों देशों के अंतरिक्ष सहयोग को अलग लेवल पर ले जाएगा। दोनों देशों के बीच नए इंजन, मानव मिशन, ट्रेनिंग और टेक्नोलॉजी पर भी काफी बाते हुई है। रूस पहले अपने रशियन ऑर्बिटल स्टेशन को 96 डिग्री वाले ऑर्बिट में बनाने की तैयारी कर रहा था। हालांकि ,अब भारत के साथ साझेदारी को देखते हुए इसे 51.6 डिग्री पर शिफ्ट करने का फैसला लिया गया है। बकानोव ने बताया है कि यह बदलाव दोनों देशों के लिए फायदेमंद होगा और लंबे समय तक सहयोग बढ़ाने में सहयता मिलेगी।

भारत का बास और रूस का रोस

रूस का रोस (एनर्जिया स्पेस सेंटर) के विकास में मदद करने वाला है। इसका डिजाइन मॉड्यूलर होगा यानी जरूरत के हिसाब से नए मॉड्यूल जोड़े जा सकेगा। डीप स्पेश मिशन और नए स्पेसक्राफ्ट बनाने में इसका इस्तेमाल होगा। वहीं, भारत का बीएएस (भारत अंतरिक्ष स्टेशन) इसरो इसे 2035 तक पूरा करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। बता दें कि हाल ही में भारत ने सफल डॉकिंग टेक्नोलॉजी हासिल की है जिससे बीएएस बनाना और आसान हो गया है।

कब्रों के बीच दबा था 2400 साल पुराना खजाना, खोजा गया 'सबसे अमीर' बलि स्थल

मास्को। रूस के दक्षिणी उराल पर्वतों में वैज्ञानिकों ने 2,400 साल पुराना एक बेहद अनोखा और समृद्ध सैक्रिफिशियल कॉम्प्लेक्स खोजा है। यह जगह दो बड़े शवों का ढूह के बीच मिली। यहां पर सैकड़ों अनोखी वस्तुएं छिपी हुई थीं यह खोज बताती है कि उस समय के घुमंतू लोग सिर्फ दफनाते नहीं थे, बल्कि बार-बार इन स्थलों पर आकर धार्मिक रस्मों को भी निभाते थे। इस सैक्रिफिशियल कॉम्प्लेक्स में बड़ी संख्या में ब्रॉन्ज के घोड़े से जुड़े सामान, आयरन बिट्स, सोने की कलाकृतियां, चांदी जड़ी कटोरी और बलि के लिए रखे गए जंगली सूअर के जबड़े भी पाए गए हैं। पुरातत्वविदों की मानें तो यह अब तक इस क्षेत्र में मिला सबसे ज्यादा वस्तुओं वाला और सबसे अनोखा फ्यूनरल-रिचुअल साइट है।

इस कॉम्प्लेक्स में क्या मिला?

इस जगह से शोधकर्ताओं ने सैकड़ों अलग-अलग प्रकार की दुर्लभ चीजें निकाली हैं। इनमें सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाली चीजें थीं ब्रॉन्ज के घोड़ों के सजावटी हिस्से जैसे ब्रॉन्ज ब्राउबैंड (घोड़े की आंखों के ऊपर का पट्टा), चीक पीस और आयरन बिट्स आदि। ये सभी मिलकर कम से कम 12 प्राचीन घोड़ों के ब्रिडल्स का सेट बना रहे थे। इन सजावटी धातु के टुकड़ों पर बनी आकृतियां थीं कहीं पर पक्षियों, कहीं पुराने जीवों और कई पर मानव चेहरे उकेरे गए थे। साथ ही इसके अलावा एक लकड़ी का कटोरा भी मिला, जिस पर जानवरों की आकृतियों वाली चांदी की परतें जड़ी हुई थीं। वहीं, पास ही बलि में इस्तेमाल किए गए जंगली सुअर के जबड़े भी रखे हुए पाए गए।

आपको बता दें कि गड्ढे के पास ही दक्षिण-पूर्व में एक अलग स्थान पर टीम को एक सोने की पट्टी भी मिली, जिस पर बाघ का सिर और अगला पंजा बना हुआ था। दूसरी ओर उन्हें कांसे की कड़छी और एक पुराना कौल्ड्रन भी मिला, जिससे यह साफ हो जाता है कि वहां पर पहले कोई बड़ी रस्म निभाई गई हो।

खोज इतनी महत्वपूर्ण क्यो?

पुरातत्वविदों का कहना है कि यह सैक्रिफिशियल कॉम्प्लेक्स अब तक का सबसे अमीर इसलिए माना गया है, क्योंकि इसमें वस्तुओं की संख्या बहुत अधिक है। साथ ही कई वस्तुएं नॉर्दर्न काकेशस और ब्लैक सी क्षेत्र से लाई गई थीं। इनमें से कुछ चीजें इस क्षेत्र में पहले कभी नहीं मिली थीं, यह खोज इस बात को साबित करती है कि उराल क्षेत्र की कब्रगाहें सिर्फ दफनाने की जगह नहीं थीं, बल्कि वहां लोग सालों तक लौटकर धार्मिक और अंतिम क्रिया संबंधी रस्में किया करते रहें हों।

तीसरे प्रेमी संग फरार हुई पत्नी, दूसरा पति डेढ़ साल के बच्चे के लिए परेशान

सुरीर। पहले पति को छोड़कर दूसरे के साथ शादी कर लेने और अब दूसरे को छोड़कर तीसरे के साथ चंपत होने के आरोप का मामला सामने आया है। दूसरे पति ने इस मामले की पुलिस से शिकायत करते हुए साथ ले गई बेटे को दिलाने की गुहार लगाई है। मामला थाना सुरीर क्षेत्र के गांव का है।

साथ ले गई बेटे के लिए भटक रहा है दूसरा पति : शिकायतकर्ता का आरोप है कि करीब 14 साल पहले उसकी एक महिला से शादी हुई थी। जो अपने पहले पति को छोड़कर आई थी। शादी के बाद दोनों के दो पुत्र पैदा हो गए। उसकी पत्नी स्वच्छंद विचारों की महिला थी, जो बिना बताए घर से चली जाती थी और पूछने पर झगड़ा करने पर उतारू हो जाती थी। उसे कई बार समझाया, लेकिन अपनी जिद के आगे किसी की बात मानने को तैयार नहीं थी।

आठ महीने पहले काम के लिए बाहर गया था दूसरा पति

आठ माह पहले काम करने के लिए बाहर गए थे, उनकी अनुपस्थिति में पत्नी उनके डेढ़ वर्षीय बेटे को लेकर तीसरे व्यक्ति के साथ चंपत हो गई। वापिस लौटने पर उन्हें इसकी जानकारी हुई। तलाश के दौरान पता चला कि पत्नी डेढ़ वर्षीय बेटा को लेकर इगलास क्षेत्र में एक व्यक्ति के साथ रह रही है। शिकायतकर्ता ने पत्नी से अपने बेटे को दिलाने की मांग की है। थाना पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

कच्चे कपास के आयात पर से शुल्क हटाने का आग्रह

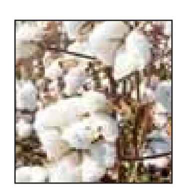

मुंबई। भारतीय कपास संघ (सीएआई) ने सरकार से कच्चे कपास के आयात पर 11 प्रतिशत सीमा शुल्क हटाने का आग्रह किया, क्योंकि कम उत्पादन के कारण घरेलू कीमतें बढ़ रही हैं, जिससे कपड़ा उद्योग प्रभावित हो रहा है। बाजार चुनौतियां, जो कम घरेलू उत्पादकता और उच्च एमएसपी के कारण हैं, ने भारतीय कपास को अन्य प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में महंगा बना दिया है। सीएआई के अध्यक्ष विनय एन कोटक ने कहा, 'भारत में कपास आयात पर लगाया गया 11 प्रतिशत आयात शुल्क न केवल कीमतों को विकृत करता है, बल्कि हमारे कपड़ा उद्योग की परेशानी को भी बढ़ाता है।' उन्होंने कहा कि अगर 11 प्रतिशत आयात शुल्क नहीं हटाया गया, तो भारतीय कपड़ा उत्पाद प्रतिस्पर्धी नहीं रहेंगे, और खरीदार वियतनाम, बांग्लादेश, पाकिस्तान और अन्य बाजारों में चले जाएंगे।

'आपका पैसा, आपका अधिकार' अभियान में हिस्सा लें : प्रधानमंत्री

- पिछले दो माह में 2000 करोड़ की संपत्ति लौटाई गई

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों से 'आपका धन, आपका अधिकार' अभियान में हिस्सा लेने का बुधवार को आग्रह किया। इसके तहत पिछले दो महीनों में 2,000 करोड़ रुपये की बिना दावे वाली संपत्तियां उनके असली मालिकों को सफलतापूर्वक लौटाई गई हैं। सरकार ने चार अक्टूबर को 'आपका पैसा, आपका अधिकार' राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया था। इसका उद्देश्य बैंक जमा, बीमा, लाभांश, शेयर, म्यूचुअल फंड और पेंशन सहित लावारिस पड़ीं वित्तीय संपत्तियों को उनके वैध दावेदारों तक पहुंचाने में मदद करना है। मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, ''सभी हितधारकों खासतौर पर सरकार, नियामक निकायों, बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों के समन्वित प्रयासों से करीब 2,000 करोड़ रुपये पहले ही उनके सही मालिकों को लौटाए जा चुके हैं।

बिना दावे का 78 हजार करोड़ पड़ा हुआ : पीएम ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि भारतीय बैंकों में हमारे ही नागरिकों का बिना दावे का 78,000 करोड़ रुपये पड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि बीमा कंपनियों के पास करीब 14,000 करोड़ रुपये की राशि बिना दावे के पड़ी है। साथ ही म्यूचुअल फंड कंपनियों के पास करीब 3,000 करोड़ रुपये और 9,000 करोड़ रुपये की ऐसी लाभांश राशि रखी है।

अब तक दो लाख से अधिक फर्मों को स्टार्टअप के रूप में मान्यता

- मान्यता प्राप्त फर्म आयकर छूट जैसे प्रोत्साहनों का लाभ उठाने होती है पात्र

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि सरकार ने अब तक दो लाख से अधिक फर्मों को स्टार्टअप के रूप में मान्यता दी है। 'स्टार्टअप इंडिया' पहल के तहत मान्यताप्राप्त फर्म आयकर छूट जैसे प्रोत्साहनों का लाभ उठाने के लिए पात्र हो जाती हैं।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''आज की तारीख तक उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने कुल 2,01,335 स्टार्टअप को मान्यता दी है। इन स्टार्टअप ने देश भर में 21 लाख से अधिक रोजगार सृजित किए हैं। बयान के मुताबिक, उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत 14 क्षेत्रों में जून 2025 तक 1.88 लाख करोड़ रुपये से अधिक का वास्तविक निवेश हासिल किया जा चुका है। पीएलआई योजनाओं के तहत 7.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात भी हुआ है जिसमें इलेक्ट्रॉनिक, औषधि, दूरसंचार व नेटवर्किंग उत्पाद और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्रों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

राशिफल

मेष – कारोबार के कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष – मन परेशान हो सकता है। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है।

मिथुन – परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा।

कर्क – आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में सफलता मिलेगी।

सिंह – बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा।

कन्या – नौकरी में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला – भाग-दौड़ अधिक रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। शैक्षिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक – जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। व्यर्थ की चिंताओं से मन विचलित रहेगा।

धनु – व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

मकर – परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। धन प्राप्ति के मार्ग बनेंगे।

कुंभ – मन प्रसन्न रहेगा। फिर भी आत्मसंयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मीन – तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

एसोचैम अध्यक्ष निर्मल मिंडा ने किया सरकार से आग्रह

वाहन कलपुर्जों पर शुल्क रियायत दे सोच समझकर

- आयात शुल्क में अंधाधुंध कटौती को लेकर किया आगाह
- एमएसएमआई को नुकसान से बचाने रियायत मिले सोच समझकर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एसोचैम के अध्यक्ष निर्मल कुमार मिंडा ने यूरोपीय संघ के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते के तहत मोटर वाहन कलपुर्जों पर आयात शुल्क में अंधाधुंध कटौती को लेकर आगाह किया और कहा कि घरेलू विनिर्माताओं खासतौर पर सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को नुकसान से बचाने के लिए ऐसी रियायतें ''सोच-समझकर'' दी जानी चाहिए। मिंडा ने कहा कि यदि प्रस्तावित समझौते के तहत यूरोपीय संघ (ईयू) को दी जाने वाली शुल्क रियायतों से घरेलू कंपनियों को उन्नत प्रौद्योगिकी, बड़े बाजारों एवं स्थिर आपूर्ति श्रृंखलाओं तक पहुंच मिलती है तो उन पर विचार करना सही होगा खासकर उन उत्पादों के लिए जिनमें भारत को लागत के मामले में लाभ मिलता है।

एमएसएमई को हो सकता है नुकसान

मिंडा ने कहा, हालांकि पूर्ण कटौती से घरेलू आपूर्तिकर्ताओं खासतौर पर एमएसएमई को नुकसान हो सकता है क्योंकि यूरोपीय संघ के घटक अक्सर मजबूत पैमाने, स्वचालन एवं सब्सिडी वाले होते हैं।'' भारत और 27 देशों का यूरोपीय संघ 2007 से एक व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं।

शब्द पहेली - 6074

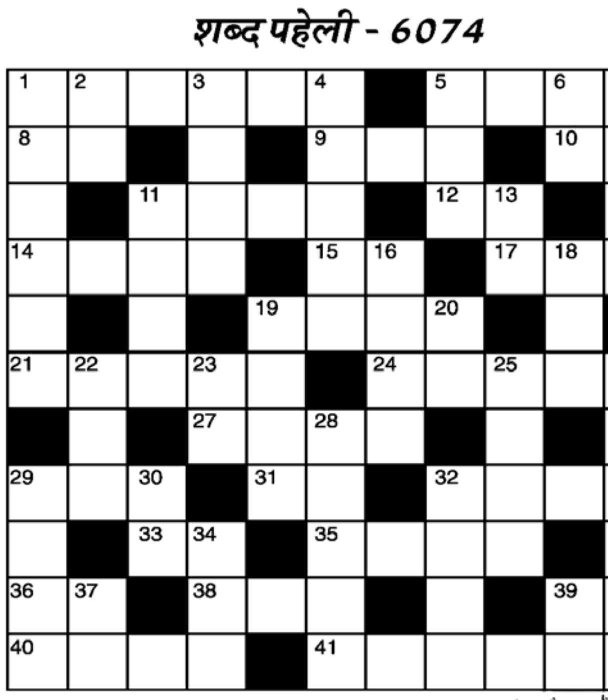

बाएँ से दाए
1. अत्यावश्यक-6
5. कारागार, जेल-4
8. पानी, नीर-2
9. मीन, मत्स्य-3
10. लक्ष्मी, कमला-2
11. कलाकार, फनकार-4
12. मर्द, मादा का विलोम-2
14. हसरत, मुराद-4
15. कैद में, अवरुद्ध, रुका-2
17. भूमि, धरती-3
19. मतवासा, मदहोश-4
21. फिल्मी दुनिया-3,3
24. दुर्भाग्यशाली-5
27. ठोकर लगना, भिड़ना-4
29. दौंडी पीटना-3
31. सांप, सर्प-2
32. दाल-4
33. हूर, अप्सरा-2
35. गाड़ी चलाने वाला-4
36. पिता का छोटा भाई-2
38. पुत्र, बेटा-3
39. टोंटी, नलका-2
40. ललचाना, तड़फाना-4
41. टाऊन हाल, नागरिक भवन-2,4

ऊपर से नीचे
1. ईश्वर, अनश्वर-3,3
2. तेलहन-2
3. सुखद वस्तु, वर देना-4
4. करधनी, कमर पेटी-5
5. गलीचा-3
6. दिन-2
7. समस्या का हल-4
11. धरोहर, थाती-4
13. मिट्टी, धूल-2
16. चमकना-4
18. वायुसेना का एक विमान-3
19. इतराना-4
20. परत-2
22. जाप करना-3
23. किवाड़, द्वार-2
25. उदाहरणतः-4
26. परवरिश-3,3
28. राग छेड़ना-5
29. भेंट, मेल-मिलाप-4
30. दिया, दीपक-2
32. औषधालय, दवाखाना-4
34. खाली होना-3
37. छोटी सवारी गाड़ी-2
39. नया, नवीन-2

शब्द पहेली - 6073 का हल

सूडोकू बवाल - 6084

★★★★☆ कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

MANGAL SENAPATHI, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू बवाल - 6083 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

इन उपायों से कंट्रोल रहेगी थायरॉइड की प्रॉब्लम

अस्त-व्यस्त जीवनशैली और खान-पान से आजकल अनेक लोग थायरॉइड संबंधी समस्या से ग्रस्त हो रहे हैं। ऐसे में अगर आप अपनी जीवनशैली सुधारने के साथ आयुर्वेदिक उपचार करवाएं तो आपको काफी राहत मिल सकती है। इस बारे में जानिए।

रोगोपचार
संध्या रानी

हालांकि थायरॉइड ग्रंथि की कम या अधिक सक्रियता कोई गंभीर बीमारी नहीं है, लेकिन इससे निकलने वाले हार्मोन कई शारीरिक क्रियाओं को संतुलित रखते हैं। जब हार्मोन असंतुलित हो जाते हैं, तो कई तरह की समस्याएं शुरू हो जाती हैं और रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित होती है। थायरॉइड गले में मौजूद तितली के आकार की एक ग्रंथी होती है, जो जरूरी हार्मोन बनाती है। इसके असंतुलन होने से ही यह समस्या पैदा होती है। आजकल थायरॉइड संबंधी समस्या तेजी से बढ़ रही है। हर दूसरे-तीसरे घर में कोई न कोई इसका रोगी मिल जाता है। खास बात यह है कि पुरुषों की तुलना में महिलाएं इससे ज्यादा प्रभावित होती हैं, क्योंकि महिलाओं के शरीर में कई अन्य हार्मोन उनके पीरियड्स, गर्भावस्था संबंधी प्रक्रियाओं को कंट्रोल करते हैं।

दो प्रकार की समस्या: थायरॉइड की समस्या दो तरह की होती है। एक हाइपरथायरॉइडिज्म और दूसरा हाइपोथायरॉइडिज्म। दोनों ही स्थितियों में शरीर का हार्मोन स्तर प्रभावित होता है।

हाइपरथायरॉइडिज्म: इसमें सबसे पहले रोगी का वजन कम होने लगता है, घबराहट बढती है, चिड़चिड़ापन होता है, दिल की धड़कन तेज हो जाती है, पसीना अधिक आता है, गर्मी ज्यादा लगती है, हाथ-पैर कांपने लगता है, नींद कम होने लगती है। जब इस तरह के लक्षण दिखाई देने लगे तब जांच जरूर कराना चाहिए।

हाइपोथायरॉइडिज्म: इसमें लगातार थकान रहती है, वजन बढ़ने लगता है, दिल की धड़कन धीमी हो जाती है, ठंड ज्यादा लगती है और कभी-कभी मूड भी स्विंग करता है। इसके अलावा बालों का झड़ना, त्वचा का रूखा होना, डिप्रेशन होना आदि लक्षण दिखाई दें, तो ऐसी स्थिति में डॉक्टर से जरूर कंसल्ट करें।

आयुर्वेद उपचार में यह देखा जाता है कि रोगी की उम्र क्या है? यह बीमारी कितने साल से है? वह नौकरी किस तरह की करते हैं? इनकी जीवनशैली कैसी? इनका पेट साफ रहता है या नहीं, तनाव में तो नहीं रहते हैं? इनके आधार पर रोगी की जांच की जाती है।

क्या खाएं-क्या न खाएं: इस समस्या से राहत पाने के लिए यह जानना बेहद आवश्यक है कि भोजन में क्या खाना चाहिए और क्या नहीं? थायरॉइड संबंधी रोग में मेटाबॉलिज्म कमजोर हो जाता है, इसलिए वही चीजें खानी चाहिए, जो आसानी से पच जाएं। खाने में गेंहू की रोटी की जगह जौ की रोटी खाएं। इससे पेट भी हल्का रहेगा और यह आसानी से पच भी जाता है। सफेद चावल की जगह भूरे चावल खाएं। टोफू और सोयाबीन न खाएं। इसके साथ ही पनीर, चीज, मोयोनेज से दूरी रखें। जहां तक हो सके तला, भुना खाने से परहेज करें। भोजन के लिए समय जरूर निश्चित करें और हमेशा समय पर ही भोजन कर लें। भोजन हमेशा हल्का लें। इसके अलावा अपनी दिनचर्या को नियंत्रित रखें। रात में 10 बजे तक सोने की आदत डालें।

योग को अपनाएं: अपनी दिनचर्या में योग को जरूर जगह दें, ताकि शरीर के साथ आपका मन भी स्वस्थ रहे, क्योंकि मन और शरीर एक-दूसरे से जुड़े होते हैं। अगर आपका मन मजबूत है, तो आप किसी भी बीमारी से आसानी से उबर सकते हैं। जीवन में चाहे जितनी भी व्यस्तता हो, पर अपने लिए दस मिनट का समय निकालना मुश्किल नहीं होना चाहिए। थायरॉइड में उज्जयी, भस्त्रिका, कपालभाति और भ्रामरी प्राणायाम बहुत मदद करते हैं। इसके अलावा हलासन भी करें। अपने को स्वस्थ रखने के लिए जीवन में कुछ संयम और नियम रखना बेहद जरूरी होता है।

मौसमी फल-सब्जियां खाएं: हमेशा मौसम के अनुसार ही पके फल और पकी सब्जियां खाएं। कच्ची सब्जियां और सलाद पाचन पर अधिक जोर डालते हैं, इसलिए इन्हें खाने से जहां तक हो सके बचें। दही की जगह छाछ का प्रयोग करें। इसके अलावा घी को अपने भोजन में जरूर शामिल करें, क्योंकि इसमें कई विटामिन होते हैं और यह आसानी से पच भी जाता है। इसके साथ ही सौंफ, पिपली और काली मिर्च को बराबर मात्रा में मिलाकर पीस लें और थोड़ी मात्रा में लेते रहें, यह पाचन के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। *

(आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. अमृता शर्मा से बातचीत पर आधारित)

पंचकर्मा उपचार

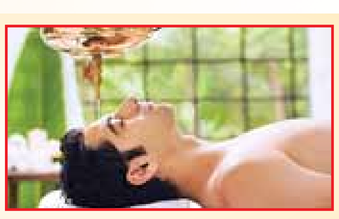

इसे मानस प्रकृति परीक्षण भी कहा जाता है। सात प्रकार की प्रकृति होती है। आयुर्वेद में यह एक डिटॉक्स थेरेपी है। इस उपचार के द्वारा शरीर के विषाक्त पदार्थों को बाहर निकाल कर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जाता है। जब मौसम बदलता है तब यह क्रिया की जाती है। यह उपचार कोई भी करवा सकता है।

अवेयरनेस
डॉ. मोनिका शर्मा

जाड़े के मौसम में देश के अनेक शहरों में वायु प्रदूषण की समस्या गंभीर रूप धारण कर लेती है। एक्यूआई इतना खराब हो जाता है कि सांस लेने में परेशानी होने लगती है। ऐसे में केवल बच्चे, बूढ़े और बीमार लोगों को ही नहीं स्वस्थ लोगों को भी कुछ सावधानियां बरतनी जरूरी है। यहां बताए जा रहे उपायों को अपनाकर आप वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों से काफी हद तक बचे रह सकते हैं।

बरकरार है वायु प्रदूषण का संकट कारगर उपायों से मिलेगी राहत

दमघोंटू हवा, इन दिनों देशभर के कई राज्यों में स्वास्थ्य से जुड़ा बड़ा संकट बनी हुई है। प्रदूषण की मार बच्चों से लेकर बड़ों तक, सभी झेल रहे हैं। सेहत से जुड़ा हर पहलू हवा की गुणवत्ता से प्रभावित होता है। तकलीफदेह है कि सर्दियों में तो एयर क्वालिटी और खराब हो जाती है। हमें चारों ओर से घेरते धूल और धुएं के गुबार को काबू करने के लिए कई मोर्चों पर प्रभावी कदम उठाने की दरकार है, पर ठंड के इस मौसम में प्रदूषण के वार से अपनी सेहत को बचाने के लिए छोटे-छोटे सहज से तौर-तरीके जरूर कारगर साबित हो सकते हैं।

स्वच्छता का रखें ध्यान

घर के बाहर सांस लेने लायक हवा को बनाए रखना मुश्किल है। लेकिन घर के भीतर साफ-सफाई का ध्यान रखकर हवा को शुद्ध रखा जा सकता है। इसके लिए इन दिनों जितना अधिक संभव हो अपने घर की खिड़कियां और दरवाजे बंद रखने चाहिए। इससे बाहर की धूल, धुआं और प्रदूषक तत्व घर में प्रवेश नहीं कर पाएंगे। साथ ही सफाई के लिए ज्यादा झाड़-पोंछ भी न करें। ठंड से राहत पाने के लिए घर के भीतर कोयला आदि जलाने से भी बचें। घर के भीतर हवा शुद्ध करने वाले पौधे यानी एयर प्यूरीफाइंग प्लांट्स लगाना भी काफी कारगर उपाय हो सकता है।

इन उपायों पर भी करें अमल

बार-बार अच्छे से हाथ भी धोते रहें। खासकर जब घर के बाहर से आएं तो अच्छे से हाथ धोना जरूरी है। हाथों को साफ रखने की यह सजगता स्किन पर जमे प्रदूषण के कण यानी पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) को हटाने के लिए बहुत जरूरी है। असल में पीएम कण हवा में मौजूद सूक्ष्म ठोस कण या तरल बूंदें होती हैं। ये कण सांस के जरिए तो शरीर में जाते ही हैं, गंदे हाथों से खाना खाने और शरीर के दूसरे अंगों को छूने पर भी नुकसानदेह साबित होते हैं। यहां तक कि स्किन इंफेक्शन होने का भी खतरा रहता है। इन दिनों गरम पानी से गरारे कर गले को साफ करने की एक्टिविटी को भी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। इससे भी हवा में मिले धूल और धुएं के कणों के शरीर में पहुंचने पर बहुत हद तक काबू पाया जा सकता है।

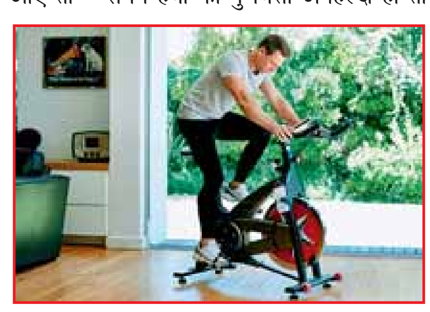

रेग्युलर एक्सरसाइज करना है बहुत फायदेमंद

ठंड के मौसम में शारीरिक सक्रियता से दूरी न बनाएं। हालांकि स्मॉग से ढंकी सुबह या शाम कसरत करने के लिए सही नहीं पर घर के अंदर योगाभ्यास, ट्रेडमिल, इंडोर साइक्लिंग आदि के जरिए खुद को एक्टिव रखें। विशेष रूप से सुबह और शाम के समय हवा की गुणवत्ता अनहेल्दी हो तो स्वास्थ्य जोखिम बढ़ाने वाली होती है। ऐसे में प्रदूषण के समय घर के बाहर जाकर एक्सरसाइज करने के बजाय, घर के अंदर ही व्यायाम, योग या किसी भी तरह की कसरत करना सही रहता है।

ये एक्टिविटीज करने से बचें

प्रदूषित हवा में तेज दौड़ने या हाई-इंटेंसिटी एक्सरसाइज जैसे जंप स्क्वैट्स, माउंटेन क्लाइंबर्स, स्प्रिंट्स और पुश-अप्स जैसे व्यायाम करने से बचें। असल में हाई-इंटेंसिटी एक्सरसाइज करते हुए व्यक्ति बहुत तेज और गहरी सांस भरता है। इस कंडीशन में समझना मुश्किल नहीं कि सामान्य की तुलना में फेफड़ों में ज्यादा प्रदूषक तत्व पहुंचते हैं। तकनीकी सुविधाओं के इस दौर में कसरत के लिए बाहर निकलने से पहले अपने क्षेत्र की एयर क्वालिटी यानि एक्यूआई को भी जांचें। पार्क में सैर या सहज रूप से वॉक पर जाने के लिए अच्छी क्वालिटी के मास्क का उपयोग करना भी आपकी सेहत सहेजने में मददगार बनेगा।

खान-पान भी हो पौष्टिक

शरीर की अच्छी रोग प्रतिरोधक क्षमता, प्रदूषण से लड़ने में भी मदद करती है।

इसीलिए इन दिनों फल और सब्जियों का भरपूर मात्रा में सेवन करें। परंपरागत रूप से भी इन दिनों खाया जाने वाला भोजन इम्यूनिटी बढ़ाने वाला ही लेना चाहिए। हरी पत्तेदार सब्जियां, मोटे अनाज, घी, आंवला आदि का सेवन अधिक करें। ऐसी सभी चीजें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाती हैं। खासकर विटामिन-सी के सेवन से शरीर को मिलने वाले एंटी-ऑक्सीडेंट्स इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाते हैं। इसके लिए संतरा, गाजर और आंवला जैसे फल जरूर खाएं। इससे आपकी इम्यूनिटी बूस्ट होगी और प्रदूषण के दुष्प्रभावों का सामना करने की शक्ति आपके भीतर उत्पन्न होगी।

इनका सेवन है लाभकारी

ठंड के मौसम में तुलसी, अदरक, कच्ची हल्दी या दूसरी हर्बल चीजों से बनी चाय भी गले को साफ रखने में मदद करती हैं। साथ ही सूप, दूध और नीबू-शहद का गर्म पानी जैसे गर्म पेय प्रदूषण और स्मॉग के असर को कम करने में मददगार बनते हैं। इन ड्रिंक्स के साथ दालचीनी, काली मिर्च और सोंठ जैसे मसालों का संतुलित मात्रा में उपयोग करना तो इन्हें स्वास्थ्य रक्षा करने वाले पेय पदार्थ बना देता है। साथ ही इनके नियमित सेवन से आपका शरीर हाइड्रेटेड भी रहता है। यहां बताए गए परंपरागत तौर-तरीकों और मौजूदा समय की जरूरत के अनुसार जागरूकता का यह मेल प्रदूषण के घेरे में भी बहुत हद तक आपका स्वास्थ्य सहेजने में सहायक होगा। *

डॉक्टर्स एडवाइस
डॉ. दीपक भंगाले
गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट-कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, नवी मुंबई

पाचन तंत्र के बिगड़ने से कब्ज की समस्या होती है। इससे बचाव के लिए जीवनशैली और खान-पान की आदतों में सुधार करना जरूरी है। कब्ज जागरूकता माह (दिसंबर) के अवसर पर आपको इस बारे में दे रहे हैं बहुत उपयोगी जानकारियां।

कब्ज की समस्या से ऐसे मिलेगा छुटकारा

वास्तव में कब्ज अपने में कोई बीमारी नहीं है लेकिन यह पाचन तंत्र संबंधी कई स्वास्थ्य समस्याओं को बुलावा दे सकती है।

कभी-कभार होने वाली कब्ज की समस्या विभिन्न उपायों पर अमल करने से दूर हो जाती है, लेकिन अगर कब्ज की समस्या काफी दिनों तक लगातार बनी रहती है तो उसे पुराना कब्ज (क्रॉनिक कॉन्स्टिपेशन) कहा जाता है। ऐसा कब्ज व्यक्ति के स्वास्थ्य और उसके जीवन की गुणवत्ता पर प्रतिकूल असर डालता है। इसलिए कब्ज को हल्के में लेना सही नहीं है।

इसलिए होता है कब्ज: कब्ज होने की कई वजहें हो सकती हैं। भोजन में साबुत अनाजों के स्थान पर मैदा निर्मित खाद्य पदार्थों को वरीयता देना, जीवनशैली में शारीरिक श्रम और व्यायाम को महत्व न देना और जंक फूड्स और चिकनाई युक्त खाद्य पदार्थों को आहार में वरीयता देना, पर्याप्त मात्रा में पानी न पीना, फाइबर युक्त डाइट (जैसे- फल, ड्राई फ्रूट्स, हरी सब्जियां और बींस आदि) कम लेना या फिर न लेना, एक निश्चित समय पर भोजन न करना, देर रात खान-पान। अकसर तनावग्रस्त या चिंतित रहने वाले लोग कब्ज के शिकार होते हैं, क्योंकि तनावपूर्ण स्थिति में जो हार्मोन रिलीज होते हैं, वे आंतों के मूवमेंट पर प्रतिकूल असर डालते हैं। उम्र बढ़ने के साथ खासकर वृद्धों में आंतों का मूवमेंट स्वाभाविक रूप से कम होने लगता है। हाइपर थायरॉइडिज्म होना या फिर शरीर में हार्मोंस का असंतुलन। लिवर या पेट से संबंधित किसी बीमारी से ग्रस्त होना। मधुमेह की समस्या भी कब्ज उत्पन्न कर सकती है। गर्भवती महिलाएं और ऐसी महिलाएं जिनकी गायनेकोलॉजिकल सर्जरी हो चुकी है, उनके पेट की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं, जिसके कारण वे अकसर कब्ज की समस्या से ग्रस्त हो सकती हैं। रक्त में कैल्शियम की मात्रा कम होना, धूम्रपान, मद्यपान या फिर अन्य मादक पदार्थों का सेवन करना, रोज लगभग 6 से 8 घंटे की गहरी नींद न लेना, कुछ एंटीबायोटिक्स और पेनकिलर्स लेने वालों में कब्ज की समस्या उत्पन्न कर सकते हैं। भूख से कम मात्रा में खाना। स्वाद के फेर में भूख न होने के बावजूद कई बार खाना-पीना। डाइटिंग करना। रात में खाने के तुरंत बाद सोना।

कब्ज के लक्षण: ये लक्षण कब्ज के हो सकते हैं।

- पेट का फूलना और पेट दर्द।
- भूख न लगना।
- पेट में गैस बनना या भारीपन होना।
- मल के बहुत कड़ा हो जाने के कारण टॉयलेट सीट पर बैठकर पेट पर बहुत ज्यादा जोर लगाना।
- आलस्यग्रस्त होना।
- किसी कार्य में मन न लगना।
- 7 से 8 घंटे की नींद न ले पाना।
- सिर दर्द होना या सिर भारी होना।
- जीभ के ऊपर सफेद या मटमैली परत होना, छाले पड़ना।
- थकान या कमजोरी महसूस करना।
- चक्कर आना या जी मिचलाना।
- सीने में जलन महसूस करना।

पुराने कब्ज से होने वाली जटिलताएं: इससे कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। कब्ज की पुरानी समस्या (क्रॉनिक कॉन्स्टिपेशन) बवासीर के अलावा गुदा संबंधी अन्य रोगों जैसे भगंदर और फिसर के जोखिम को बढ़ा देती है। इससे आंतों में एक विशेष प्रकार का उभार (बल्ज) बन जाता है, जिसे मेडिकल भाषा में 'आउटपाउचिंग' कहते हैं। ऐसी स्थिति में आंतों में संक्रमण हो सकता है या फिर ये सिकुड़ सकती हैं। कई लोग डॉक्टर के परामर्श के बगैर कब्ज दूर करने वाली दवाएं लैक्सेटिव्स या जुलाब लेने लगते हैं। ऐसी दवाओं के साइड या आफ्टर इफेक्ट्स हो सकते हैं। अकसर लोग लैक्सेटिव्स के आदी बन जाते हैं। पुराने कब्ज की समस्या आंतों या कोलन कैंसर का कारण बन सकती है।

ऐसे होगी रोकथाम: उपरोक्त जिन कारणों से कब्ज उत्पन्न होता है, उन कारणों को दूर करना ही कब्ज की रोकथाम करना है। जैसे- जंक फूड्स से परहेज करें। अपने आहार में फाइबर्स (मौसमी फलों, हरी पत्तेदार सब्जियों और बींस) को वरीयता दें।

अपनी शारीरिक क्षमता और उम्र के अनुसार नियमित रूप से व्यायाम करें। व्यायाम करने से पूर्व अपने डॉक्टर और फिटनेस एक्सपर्ट से परामर्श लेना हितकर है। प्यास लगने के अलावा भी पानी पीने की आदत डालें। कोई भी मौसम हो लगभग 2 लीटर पानी और तरल पदार्थ जैसे सूप आदि लें। कब्ज दूर करने में पपीता किसी वरदान से कम नहीं। इसके अलावा अमरूद, संतरा और सेब पौष्टिक होने के साथ कब्ज दूर करने में भी सहायक हैं। भूख से कम भी न खाएं और भूख से ज्यादा भी न खाएं। भोजन को अच्छी तरह चबाकर तरल रूप में निगलें। देर रात भोजन से परहेज करें। रात में भोजन करने के बाद तुरंत न सोएं। सोने से पूर्व लगभग 200-250 कदम टहलें। मैदा और अत्यधिक चिकनाईयुक्त आहार के स्थान पर साबुत अनाजों को वरीयता दें।

उपचार: कब्ज की गंभीर और जटिल स्थिति में डॉक्टर कुछ समय के लिए दवाएं, लैक्सेटिव्स देते हैं। प्रत्येक रोगी की समस्या के मद्देनजर उसके लक्षणों के आधार पर इलाज सुनिश्चित किया जाता है। जैसे पेटदर्द और सिरदर्द आदि के लिए अलग-अलग दवाएं देते हैं। लेकिन कभी भी कोई दवा अपने मन से नहीं लेनी चाहिए। कब्ज खासकर पुराने कब्ज की समस्या दूर करने में एनिमा लेना अत्यंत लाभप्रद है। आंतों में एकत्र मल की सफाई करने में एनिमा काफी कारगर है, लेकिन एनिमा लेने से पहले चिकित्सक से परामर्श लें। कब्ज की समस्या का स्थाई इलाज सकारात्मक जीवनशैली में निहित है। सकारात्मक जीवनशैली के अंतर्गत प्रमुख तौर पर समुचित शारीरिक श्रम, नियमित व्यायाम और उपयुक्त खानपान को शामिल किया जाता है। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

लिवरपूल की आत्मविश्वासी जीत, इंटर मिलान को दी मात

चैंपियंस लीग : बार्सिलोना और बायर्न म्यूनिख ने की शानदार वापसी, मनाया जीत का जश्न

एजेंसी ▶▶| लंदन

स्टार स्ट्राइकर मोहम्मद सालाह को टीम से बाहर किए जाने के बावजूद लिवरपूल ने पेनल्टी पर किए गए गोल के दम पर चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में इंटर मिलान को 1-0 से हराकर आत्मविश्वास बढ़ाने वाली जीत हासिल की। बार्सिलोना और बायर्न म्यूनिख ने भी शानदार वापसी करते हुए जीत का जश्न मनाया, जबकि चेल्सी को हार का सामना करना पड़ा।

लिवरपूल की तरफ से नियमित पेनल्टी लेने वाले सालाह के टीम से बाहर होने के कारण डोमिनिक स्जोबोस्ज़लाई को यह भूमिका निभानी पड़ी। उन्होंने हालांकि टीम को निराश नहीं किया और 88वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करके प्रतियोगिता में अब तक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली टीमों में शामिल इंटर मिलान के विजय अभियान पर रोक लगाई।

17 वर्षीय कार्ल का शानदार प्रदर्शन जारी

बायर्न म्यूनिख के 17 वर्षीय मिडफील्डर लेनार्ट कार्ल ने चैंपियंस लीग में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा, जिससे उनकी टीम ने स्पोर्टिंग लिस्बन पर 3-1 से जीत हासिल की। इससे बायर्न आर्सेनल के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। कार्ल ने चैंपियंस लीग के चार मैचों में तीसरा गोल किया। स्पोर्टिंग को जोशुआ किमिच के आत्मघाती गोल से बढ़त मिलने के बाद बायर्न ने 12 मिनट में तीन गोल दागकर मैच का रुख पलट दिया। सर्ज ग्नाब्री ने 65वें मिनट में बायर्न के लिए बराबरी का गोल दागा। इसके बाद 69वें मिनट में कार्ल ने और 77वें मिनट में डिफेंडर जोनाथन टाह ने गोल किए। चेल्सी को लगभग तीन महीने में पहली बार चैंपियंस लीग में हार का सामना करना पड़ा।

लगातार दूसरी बार एमएलएस के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए मेस्सी

फोर्ट लॉडरडेल। इंटर मियामी के स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेस्सी को मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में लगातार दूसरी बार साल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। अर्जेंटीना के इस 38 वर्षीय दिग्गज खिलाड़ी के शानदार प्रदर्शन से उनकी टीम इंटर मियामी वर्ष की सर्वश्रेष्ठ टीम का पुरस्कार हासिल करने में सफल रही। एमएलएस कप चैंपियन टीम के कप्तान मेस्सी एमएलएस के इतिहास में लगातार दो बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (एमवीपी) का खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्हें लीग के इस साल के सर्वोच्च व्यक्तिगत सम्मान का विजेता घोषित किया गया। मेस्सी ने अपने साथियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके बिना यह पुरस्कार जीतना संभव नहीं था। वह लीग के इतिहास में दो बार सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल करने वाले दूसरे खिलाड़ी भी बन गए हैं। उनसे पहले प्रेकी ने 1997 और 2003 में यह पुरस्कार जीता था।

खबर संक्षेप

कार्तिक बने लंदन स्पिरिट के मेंटर

लंदन। पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को द हंड्रेड की टीम लंदन स्पिरिट का मेंटर (मार्गदर्शक) और बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया गया है। फ्रेंचाइजी ने यह घोषणा की है। कार्तिक पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग से इतर सहयोगी स्टाफ की भूमिका निभाएंगे। वह आईपीएल चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ इसी भूमिका में काम करते हैं। लंदन स्पिरिट के क्रिकेट निदेशक बोबाट ने कहा, 'डीके (दिनेश कार्तिक) का लंदन स्पिरिट में स्वागत करना हमारे लिए खुशी की बात है। उन्हें क्रिकेट का बहुत अच्छा ज्ञान है और खेल के सबसे छोटे प्रारुप में फ्रेंचाइजी क्रिकेट में उनका व्यापक अनुभव हमारे लिए अमूल्य साबित होगा।'' कार्तिक ने आईपीएल 2024 के बाद घरेलू क्रिकेट में एक खिलाड़ी के रूप में अपना करियर समाप्त कर दिया था, लेकिन वे अन्य लीग में खेलते हैं। 40 वर्षीय कार्तिक वर्तमान में यूएई की आईएलटी20 लीग में शारजाह वॉरियर्स की टीम में शामिल हैं।

16 फरवरी से भारतीय निशानेबाजी लीग

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाजी लीग (एसएलआई) के पहले सत्र का आयोजन अगले साल 16 से 26 फरवरी तक किया जाएगा। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने यह जानकारी दी।

बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से टकराव से बचने के लिए अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ(आईएसएसएफ) के 2026 कैलेंडर के हिसाब से तारीखें तय की गई हैं। लीग को इससे पहले 2026 की शुरुआत तक टाल दिया गया था। फ्रेंचाइजी आधारित इस लीग में कई शीर्ष भारतीय और अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज पिस्टल, राइफल और शॉटगन वर्ग में मिश्रित टीम प्रारुप में मुकाबला करेंगे। एनआरएआई अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने कहा, 'एसएलआई हमारे खेल के लिए एक मील का पत्थर है, जो फ्रेंचाइजी आधारित, खिलाड़ियों को तरजीह देने वाला है और अधिक से अधिक प्रतिनिधित्व के लिए वैश्विक कैलेंडर के हिसाब से है।'

9 मार्च से पहली राष्ट्रमंडल खो-खो चैंपियनशिप

नई दिल्ली। अगले साल 9 से 14 मार्च तक भारत में होने वाली पहली राष्ट्रमंडल खो-खो चैंपियनशिप में 24 से ज्यादा देश शिरकत करेंगे। हालांकि इसके लिए भारत में जगह अभी तय नहीं हुई है।

राष्ट्रमंडल खेल (सीएस) की भारत में चैंपियनशिप के लिए मंजूरी मिलने के बाद भारतीय खो-खो महासंघ जगह तय करने के लिए कई राज्यों से बात कर रहा है। इस टूर्नामेंट में पुरुषों की 16 और इतनी ही महिलाओं की टीम हिस्सा लेंगी। यह टूर्नामेंट इस साल जनवरी में दिल्ली में हुए पहले खो-खो विश्व कप की तरह होगा, जिसमें 23 देशों ने हिस्सा लिया था।

टीम इंडिया को सीरीज में अजेय बढ़त का मौका, भिड़ंत शाम 7 बजे से

शुभमन की धुआंधार पारी का इंतजार द.अफ्रीका के खिलाफ मुकाबला आज

एजेंसी ▶▶| मुल्लांपुर (न्यू चंडीगढ़)

अभी तक सबसे छोटे प्रारुप में अपनी छाप छोड़ने में नाकाम रहे शुभमन गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 11 दिसंबर को होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अपने घरेलू मैदान पर फॉर्म में वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। पांच मैचों की इस श्रृंखला के पहले दो मैचों के बीच केवल एक दिन का अंतराल है और ऐसे में गिल को सीधे मैदान पर उतरकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

भारत ने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका को 101 रन से करारी शिकस्त दी लेकिन सितंबर में एशिया कप में टी20 टीम में वापसी करने वाले गिल का औसत प्रदर्शन अभी भी चर्चा का विषय बना हुआ है। गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में कप्तान के रूप में शानदार प्रदर्शन किया था लेकिन टी20 में वह अपनी इस सफलता को नहीं दोहरा पाए हैं, जिससे उन पर दबाव बनना स्वाभाविक है।

अभिषेक का शीर्ष क्रम में अच्छा प्रदर्शन

संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा शीर्ष क्रम में अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे, फिर भी टीम प्रबंधन ने गिल की टी20 सलामी बल्लेबाज के रूप में क्षमता पर अधिक भरोसा दिखाया। इसके बाद संजू की टीम में जगह अनिश्चित हो गई। टेस्ट और वनडे कप्तान गिल आसानी से वह भूमिका निभा सकते हैं, जो विराट कोहली ने पिछले साल टी20 विश्व कप तक भारत के लिए निभाई थी। भारतीय टीम में आठवें नंबर तक बल्लेबाजी के विकल्प मौजूद हैं और उसने अब अपने निडर दृष्टिकोण को और मजबूत कर लिया है, जिससे एक सूत्रधार के लिए बहुत कम जगह बची है। गिल निश्चित रूप से पावरप्ले में अभिषेक शर्मा की तरह आक्रामक बल्लेबाजी नहीं कर सकते हैं और इसलिए उन्हें यह पता लगाना होगा कि वह अपनी भूमिका कैसे अच्छी तरह निभा सकते हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन भी अगले साल फरवरी मार्च में होने वाले विश्व कप से पहले चिंता का विषय बना हुआ है। उनका विश्व कप से पहले फॉर्म में लौटना भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

दक्षिण अफ्रीका के लिए बल्लेबाजी चिंता का विषय

दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका के लिए बल्लेबाजी चिंता का विषय होगा क्योंकि उसकी टीम 176 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए केवल 74 रन पर आउट हो गई। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्क्रम ने भी स्वीकार किया कि उनके बल्लेबाज परिस्थितियों के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए। मार्क्रम ने पहले मैच के बाद कहा, 'आजकल टी20 क्रिकेट में चीजों को समझने का ज्यादा समय नहीं मिलता। लेकिन सबसे बड़ा कारण स्पष्ट रूप से साझेदारी न बना पाना, विकेट गिरने के बाद संभल न पाना और लय न बना पाना था। हमें इस पर गौर करना होगा।'

टीमें इस प्रकार

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर, हर्षित राणा, संजू सैमसन।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्क्रम (कप्तान), क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, डोनोवन फरेरा, मार्को यानसन, केशव महाराज, लूथो सिपाम्ला, एनरिक नोर्किया, लुंगी एनगिडी, जॉर्ज लिंडे, क्वेना मफाका, रीजा हेंड्रिक्स, कॉर्बिन बॉश, ओटनील बार्टमैन।

आईसीसी रैंकिंग

रोहित टॉप पर बरकरार दूसरे स्थान पर कोहली

एजेंसी ▶▶| दुबई

आईसीसी ने 10 दिसंबर को हफ्ते की ताजा रैंकिंग जारी कर दी हैं। इस बार की रैंकिंग में एक खास नजारा देखने को मिला है। वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में रोहित शर्मा टॉप पर बरकरार हैं, वहीं विराट कोहली दूसरे स्थान पर आ गए हैं। रोहित के 781 रेटिंग पॉइंट्स हैं तो विराट के हैं 773 रेटिंग अंक। वहीं केएल राहुल अब 14वें से 12वें स्थान पर आ गए हैं तो श्रेयस अय्यर को नुकसान हुआ है। अय्यर चोट के कारण टीम से बाहर चल रहे हैं। वह अब 9वें से 10वें स्थान पर खिसक गए हैं। टीम इंडिया के वनडे कप्तान शुभमन गिल पांचवें स्थान पर बने हुए हैं। इसके अलावा टी20 इंटरनेशनल में अभिषेक शर्मा नंबर 1 पर अपनी बादशाहत को बरकरार रखे हुए हैं।

चक्रवर्ती बिना किसी प्रतिस्पर्धा के नंबर 1 पर

उनके अलावा टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में वरुण चक्रवर्ती 782 रेटिंग अंक के साथ बिना किसी प्रतिस्पर्धा के नंबर 1 पर बने हुए हैं। उनके बाद दूसरे स्थान पर हैं जैकब डफी जिनके 699 अंक हैं। टेस्ट गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह टॉप पर हैं और टेस्ट ऑलराउंडर में रविंद्र जडेजा टॉप पर काबिज हैं।

कुलदीप और पंड्या को फायदा : लदीप यादव को भी ताजा रैंकिंग में फायदा हुआ है। वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में उन्हें साउथ अफ्रीका वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन का फल मिला है। वह अब छठे से तीसरे स्थान पर आ गए हैं। टॉप 10 वनडे गेंदबाजों में कुलदीप अकेले भारतीय बॉलर हैं। अगर हार्दिक पंड्या की बात करें तो साउथ अफ्रीका के खिलाफ कटक टी20 में उन्होंने वापसी ही की थी। वापस आते ही 28 गेंद पर उन्होंने 59 रन बनाए। अगले ही दिन अब टी20 ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में हार्दिक सातवें से चौथे स्थान पर आ गए। टीम रैंकिंग में भारत वनडे और टी20 में नंबर 1 पर बरकरार है।

वेलिंगटन टेस्ट

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज को 205 रन पर समेटा

एजेंसी ▶▶| वेलिंगटन

न्यूजीलैंड ने तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर के चोटिल होने से पहले किए गए शानदार प्रदर्शन की मदद से वेस्टइंडीज को दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन बुधवार को पहली पारी में 205 रन पर आउट कर दिया।

टिकनर ने 32 रन देकर चार विकेट लिए लेकिन क्षेत्ररक्षण करते समय वह गिर गए और उनके कंधे में चोट लग गई। इसके बाद उन्हें स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर ले जाया गया। टिकनर को अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे माइकल रे से अच्छा सहयोग मिला। उन्होंने 65 रन देकर तीन विकेट लिए, जिससे वेस्टइंडीज की टीम 75 ओवर में ही सिमट गई।

न्यूजीलैंड ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में बिना किसी नुकसान के 24 रन बनाए हैं। उस समय डेवोन कॉनवे 16 और कप्तान टॉम लैथम सात रन पर खेल रहे थे। न्यूजीलैंड इस तरह से वेस्टइंडीज से पहली पारी में 181 रन पीछे है। टिकनर की चोट से न्यूजीलैंड के चोटिल खिलाड़ियों की सूची में एक और नाम जुड़ गया है। उसकी टीम पहले से ही मैट हेनरी, विल ओरुर्क, बेन सियर्स, नाथन स्मिथ और काइल जैमीसन जैसे तेज गेंदबाजों के बिना खेल रही हैं। विकेटकीपर टॉम ब्लंडेल भी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण इस मैच में नहीं खेल रहे हैं। उनकी जगह मिशेल हे को टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण का मौका मिला।

वेस्टइंडीज ने आखिरी 6 विकेट 29 रन के अंदर गंवाए

कुछ विषम परिस्थितियों के बावजूद पहले टेस्ट को ड्रा कराने वाली वेस्टइंडीज की टीम आत्मविश्वास के साथ मैदान पर उतरी लेकिन उसके बल्लेबाज क्राइस्टचर्च में दूसरी पारी की तरह प्रदर्शन नहीं कर पाए। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद अच्छी शुरुआत की। जॉन कैंपबेल (44) और ब्रैंडन किंग (33) ने पहले विकेट के लिए 66 रन जोड़े, जो 21 पारियों में वेस्टइंडीज की तरफ से पहले विकेट के लिए सर्वश्रेष्ठ साझेदारी है। लंच के समय वेस्टइंडीज का स्कोर दो विकेट पर 92 रन और चायकाल तक चार विकेट पर 175 रन था लेकिन इसके बाद उसकी पारी लड़खड़ा गई। उसने अपने आखिरी छह विकेट 29 रन के अंदर गंवाए। पहले टेस्ट की पहली पारी में अर्धशतक और दूसरी पारी में शतक बनाने वाले शाई होप ने टीम की तरफ से सर्वाधिक 48 रन बनाए।

मानसिक मजबूती की परीक्षा लेती हैं चोटें : हार्दिक

कटक। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का मानना है कि चोटिल होने के कारण बाहर हो जाने के बाद वह सकारात्मक मानसिकता से ही 'दमदार और बेहतर वापसी' करने में सफल रहे। एशिया कप के दौरान चोटिल होने वाले इस 32 वर्षीय खिलाड़ी ने भारतीय टीम में शानदार वापसी करते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 28 गेंद पर नाबाद 59 रन की तूफानी पारी खेली और फिर 16 रन देकर एक विकेट लिया। भारत ने इस मैच में 101 रन से बड़ी जीत हासिल की।

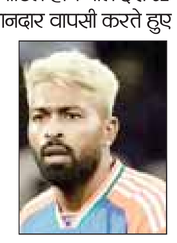

हार्दिक ने कहा, 'मेरी सोच यह थी कि मैं पहले की तुलना में अधिक दमदार और बेहतर वापसी करूं। चोटें मानसिक रूप से आपकी परीक्षा लेती हैं और साथ ही कई तरह के संदेह भी पैदा करती हैं। इससे उबरने में अपने करीबी लोगों का भी बड़ा योगदान होता है।' उन्होंने कहा, 'मैंने खुद को मजबूत बनाए रखा, जिससे मुझे अधिक आत्मविश्वास मिला तथा खुद पर भरोसा करने और अपनी क्षमताओं पर पूरी तरह से विश्वास करने में मदद मिली है। मुझे एक खिलाड़ी के रूप में खुद पर पूरा भरोसा है। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि अगर आप खुद पर विश्वास नहीं करते हैं, तो दूसरे आप पर कैसे विश्वास करेंगे।'

आईएल टी20 : पूरन ने नहीं की स्टंपिंग तो रिटायर्ड आउट हुए बल्लेबाज होल्डन

एजेंसी ▶▶| अबू धाबी

इंटरनेशनल लीग टी20 में डेजर्ट वाइपर्स ने एमआई एमिरेट्स को रोमांचक मुकाबले में एक रन से हराया। मैच में बड़ा ड्रामा देखने को मिला। मामला डेजर्ट वाइपर्स की पारी के 16वें ओवर का है। इसमें निकोलस पूरन ने रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे मैक्स होल्डन को जानबूझकर स्टंपिंग नहीं किया। अगली गेंद पर होल्डन रिटायर्ड आउट होकर पवेलियन लौट गए। अबू धाबी में टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए वाइपर्स का स्कोर 16वें ओवर से पहले 1 विकेट पर 110 रन था। मैक्स होल्डन और सैम करन क्रीज पर थे और दोनों जूझते दिख रहे थे। पिछले चार ओवरों में 20 रन बने थे और शिमरोन हेटमायर और डैन लॉरेंस डगआउट में थे।

16वें ओवर का रोमांच

वाइपर्स को रन की जरूरत थी और इंग्लैंड के खिलाड़ी होल्डन तीसरी गेंद पर स्ट्राइक पर थे। इससे पहले करन ने राशिद खान की गेंद पर चौका जड़ने के बाद सिंगल लिया था। तीसरी और चौथी गेंद पर कोई रन नहीं बना। एमआई एमिरेट्स ने उनमें से चौथी गेंद पर रिव्यू गंवाया जब पूरन को लगा कि गेंद होल्डन के बल्ले पर लगकर उनके पास आई है, लेकिन गेंद पैड से लगकर उनके पास आई थी। पांचवीं गेंद पर दो रन बने। फिर ड्रामा शुरू हुआ।

पूरन ने नहीं की स्टंपिंग

राशिद की अगली गेंद पर होल्डन क्रीज से बाहर निकल आए और बड़ा शॉट लगाने का प्रयास किया, लेकिन वाइड गेंद की वजह से वह चूक गए। वह क्रीज से इतने दूर थे कि उन्होंने वापस आने की कोशिश भी नहीं की। पूरन के पास बॉल थी, लेकिन उन्होंने स्टंपिंग नहीं की। होल्डन को एहसास हुआ कि पूरन क्या करने वाले हैं और उन्होंने अपना बल्ला वापस ग्राउंड किया।

जूनियर महिला विश्व कप हॉकी : नौवें स्थान के लिए आज भारत का मुकाबला स्पेन से

गोलकीपर निधि ने बचाए 3 गोल, भारत ने उरुग्वे को हराया

एजेंसी ▶▶| सैंटियागो

गोलकीपर निधि के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने पेनल्टी शूटआउट में उरुग्वे को 3-1 से हराकर जूनियर महिला विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट में नौवें स्थान पर रहने की अपनी उम्मीदों को कायम रखा। नौवें से 12वें स्थान के लिए खेले गए इस क्लासिफिकेशन मैच में दोनों टीम निर्धारित समय तक 1-1 से बराबरी पर थी।

भारत की तरफ से मनीषा ने 19वें मिनट जबकि उरुग्वे के लिए जस्टिना अरेगुई ने 60वें मिनट में गोल किया। पेनल्टी शूटआउट में भारत की तरफ से पूर्णिमा यादव, इशिका और कनिका सिवाच ने गोल किए, जबकि गोलकीपर निधि ने उरुग्वे के तीन गोल का बचाव करके अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की।

अंतिम क्वार्टर में उरुग्वे ने खेला खुलकर

अंतिम क्वार्टर में उरुग्वे ने अधिक खुलकर खेलना शुरू किया। जब मैच समाप्त होने में दो मिनट का समय बचा था तब उरुग्वे ने गोलकीपर की जगह एक फील्ड खिलाड़ी को मैदान में उतारा और उसकी यह रणनीति कारगर साबित हुई। अब खेल समाप्त होने में केवल दो सेकंड का समय बचा था कि तभी उरुग्वे को पेनल्टी मिली। जस्टिना अरेगुई ने इसे गोल में बदलकर मैच को शूटआउट में पहुंचा दिया, जिसमें निधि के शानदार खेल से भारत जीत हासिल करने में सफल रहा। भारत का अगला मुकाबला नौवें स्थान के लिए गुरुवार को स्पेन से होगा।

पहले क्वार्टर में भारत का दबदबा

पहले क्वार्टर में भारत का दबदबा रहा और उसने शुरुआत में ही कई मौके बनाए। हालांकि उरुग्वे को पांचवें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाया। भारत ने 18वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन साक्षी राणा का शॉट विपक्षी गोलकीपर ने रोक दिया। इसके कुछ क्षण बाद ही मनीषा ने हालांकि भारत को बढ़त दिला दी। इसके बाद अगले दो क्वार्टर में दोनों टीम ने गोल करने के लिए कई प्रयास किए नहीं लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली।

सरकार की ओर से पूर्व आदेश वापस लेने की है मांग

हाई कोर्ट ने आबादी से 500 मीटर दूर विनिष्टीकरण पर लगाई थी रोक

यूका के जहरीले कचरे की राख के विनिष्टीकरण के मामले में संशोधन आवेदन पेश

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने प्रदेश शासन की ओर से दायर संशोधन आवेदन पर सुनवाई दो सप्ताह बाद निर्धारित की है। जस्टिस विवेक कुमार सिंह व जस्टिस अजय कुमार निरंकारी की डिवीजन बेंच के समक्ष राज्य शासन ने इस आवेदन के जरिए पूर्व आदेश वापस लेने की मांग की है। मामला यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे की राख के विनिष्टीकरण से संबंधित है। हाई कोर्ट ने पूर्व आदेश के जरिए आबादी से 500 मीटर दूर विनिष्ठीकरण पर रोक लगा दी थी। साथ ही सरकार को यह प्रक्रिया अपनाने अपेक्षाकृत और भी सुरक्षित स्थल तलाशने निर्देश दिए थे।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2004 में आलोक प्रताप सिंह ने यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे के विनष्टीकरण की मांग करते हुए हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता की मृत्यु के बाद हाई कोर्ट मामले की सुनवाई संज्ञान याचिका के रूप में कर रहा है। पूर्व में हुई सुनवाई के दौरान राज्य शासन की

ओर से पेश रिपोर्ट में बताया गया था कि यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे का विनष्टीकरण सफलतापूर्वक पीथमपुर स्थित सुविधा केंद्र में कर दिया गया है। जहरीले कचरे से लगभग 900 मीट्रिक टन राख व अवशेष एकत्रित हुआ है। इस दौरान हाई कोर्ट में दायर की गई अन्य याचिका में कहा गया था कि यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे की राख में रेडियो एक्टिव पदार्थ सक्रिय हैं, जो चिंता का विषय है। राख में मरकरी है, जिसे नष्ट करने की तकनीक सिर्फ जपान व जर्मनी के पास है। हाई कोर्ट ने उक्त याचिका की सुनवाई मुख्य याचिका के साथ किए जाने की व्यवस्था दे दी थी।

इंसानी बस्तियों, पेड़-पौधों और पानी के स्रोतों से बहुत दूर हो :

हाई कोर्ट के तत्कालीन प्रशासनिक न्यायाधीश अतुल श्रीधरन व न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की युगलपीठ ने आठ अक्टूबर को पारित आदेश में कहा था कि जहरीले कचरे की राख की लैंडफिलिंग को लेकर दिशा-निर्देश जारी करने के बावजूद सरकार द्वारा दूसरे स्थान के सिलसिले में संतोषजनक जानकारी नहीं दी गई है। सरकार के द्वारा इंसानों की आबादी से सिर्फ 500 मीटर दूर लैंड फिलिंग का स्थान निर्धारित किया गया है। कचरा अभी भी जहरीला है और अगर इसे ठीक से नहीं रोका गया तो भूकंप जैसी किसी प्राकृतिक आपदा के कारण उसे रोकने वाला स्ट्रक्चर ही टूट जाए या गिर जाए, तो एक और आपदा होगी। राज्य सरकार जहरीली राख को ऐसी जगहों पर ले जाने की संभावना पर विचार करना चाहिए जो इंसानी बस्तियों, पेड़-पौधों और पानी के सोर्स से बहुत दूर हों। कंटेनमेंट सिस्टम टूट भी जाए, तो भी इसके बुरे असर बहुत कम हों। इंटरवीनर याचिका में कहा गया है कि जहरीने कचरे में मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड रिपोर्ट में बताई गई तय लिमिट से मरकरी की मात्रा अधिक है। राज्य के अधिवक्ता ने एक एनिमेटेड वीडियो प्रेजेंटेशन के साथ यह दलील दी कि जहरीली राख को रोकने के लिए जो स्ट्रक्चर बनाया है, सबसे माडर्न सुरक्षा उपायों का इस्तेमाल करते हुए बनाया गया है। न्यायालय इस बात से संतुष्ट नहीं है कि प्रस्तावित कंटेनमेंट स्ट्रक्चर किसी भी तरह की अचानक जियो-टेक्टोनिक एक्टिविटी से होने वाले नुकसान से पूरी तरह सुरक्षित है।

लैंडफिलिंग के लिए दूसरा स्थान के चयन में बरतें गंभीरता

पूर्व में हाई कोर्ट ने अपने आदेश में तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा था कि बारिश में नई सड़कें बह जाती हैं और पुल गिर जाते हैं और इससे भी बुरा जब रेलवे ओवरब्रिज राइट-एंगल मोड़ के साथ बनाए जाते हैं। जिससे यह राज्य पूरे देश में मज़ाक का पात्र बन जाता है। तो राज्य की इंजीनियरिंग की काबिलियत पर पूरा भरोसा करना तबाही को न्योता देना हो सकता है। इस कोर्ट की चिंता को सरकार का मजाक उड़ाने जैसा नहीं समझना चाहिए, बल्कि कोर्ट जो सावधानी बरत रहा है, वह एक बार चोट खाने के बाद दूसरी बार बचने जैसा है। भोपाल में फैक्ट्री तब तक सुरक्षित थी, जब तक कोई मुसीबत नहीं आई और लगभग 20 हजार लोगों की जान एक पल में चली गई। पांच लाख दूसरे लोगों को अपनी बाकी जिंदगी सांस और देखने की दिक्कतों से जूझना पड़ा रहा है। इसलिए, जब जहरीली राख को रोकने की बात आती है, शायद आखिरी सांस तक, तो कोई भी सावधानी ज्यादा नहीं होती। इसलिए जहरीली राख को रोकने की मौजूदा जगह, जो इंसानों की आबादी के पास करने को कोर्ट को मंजूर नहीं है। हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देशितत किया था कि जहरीले कचरे की राख की लैंडफिलिंग की सबसे अच्छी टेक्निकल एक्सपर्टीज पाने के लिए कोई ग्लोबल टेंडर निकाला गया था, जिनके पास इस तरह का काम करने और जहरीले केमिकल कचरे को कंटेन करने के अनुभव हो, इस संबंध में जानकारी प्रस्तुत करें। इसके अलावा लैंडफिलिंग के लिए दूसरा स्थान का चयन करें।

मामले का पटाक्षेप

सरकारी स्कूलों में ई-अटेंडेंस की अनिवार्यता के खिलाफ दायर याचिका वापस

जबलपुर। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में ई-अटेंडेंस की अनिवार्यता के खिलाफ दायर की गई याचिका बुधवार को वापस ले ली गई। याचिकाकर्ता शिक्षकों की ओर से कोर्ट में निवेदन किया गया कि वे नए तथ्यों के साथ फ्रेश याचिका दाखिल करना चाहते हैं। जस्टिस एमएस भट्टी की सिंगल बेंच ने याचिका वापस लेने की अनुमति प्रदान करते हुए मामले का पटाक्षेप कर दिया। कोर्ट ने कहा कि याचिका में जिस नियम को हवाला दिया जा रहा है, वह फ्रेश पिटिशन में ही दिया जा सकता है। पुरानी याचिका में जो आधार दिए गए थे, उन आधारों पर दूसरे मुकदमों के फैसले हो चुके है। राज्य सरकार के हमारे शिक्षक ई ऐप को चुनौती देते हुए प्रदेश के 27 शिक्षकों की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में बताया गया था कि 'हमारे शिक्षक ई' एप सुरक्षित नहीं है, इससे डेटा लीक होने और साइबर फ्रॉड की घटनाएं सामने आई हैं। जबलपुर के शिक्षक मुकेश सिंह बरकड़े सहित विभिन्न जिलों के 27 शिक्षकों ने ई-अटेंडेंस के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि 'हमारे शिक्षक' ऐप से प्रतिदिन उपस्थिति दर्ज कराने में गंभीर तकनीकी और व्यावहारिक कठिनाइयां आ रही हैं। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता अंशुमान सिंह ने कोर्ट को बताया था कि सरकार यह ऐप एक निजी संस्था से चलवा रही है और वही संस्था शिक्षकों का डेटा कलेक्ट कर रही है। केंद्र सरकार के निजी डेटा कलेक्शन नियम इस पर लागू होते हैं, पर ऐप में सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त नहीं है। शिक्षकों ने कोर्ट को यह भी बताया था कि प्रदेश में 5–6 शिक्षकों के खातों से रुपए निकाल लिए गए और उनकी निजी जानकारी लीक हुई। कई जिलों के शिक्षा अधिकारियों ने इसकी शिकायत करते हुए पत्र भी लिखे। डीपीआई ने इन शिकायतों को स्वीकार करते हुए माना कि कुछ शिक्षकों के साथ फ्रॉड की घटनाएं हुई हैं और अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। वहीं राज्य सरकार ने कोर्ट में कहा था कि ई-अटेंडेंस सिस्टम पहले भी सही साबित किया गया है। सरकार का कहना है कि ऐप के लिए डेटा सेफ्टी सर्टिफिकेट लिया गया है और न तो सर्वर की समस्या है, न नेटवर्क की।

मौसम : 8 से 9 डिग्री के बीच झूल रहा पारा

बर्फीली हवाओं से ठिठुरन बढ़ी

जबलपुर। सुबह हो या दोपहर या हो फिर रात, ठण्ड चैन नहीं लेने दे रही है। बीते तीन दिनों से ठण्ड के तेवर यथावत बने हुये हैं। पिछले तीन दिनों से पारा 8 से 9 डिग्री के आसपास झूल रहा है। उत्तर से आ रही बर्फीली हवाएं लोगों को ठिठुरने के लिये विवश कर रही है। मौसम विभाग का कहना है कि ठण्ड का प्रभाव अभी दो-तीन दिन ऐसे ही बना रहेगा।

शीतलहर के बीच कंपकंपा देने वाली ठण्ड ने जनजीवन को प्रभावित कर रखा है। सुबह-सुबह नौनिहाल बच्चे कंपकंपी छोड़ते हुये स्कूल जाते हैं। आसमान पर बादलों की हल्की चादर टंगी रहने से धूप भी पूर्वान्ह के बाद ही धूप नजर आती है। लेकिन धूप का प्रभाव कुछ कम होता है, जिससे ठंड से राहत नहीं मिल पाती है। दोपहर में जरूर धूप ठण्ड से राहत देती है। शाम ढलने के बाद फिर ठण्ड का नया दौर शुरू हो जाता है और सड़कें जल्द वीरान हो जाती हैं। लिहाजा, सुबह, दोपहर, शाम लोगों को ठण्ड से चैन नहीं मिल रही है। बीते कई दिनों से ठण्ड की एक सी स्थिति बनी हुई है और तापमान लगातार सामान्य से नीचे चल रहा है।

मौसम कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस सामान्य दर्ज किया गया, वहीं न्यूनतम तापमान 9.1 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री कम दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातःकाल 72 प्रतिशत और सायंकाल 54 प्रतिशत दर्ज की गई। सूर्योदय सुबह 6.42 बजे और सूर्यास्त शाम 5.26 बजे हुआ। उत्तरी पूर्वी हवायें 4 से 5 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं। प्रदेश में सबसे कम 3 डिग्री तापमान कल्याणपुर (शहडोल) में रहा। अगले 24 घंटों के दौरान मौसम शुष्क रहने की संभावना व्यक्त की गई है।

सेवानिवृत्त कर्मी को कटौती राशि न लौटाने का मामला

प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य सहित अन्य को अवमानना नोटिस

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने सेवानिवृत्त कर्मी को कटौती की राशि न लौटाने के मामले में प्रमुख सचिव, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संदीप यादव व नरसिंहपुर सीएमएचओ मनीष कुमार मिश्रा सहित अन्य को अवमानना नोटिस जारी किए हैं। जस्टिस द्वारिकाधीश बंसल की सिंगल बेंच ने सभी को स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। अवमानना याचिकाकर्ता नरसिंहपुर निवासी सुशीला वंशकार की ओर से दलील दी गई कि याचिकाकर्ता शासकीय शाला में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में कार्यरत थी। इसके बाद सेवानिवृत्त हो गई। विभाग ने सेवानिवृत्ति लाभों से रिकवरी कर ली। चूंकि सेवानिवृत्ति के उपरांत रिकवरी हाई कोर्ट व सुप्रीम कोर्ट के न्यायदृष्टांतों के अनुरूप अनुचित है, अतः हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। कोर्ट ने 60 दिन के भीतर आठ प्रतिशत ब्याज सहित राशि लौटाने का आदेश पारित किया था। लेकिन एक वर्ष गुजरने के बाद भी राशि नहीं लौटाई गई। इसीलिए अवमानना याचिका दायर की गई है। हाई कोर्ट ने अवमानना नोटिस जारी कर जवाब मांग लिया है।

पुणे–सांगानेर–पुणे स्पेशल ट्रेन के तीन फेरे

जबलपुर। यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने गाड़ी संख्या 01405/01406 पुणे–सांगानेर–पुणे साप्ताहिक सुपरफास्ट के 3 विशेष फेरे चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन 19, 26 दिसंबर और 2 जनवरी को पुणे से चलेगी तथा 20, 27 दिसंबर और 3 जनवरी को सांगानेर से वापसी करेगी। ट्रेन भवानीमंडी, रामगंजमंडी, कोटा और सवाई माधोपुर समेत निर्धारित स्टेशनों पर ठहरेगी। इसमें 18 कोच (4 एसी थर्ड, 8 स्लीपर, 4 सामान्य सहित) लगाए जाएंगे।

जांच की कमेटी की रिपोर्ट पर मामूली सजा को लेकर चर्चाएं सरगर्म

छेड़खानी के आरोपी रेल इंजीनियर को मिला प्रमोशन

जबलपुर। जबलपुर रेल मंडल ने महिला कर्मी से छेड़खानी के कथित आरोपी को मामूली सी सजा देकर प्रमोशन देने का मामला सरगर्म है। इस विवादित मामलें की जांच के लिए विशाखा कमेटी गठित की गई थी। कमेटी की रिपोर्ट आने के बाद आरोपी इंजीनियर का सिर्फ एक वेतन वृद्धि कम की गई और इसी बीच उसे पदोन्नत कर दिया। गौरतलब है कि पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर रेल मंडल में पदस्थ एक इंजीनियर (एसएसई) पर महिला कर्मी ने छेडख़ानी सहित अन्य गंभीर आरोप लगाये थे। मामले की जांच विशाखा कमेटी द्वारा की गई। किंतु आश्चर्य की बात यह है कि कमेटी ने इंजीनियर को दोषी पाया, किंतु बड़े अधिकारियों ने उस इंजीनियर को मात्र एक इंक्रीमेंट कम करने की सजा दी। और इतना ही नहीं इस इंजीनियर का प्रमोशन भी हो गया।

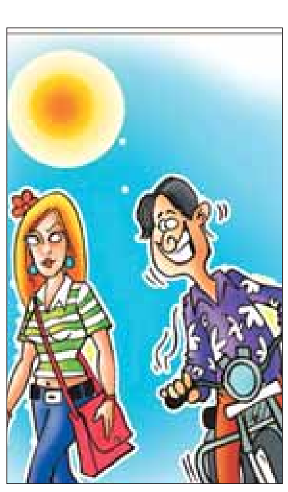

अब मामला यहां फंसा हुआ है कि एक साल की इंक्रीमेंट की सजा जब तक नहीं खत्म हो जाती, तब तक उक्त इंजीनियर पदोन्नति की जगह ज्वाइनिंग नहीं कर सकते। सूत्रों की माने तो उस इंजीनियर द्वारा अपनी इंक्रीमेंट की सजा कम करने की लिए डीआरएम के समक्ष अपील की तैयारी की जा रही है, ताकि वे एईएन के पद पर कार्यभार संभाल सकें।

इतनी कम सजा पर चर्चा सरगर्म

सूत्रों के मुताबिक रेलवे कर्मचारी द्वारा लिखित में इंजीनियर के खिलाफ छेड़खानी की शिकायत बड़े कर्मचारियों से की गई थी। शिकायत के बाद विशाखा कमेटी गठित की गई. कमेटी ने भी आरोपों को सही पाते हुए इंजीनियर को दोषी ठहराया गया था। जब एक्शन लेने की बात सामने आई तो मात्र एक साल की वेतन वृद्धि रोकने की सजा दी गई और इसी बीच उनका प्रमोशन भी हो गया। इस मामलें को लेकर रेलवे में तरह-तरह की चर्चाएं सरगर्म है।

स्वच्छता के दुश्मनों से रेलवे ने वसूले 12 लाख

जबलपुर। जबलपुर रेल मंडल द्वारा स्वच्छता के प्रति यात्रियों में जागरूकता लाने एवं रेलवे परिसरों को स्वच्छ बनाए रखने के उद्देश्य से निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। मंडल के अंतर्गत सभी प्रमुख स्टेशनों एवं ट्रेनों में नियमित रूप से साफ-सफाई की जा रही है। स्वच्छता के नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध रेलवे अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। अप्रैल 2025 से नवंबर 2025 की अवधि में जबलपुर मंडल में कुल 6,126 मामलों में कार्रवाई की गई, जिससे रेलवे को रुपए 12 लाख 26 हजार का राजस्व प्राप्त हुआ। केवल नवंबर माह में ही 660 यात्रियों को ट्रेनों या स्टेशनों पर गंदगी फैलाने के लिए पकड़ा गया, जिन पर आर्थिक दंड लगाकर रेलवे को रुपए 1 लाख 32 हजार का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हुआ।

आरोप : दीक्षितपुरा सरकारी स्कूल पर ध्यान नहीं दे रहे जिम्मेदार

बाहर लगा खतरे का नोटिस, अंदर चल रही कक्षाएं

जबलपुर। शहर की दीक्षितपुरा सरकारी शाला इन दिनों गंभीर लापरवाही का उदाहरण बन गई है। स्कूल भवन इतना जर्जर हो चुका है कि बाहर निगमायुक्त के आदेशानुसार साफ-साफ नोटिस चस्पा किया गया है, शाला भवन जर्जर है, यहां क्लासेस न लगाएं। लेकिन हैरानी की बात यह है कि इसी नोटिस की दीवार के भीतर आज भी बच्चों की नियमित कक्षाएं जारी हैं।

भवन की छत से जगह-जगह प्लास्टर झड़ रहा है, दीवारों में चौड़ी दरारें हैं और बारिश के दिनों में पानी टपकना आम बात है। शिक्षक और बच्चे रोज इसी जोखिम के बीच पढ़ाई करने को मजबूर हैं। अभिभावकों का कहना है कि नोटिस देखकर तो ऐसा लगता है जैसे भवन किसी भी समय गिर सकता है, लेकिन विकल्प न होने के कारण बच्चों को भेजना पड़ रहा है।

3 साल से निर्माण प्रस्ताव अटका

क्षेत्रीय पार्षद हर्षित यादव ने बताया कि वे इस भवन के नवनिर्माण के लिए पिछले तीन साल से लगातार प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं सासंद, विधायक, महापौर, निगमायुक्त, कलेक्टर, यहां तक कि संभागायुक्त तक गया। सभी अधिकारियों को भवन की स्थिति दिखाकर तत्काल निर्माण की मांग रखी, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई. यादव के अनुसार कई बार प्रस्ताव और निरीक्षण के बाद भी फाइलें आगे नहीं बढ़ पा रही हैं और स्कूल हर दिन एक बड़े हादसे की आशंका के साथ चल रहा है।

गरीब परिवारों के बच्चों की पढ़ाई दांव पर

दीक्षितपुरा शाला में पढ़ने वाले अधिकांश बच्चे बेहद गरीब परिवारों से आते हैं। किसी के पिता ऑटो चलाते हैं, कोई चाय बेचने का काम करता है, तो कोई मजदूरी करता है। अभिभावकों का कहना है कि बेहतर शिक्षा की उम्मीद में वे अपने बच्चों को सरकारी स्कूल भेजते हैं, लेकिन जर्जर भवन में पढ़ाई करवाने से हर पल चिंता बनी रहती है।

स्थानीय लोगों की मांग

क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि या तो बच्चों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जाए, या फिर जर्जर स्कूल भवन का नवनिर्माण तुरंत शुरू कराया जाए। शाला की स्थिति दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है और यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो किसी बड़े हादसे से इंकार नहीं किया जा सकता।

बीएलओ कर रहे अनुपस्थित मिले वोटरों की सूची का वाचन

एसआईआर : छूटे मतदाताओं की हो रही तलाश

जबलपुर। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के अंतर्गत जबलपुर जिले के सभी आठ विधानसभा क्षेत्र के शत-प्रतिशत मतदाताओं के गणना पत्रकों का डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा हो जाने के बाद अब ऐसे मतदाताओं की तलाश की जा रही है, जिनके गणना प्रपत्र अभी तक प्राप्त नहीं हो सके हैं और इस वजह से उनके नाम अनुपस्थित या स्थानान्तरित मतदाताओं की सूची में शामिल हो गए हैं।

बीएलओ द्वारा अपने मतदान केंद्रों पर एएसडीआर श्रेणी के इन मतदाताओं के नामों का वाचन किया जा रहा है, ताकि ऐसा कोई भी मतदाता जो क्षेत्र में है, लेकिन किसी कारणवश अभी तक गणना प्रपत्र नहीं भरकर वापस नहीं कर सका है, उसके बारे में सूचित किया जा सके और ऐसा मतदाता अपना गणना प्रपत्र भरकर बीएलओ को सौंप सके।

जिला निवार्चन कार्यालय से प्राप्तौ जानकारी के अनुसार एएसडीआर सूची के वाचन से इस श्रेणी में शामिल मतदाताओं की संख्या में कुछ कमी भी आई है। जिले के 19 लाख 25 हजार 472 मतदाताओं में से अब ऐसे मतदाताओं की संख्या 2 लाख 60 हजार 591 हो गई है जिनके गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं हुए हैं या अनकलेक्टेबल हैं। इन मतदाताओं में 51 हजार 004 मृत, 75 हजार 895 अनुपस्थित, 1 लाख 18 हजार 303 स्थोई तौर पर स्थारनांतरित मतदाता भी शामिल है। गणना प्रपत्र प्राप्ति नहीं होने पर ऐसे मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाये जा सकते हैं। जिला निर्वाचन कार्यालय के अनुसार जिन मतदाताओं के गणना प्रपत्र नहीं भरे हैं, उनके लिये अभी भी दो दिन और शेष हैं। ऐसे मतदाता 10 और 11 दिसम्ब र को अपने बीएलओ को गणना प्रपत्र भरकर सौंप सकते हैं, अन्य1था उनका नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं किया जा सकेगा। जिला निर्वाचन कार्यालय के मुताबिक जिन मतदाताओं के गणना प्रपत्र डिजिटाइज्ड किये जा चुके हैं, उनमें ऐसे मतदाताओं की संख्या में भी कमी आई है जिनकी 2003 की मतदाता सूची से मेपिंग नहीं हो सकी है। अब अभी तक की स्थिति में नों मेपिंग वाले मतदाताओं की संख्या जिनके 1 लाख 07 हजार 638 रह गई है। नो मेपिंग वाले मतदाताओं को 2003 की मतदाता सूची से मेप करने लगातार किये जा रहे प्रयासों से इनकी संख्या में और भी कमी आ सकती है। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्तक जानकारी के अनुसार ऐसे मतदाता (अनुपस्थित, स्थाहनांतरित, मृत और रिपिटेड) जिनके गणना प्रपत्र अभी तक प्राप्त नहीं हुये हैं, उनमें विधानसभा क्षेत्र पाटन के 21 हजार 552, बरगी के 24 हजार 340, जबलपुर पूर्व के 50 हजार 674, जबलपुर उत्तणर में 26 हजार 835, जबलपुर केंट में 41 हजार 378, जबलपुर पश्चिम 46 हजार 480, पनागर 30 हजार 844 एवं सिहोरा विधानसभा क्षेत्र के 18 हजार 488 मतदाता शामिल हैं। एएसडीआर श्रेणी के ये मतदाता जिले के कुल मतदाताओं का 13.53 प्रतिशत हैं।

दिनदहाड़े लाखों के जेवर सहित नगदी चोरी

वारदात : रांझी और संजीवनी नगर में चोरों ने लगाई सेंध

जबलपुर। संजीवनीनगर और रांझी थाना क्षेत्र में दिन दहाड़े दो सूने मकानों का ताला तोड़कर अज्ञात चोर लाखों रुपए के सोने चांदी के जेवर एवं 60 हजार रुपए नगदी चोरी कर ले गए।

संजीवनीनगर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार सागर कालोनी निवासी 49 वर्षीय अधिवक्ता श्रीमति अक्षय सक्सेना गत सुबह लगभग 11.30 बजे घर में ताला बंद करके अपने पिता डॉक्टर अर्जुन सक्सेना के घर महादेव परिसर के सामने धनवंतरीनगर गई थी। शाम लगभग 7 बजे वह अपने घर पहुंची और गेट का ताला खोलकर अंदर गई तो देखा मेन गेट का सेंट्रल लॉक ताला टूटा था। तीनों

आलमारी के लॉक टूटे थे आलमारी में रखे सोने का मंगलसूत्र, हार, 3 रिंग जिसमें एक रिंग में पुखराज लगा हुआ था चांदी की करधन जिसमें सोने का पालिश है तथा नगदी रूपये अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। इसी प्रकार रांझी में स्टॉफ कालोनी निवासी 50 वर्षीय इंजीनियरिंग कालेज मे निर्देशक के पद पर पदस्थ धीरेंद्र कुमार चौकीकर की पत्नी मानेगांव स्कूल में शिक्षिका है। गत सुबह 8.30 बजे उसकी बेटियां स्कूल चली गई थी और दोनों पति पत्नी अपनी अपनी ड्यूटी पर चले गए थे। दोपहर में जब वह घर आया ओर ताला खोलकर अंदर गया तो देखा कि पीछे के दरवाजा टूटा था। अलमारी में रखे सोने के 2 मंगलसूत्र, 1 चेन, 2 अंगूठी, 1 जोडी टाप्स, 2 जोडी बाली, चांदी की अंगूठी मोती लगा, 3 जोड़ी बिछिया, 2 जोड़ी पायल, तथा 2 कैमरे एवं नगदी 60 हजार, रूपये अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेद्वी RNI No.: MPHIN/2008/24240